शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

लोग तय करेंगे कि मैं प्रासंगिक हूं या नहीं: कुमारस्वामी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 13 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-103

जेल से सरकार चलाने का केजरीवाल-प्रकरण लोकतंत्र पर कलंक

भारत में एक खतरनाक अनैतिक दौर की शुरुआत

भ्रष्टाचार में गिरफ्तार होने के बाद भी कोई मुख्यमंत्री इस्तीफा न दे और जेल से सरकार चलाए, यह भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास पर कलंक की तरह चस्पा हो गया है। पूरी दुनिया में यह संदेश गया है कि भारतीय लोकतंत्र में संविधान और कानून का नहीं, बल्कि अराजकता और अपराधवृत्ति का वर्चस्व है। भारतीय राजनीति में अरविंद केजरीवाल ऐसा शख्स हुआ, जिसने भारत के गौरवशाली लोकतंत्र को अनैतिकता का जामा पहना दिया। अरविंद केजरीवाल की बेशर्मी से अधिक शर्मनाक हरकत विपक्ष के नेत-ाओं की है जो संविधान और कानून को ताक पर रख कर घोटालेबाज नेता को बचा रहे हैं और जेल से सरकार चलाने के लिए उकसा रहे हैं। स्पष्ट है कि ऐसे नेताओं के लिए संविधान और कानून केवल शाहीनबाग जैसे षडयंत्रों में इस्तेमाल करने के लिए है। आम नागरिकों की तरफ से उठ रहा यह सवाल वाजिब है कि क्या संविधान और कानून मानने का दायित्व केवल आम आदमी का ठेका है?

न्यायपालिका और विधायिका की नाकामी पर देशवासी हतप्रभ

अरविंद केजरीवाल के प्रकरण से यह सवाल उभरा है कि अगर कोई मुख्यमंत्री आपराधिक मामले में जेल में है या वह देश छोड़कर भाग जाए तो क्या वह जेल से या विदेश से शासन चला सकता है? क्या इस प्रकरण के बाद अब जेल से भी व्हाट्सएप संदेशों के जरिए देश में सरकारें चलेंगी?

शुभ-लाभ विमर्श

क्या कानून मानने का दायित्व केवल आम आदमी का ठेका है?

यह मामला पूरी न्याय प्रणाली और संसदीय प्रणाली के साथ-साथ संविधान के प्रावधानों की पुनरसमीक्षा और उसके बेहतर संशोधन का रास्ता खोलता है। प्रधानमंत्री चुनावी अनवार्यताओं के तहत भले ही यह कहते रहें कि बाबा साहेब अंबेडकर भी आ जाएं तो वे संविधान नहीं बदल सकते। जबकि ईमानदारी से प्रधानमंत्री भी सोचें तो यही पाएंगे कि बाबा साहेब अंबेडकर भी होते तो आज यही कहते कि उनके द्वारा तैयार संविधान में आवश्यक संशोधन और कुछ नए कानूनी प्रावधान शामिल किया जाना नितांत आवश्यक है। अन्यथा, भारत में एक खतरनाक दौर की शुरुआत अरविंद केजरीवाल ने कर दी है। केवल इतना ही बाती रह गया है कि अब कोई मुख्तार अंसारी या अतीक अहमद जैसा शख्स जेल से सरकार चलाए और कानून मुंह ताकता रहे। संविधान निर्माताओं ने कभी सोचा ही नहीं था कि भविष्य में ऐसे बेशर्म नेता पैदा होंगे।

नैतिक दायित्वों से बच रही केंद्र सरकार

अभी तक केंद्र सरकार की तरफ से ऐसा कोई प्रयास होता हुआ नहीं दिख रहा है, जिससे यह अनुमान लग सके कि दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की कोई कार्रवाई होने वाली हो। भाजपा भी इन स्थितियों के राजनीतिक नफा-नुकसान का आकलन कर रही होगी।

लोकतंत्र की नैतिक स्थापना से किसी राजनीतिक पार्टी का क्या लेना देना! अभी तक नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 साल के कामकाज में किसी एक भी राज्य में राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया है। इसलिए वह इस दाग से बचने के लिए अपने मूल नैतिक दायित्वों से बच रही है। उसे भी चिंता होगी कि अगर वह दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाती है, तो विपक्ष को कहने का अवसर मिल जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उधमपुर में दी बड़ी चुनौती

370 वापस लाकर दिखाए कांग्रेस, देश विलुप्त कर देगा

उधमपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर के उधमपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर को शीघ्र ही पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही यहां विधानसभा चुनाव भी कराए जाएंगे। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पीएम मोदी के इस बयान के काफी मायने हैं। विपक्ष पिछले काफी समय से राज्य में विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर रहा है। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वह बहुत आगे की सोचते हैं। इसलिए अब तक जो हुआ है वह सिर्फ ट्रेलर है। जल्द ही आप अपनी बात अपने विधायकों और मंत्रियों के साथ शेयर कर सकेंगे।पीएम मोदी ने कहा कि दशकों के बाद आगामी लोकसभा चुनाव आतंकवाद, अलगाववाद, पथराव, हड़ताल और सीमा पार आतंकवाद के डर के बिना हो रहा है। यहां अब कोई चुनावी मुद्दे नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि वैष्णो देवी और अमरनाथ तीर्थयात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी, लेकिन अब सुरक्षा की स्थिति पूरी तरह बदल गई है। जम्मू-कश्मीर में विकास हो रहा है और सरकार में लोगों का विश्वास मजबूत हो रहा है।

लोग अनुच्छेद-370 पर कांग्रेस से भ्रमित नहीं होने वाले

370 हटने से क्या मिला, यहां की बहन-बेटियों से पूछें

जम्मू कश्मीर शीघ्र होगा पूर्ण राज्य, होंगे वि.स. चुनाव

अंबेडकर खुद भी आ जाएं तो संविधान खत्म नहीं कर सकते

बाड़मेर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाड़मेर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एससी, एसटी और ओबीसी के साथ दशकों तक भेदभाव करने वाली कांग्रेस आज कल एक पुराना रिकॉर्ड बजा रही है। वह कांग्रेस जिसने बाबा साहब के जीते जी उन्हें चुनाव हरवाया, उन्हें भारत रत्न नहीं मिलने दिया और वह कांग्रेस जिसने आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ-साफ कह दिया

भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग नहीं रुकेगी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ-साफ कह दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने जो जंग छेड़ी है, वह रुकने वाली नहीं है। पीएम मोदी ने कहा, किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार का असर पूरे देश के लोगों पर पड़ता है। इसलिए भ्रष्टाचार खत्म करना ही मेरी प्राथमिकता है। विरोधियों पर ईडी की कार्रवाई के आरोपों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ईडी के सिर्फ तीन फीसदी मामले राजनीति से जुड़े लोगों के खिलाफ चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार की प्राथमिकता भ्रष्टाचार को खत्म करना रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर हो, यह देश के लोगों को प्रभावित करता है। ऐसे में जो लोग देश के लोगों की भलाई के लिए खर्च होने वाले पैसे को चुराते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं। विपक्षी पार्टियां सरकार पर विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों को इस्तेमाल करने का आरोप लगा रही हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ईडी के सिर्फ तीन प्रतिशत मामले ही राजनीति से जुड़े हैं।

ईडी के सिर्फ 3 प्रतिशत मामले नेताओं के खिलाफ

10 वर्ष में जब्त की एक लाख करोड़ की सम्पत्ति

प्रधानमंत्री ने कहा, जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में हैं, वहां भी कार्रवाई हो रही है। जो आरोप लग रहे हैं, वो सिर्फ वो लोग लगा रहे हैं, जिन्हें अपने खिलाफ जांच का डर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2014 में हमारी सरकार बनते ही, हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी। हमने केंद्रीय भर्ती में ग्रुप सी और ग्रुप डी के साक्षात्कार खत्म किए। हमने देश में क्लीयरेंस के लिए सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने दी नागरिकों को सलाह

ईरान और इज़राइल की यात्रा फिलहाल न करें

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने ईरान और इज़राइल के लिए यात्रा सलाह जारी की है। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को सलाह दी है कि अगली सूचना तक ईरान और इज़राइल की यात्रा न करें। विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीयों से भी अनुरोध किया है, जो वर्तमान में ईरान और इज़राइल में रह रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि इन देशों में रह रहे भारतीय तुरंत दूतावास से सम्पर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। मंत्रालय ने अनुरोध किया है कि वे अपनी सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतें और अपनी गतिविधियों को कम लोगों के साथ ही साझा करें। विदेश मंत्रालय का यह फैसला इज़राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण आया है। आशंका है कि इज़राइल हमास के बीच जारी युद्ध में ईरान भी हस्तक्षेप कर सकता है।हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल की सुरक्षा व्यवस्था तोड़ते हुए इसके इलाकों में हमला किया था। इस हमले में 1200 से ज्यादा इज़राइलियों की जान गई थीं। इस दौरान हमास लड़ाके 240 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। वहीं इज़राइल के जवाबी हमलों में हजारों फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

एचएएल को मिला 65000 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मामलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 65 हजार करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसके तहत एचएएल से 97 एलसीए मार्क 1-ए फाइटर जेट्स खरीदे जाएंगे। यह भारत सरकार द्वारा स्वदेशी मिलिट्री हार्डवेयर के लिए दिया गया सबसे बड़ा ऑर्डर हो सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को टेंडर पर जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया है। अगर यह डील हो जाती है तो इससे वायुसेना के मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे फाइटर जेट्स की जगह भारत में बने एलसीए मार्क 1-ए फाइटर जेट्स लेंगे। मिग श्रेणी के विमान जल्द ही वायुसेना से रिटायर हो जाएंगे। स्वदेशी हथियारों को बढ़ावा देने की दिशा में यह बेहद अहम कदम है। इससे रक्षा क्षेत्र की छोटी और मध्यम वर्ग की कंपनियों के व्यापार को भी फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार एचएएल को बढावा दे रहे हैं और यही वजह है कि सभी प्रकार के स्वदेशी फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर और इंजन के निर्माण का ठेका एचएएल को मिल रहा है।

वायुसेना एचएल को 83 एलसीए मार्क 1-ए फाइटर जेट्स का ऑर्डर पहले ही दे चुकी है, जिसके तहत पहला फाइटर जेट कुछ ही हफ्तों में वायुसेना को मिल जाएगा। एलसीए मार्क 1-ए, तेजस एयरक्राफ्ट का आधुनिक संस्करण है। 97 एलसीए मार्क 1-ए फाइटर जेट्स के सौदे के बारे में भारतीय वायुसेना के चीफ एयरचीफ मार्शल वीआर चौधरी ने स्पेन में पहली बार जानकारी दी थी। हाल ही में वायुसेना चीफ ने स्वदेशी फाइटर जेट्स के प्रोग्राम को लेकर समीक्षा बैठक भी की थी, जिसमें एचएएल के अधिकारी भी शामिल हुए थे। दूसरी तरफ रक्षा मंत्रालय ने यह भी खबर दी है कि भारत और उज्बेकिस्तान की सेनाएं 15 अप्रैल से संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू करेंगी। दोनों देशों की सेनाओं के बीच होने वाले दुस्तलिक युद्धाभ्यास का यह पांचवां संस्करण है। इस बार यह संयुक्त युद्धाभ्यास उज्बेकिस्तान के तरमेज जिले में हो रहा है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,244.90
-793.25 -1.06% ↓

एनएसई :22,519.40
-234.40 (-1.03%) ↓

कार्टून कॉर्नर

आतंकवाद फैलाने वाला पाकिस्तान भिखमंगी और चोरी बटमारी पर उतरा

134 देशों से चुन-चुन कर भगाए जा रहे पाकिस्तानी !

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनियाभर में पाकिस्तान की पहचान धर्मांधता और आतंकवाद पैदा करने वाली धरती की है। अब इसमें भिखमंगी और बटमारी समेत छोटे अपराध भी शामिल हो गए हैं। कंगाली की मार झेल रहे पाकिस्तान के लोग अलग अलग देशों में भीख मांगने से लेकर जरायम धंधे पर उतर आए हैं। इस वजह से दुनिया के अलग-अलग मुल्कों से पाकिस्तानियों को भगाया जा रहा है। पाकिस्तानियों को पकड़-पकड़ कर वापस उनके देश भेजा जा रहा है।

पाकिस्तान सरकार ने ही की आधिकारिक पुष्टि

पाकिस्तान की संसद में पेश किए गए दस्तावेजों के मुताबिक, बीते तीन साल में तकरीबन 20000 पाकिस्तानियों को अलग-अलग देशों से चोरी, डकैती, बलात्कार और आतंकी संगठनों में शामिल होने जैसे संगीन आरोपों में सजा काटने के बाद वापस पाकिस्तान भेज (डीपोर्ट) दिया गया। इसमें पाकिस्तान के सबसे करीबी मुल्क तुर्किये से लेकर ग्रीस, इटली और अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही फजीहत के बाद इस्लामाबाद को अपने देश के लोगों के लिए सीक्रेट दस्तावेज तक जारी करना पड़ा। दुनिया के अलग-अलग देशों से भगाए जा रहे पाकिस्तानियों की पूरी सूची सार्वजनिक की गई है।

आतंकवाद खत्म करने में भारत से मदद ले पाकिस्तान: राजनाथ

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद समाप्त करना चाहिए और उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। अगर उसे लगता है कि वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है, तो भारत की मदद ले सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद से निपटने के लिए हर तरह की सहायता देने को तैयार है। अगर पाकिस्तान आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करेगा तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,340/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,465/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 22^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीतो बेंगलूरु साऊथ को बेस्ट चेप्टर पुरस्कार

जीतो केकेजी 2.0 कोंक्लेव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अपने उत्कृष्ट कार्यप्रदर्शन और सामुदायिक कार्यक्रमों में उल्लेखनीय सक्रियता व सहभागीता के लिए जीतो बंगलौर साऊथ को सराहना मिली है। गत दिनों जीतो केकेजी ज़ोन के कार्यक्रम में संस्था को अपने बेहतरीन कार्य परियोजनाओं के लिए सराहा गया । केकेजी 2.0 कोंक्लेव में जीतो के विविध चेप्टर्स को अपने कार्यप्रदर्शन के लिए सराहा गया , जिसमें शहर के दोनों चेप्टर्स यानी बंगलौर साऊथ और जीतो बंगलौर नोर्थ को सम्मिलित रूप से केकेजी क्षेत्र के श्रेष्ट चेप्टर्स के रूप में मान्यता प्राप्त हुई । जैन समाज के उत्थान को परिलक्षित अनेक योजनाओ को सुचारू रूप

से कार्यान्वित करने के लिए इन्हें सराहा गया।

गौरतलब है कि जीतो बेंगलूरु साऊथ चेप्टर में सदस्यता की संख्या में उल्लेखानीय बढौतरी दर्ज़ हुई है। संस्था के अथक प्रयासों और कार्यनिष्ठा के फलस्वरूप यह सफलता प्राप्त हुई है।

जीतो बेंगलूरु साऊथ चेप्टर की उपलब्धियों की सूची में एक और प्रशस्ति जुड गई है , जो जीतो लेडीज़ विंग साऊथ के हिस्से में आई है। ज्ञान वर्धन कार्यक्रम आयोजन और अर्थपूर्ण सामुदायिक योगदान के लिए जीतो लेडीज़ साऊथ को बेस्ट चेप्टर की मान्यता से नवाज़ा गया है। जीतो यूथ विंग को भी उनके उत्साहपूर्ण कार्ययोगदान और योजनाओ को लेकर समर्पण भाव के लिए बेस्ट यूथ विंग चेप्टर की पहचान मिली है।

यह तमाम उपलब्धी जीतो बेंगलूरु साऊथ के सभी सदस्यों के सम्मिलित प्रयासों की बदौलत हासिल हुआ है। संस्था के पदाधिकार्यों ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। जैन धर्म के सिद्धांतों पर अग्रसर होकर विविध समाज कल्याण, सामुदायिक उत्थान और स्वउद्यम विकास की परियोजनाओ को निष्ठा से आगे बढाने के लिए सदस्यों का अभिवादन किया। ज्ञातव्य है कि जैन समाज के हर तबके के लोगों के लिए जीतो सतत प्रयास कर रहा है।

जीतो के विवेध चेप्टर्स इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कटिबद्धता से भगीरथ प्रयास कर रहा है। जीतो बेंगलूरु साऊथ चेप्टर इसी उद्देश्य की पूर्ति में पूर्ण तन्मयता से कटिबद्ध है।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा गुरूवर्या सुलोचना श्री म.सा कि सुशिष्याओं कि निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के प्रांगण में शिल्पा बांठिया द्वारा महिलाओं को सुखद व स्वस्थ जीवन जिने के लिए प्रेरित किया।

सेमिनार में, अपनी दिनचर्या बना कर समय का उपयोग करना, नींद पूरी लेना, समय समय पर मेडिकल चेकप करवाना संबंधित जानकारी दी गई।

इस सेमिनार में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत करते बताया शिल्पा बांठिया पिछले 12 वर्षो से समाज मे अलग अलग विषयों पर सेमिनार के माध्यम से अपनी अमूल्य सेवाएं दे रही है। शिल्पा बांठिया का तिलक, माल्या, शॉल,व मोमेंटो से बहुमान रीता पारख,आरती जैन, पवनी बाफना, यशोदा गुलेच्छा, कांता फोफलिया द्वारा किया गया। परिषद की मंत्री रेखा चोपड़ा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा द्वारा दी गयी।

चातुर्मास कराने हेतु गुरुदेव के समक्ष विनती की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सकल जैन संघ मंजूनाथनगर, शिवनगर की विनंती से जैन दिवाकर प्रसिद्ध वक्ता पंडित रत्न पूज्य गुरुदेव श्री चौथमलजी म. सा. के प्रपोत्र शिष्य जैन दिवाकर रत्न तरुण तपस्वी पूज्य गुरुदेव श्री विमलमुनिजी म. सा. के सुशिष्य स्वर्ण संयम आराधक, श्री वीरेन्द्रमुनि जी महाराज का सन् 2024 का चातुर्मास जैन भवन, (उत्तम अंकित विल्ला) मंजुनाथनगर संघ में घोषित हुआ है। गुरुदेव वीरेन्द्र मुनिजी म.सा. के घोषणा से मंजुनाथ नगर श्री सकल जैन संघ में हर्ष उलास की लहर दौड़ उठी। उपस्थिति में श्री सकल जैन संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा, उपाध्यक्ष विनोद मेडतवाल, मंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष रेखराज सांडबोहरा, सुरेश बाघमार, माणकचन्द धा-नेशा, राजमल बोहरा, दिनेश छाजेड, दिलख़ुश बाँठिया, हर्ष कोठारी एवं सम्पतराज कुंकुलोल, गौतमचन्द लोढ़ा,प्रवीण लोढ़ा ,आशा बाई गादिया आदि गणमान्य सदस्यों थे। यह जानकारी संघ के प्रचार प्रसार मंत्री अंकित आच्छा ने दी।

भारतीय नृत्य तन, मन और आत्मा के शुद्धीकरण का एकमात्र मंत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चेप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडिस विंग द्वारा सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत डिस्कवर द आर्ट ऑफ़ गणगौर पोस्टर बनाने की कार्यशाला जीतो कार्यालय राजाजीनगर में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित हुई।

मुख्य प्रशिक्षक भाविका कोठारी ने वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से कैनवा का महत्व बताते हुए कहा कि यह एक वेब-आधारित ग्राफिक डिज़ाइन टूल है जो उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया, प्रोडक्शन्स, फ़्लायर्स और अन्य जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन बनाने में सहयोग करता है। इसके जरिए हम यूट्यूब, सोशल मीडिया समेत बड़ी कंपनियों के लिए डिजाइनिंग का काम कर सकते हैं। इस तरह ही ग्राफिक डिजाइन हमारे लिए घर बैठे जॉब का अवसर बन रही हैं। भाविका ने सीखाया कि कई

टूल्स को सीखकर इस क्षेत्र में हम अपना शानदार करिअर बना सकते हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में सुष्मिता सेठिया प्रथम रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कवियित्री एवं नृत्यांगना देवा नाहटा ने अपने सफ़र के शुरुआती दौर, प्रभावित पल को साझा करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने का मंत्र गुरुओं का सम्मान करना और सुखी जीवन जीने की कला सीखना है। भारतीय नृत्य तन, मन और आत्मा के शुद्धीकरण का एकमात्र मंत्र है। इससे हम परम शांति की अनुभूति कर सकते है।

इस विशेष अवसर पर गणगौर पूजा अर्थ पर विशेष नाटिका की प्रस्तुति मोनिका एंड ग्रुप द्वारा तथा समूह नृत्य की प्रस्तुति सिंपल, शीतल ग्रुप द्वारा दी गई। गणगौर ईसर सजावट प्रतियोगिता में रुचिका सुमन पटावरी प्रथम, गणगौर वेशभूषा में सुनीता बोरंडिया प्रथम को पुरस्कृत किया गया।

प्रायोजक प्राइड बिल्डर्स का परिचय विनोद खटेड़ द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना एवं रेश्मा पुनमिया ने निर्णायक की भूमिका निभायी। मीना बडेरा, संगीता नागौरी ने व्यवस्था सँभाली। जीतो लेडिस विंग बेंगलोर साउथ अध्यक्ष सुनीता गांधी, बेंगलोर नॉर्थ मेंटर सरिता खिंवेसरा, तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर अध्यक्ष सुमन पटावरी,पुष्पा बोहरा ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक़ारिणी सदस्य सुमन सिंघवी. सुमन रांका, सूर्यकला सियाल, जयश्री जैन, संगीता बेताला, सुष्मिता सेठिया, नीता गादिया, मनीषा दोषी, रक्षा छाजेड उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष-संयोजिका मधु कटारिया, सह-संयोजिका रुचिका पटावरी ने संयुक रूप से शानदार संचालन किया। मनोरंजक प्रतियोगिता, गीत, संगीत, नृत्य आदि में सभी में भाग लिया । लगभग 130 सदस्यों की उपस्थिति रही। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामला : दोनों आरोपियों को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भेजा

एनआईए ने किया था गिरफ्तार

बेंगलूरु, नई दिल्ली /शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में शुक्रवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। एजेंसी ने साजिश के मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एनआईए के मुताबिक, मुसाविर हुसैन शाजिब और अदबुल मथीन अहमद ताहा को कोलकाता के पास से गिरफ्तार किया गया। दोनों यहां अपना ठिकाना बनाकर छिपे हुए थे। ठिकाने का पता लगाकर एनआईए की टीम ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को एनआईए कार्यालय से अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद वहां से दोनों को एनआईए कोर्ट लाया गया। आरोपियों को

तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भेजा गया है। रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में एसपी सौम्यदीप भट्टाचार्य ने कहा, गुरुवार की रात हमें जानकारी मिली। हम उन सूचना के आधार पर काम करने लगे। एक संयुक्त ऑपरेशन के तहत राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसी ने सूचना मिलने के दो घंटों के भीतर ही आरोपियों को पकड़ लिया। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि शाजिब ही वह व्यक्ति है, जिसने कैफे में इम्प्रोवा-इज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) रखा था। इसके अलावा ताहा विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने का मास्टरमाइंड था। एक अधिकारी ने बताया कि 12 अप्रैल की सुबह फरार आरोपियों अब्दुल मथीन ताहा और मुसाविर हुसैन शाजेब को कोलकाता के पास देखा गया। यहां वे झूठी पहचान के तहत छिपे हुए थे। एनआईए को केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के अलावा पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल पुलिस का पूरा साथ मिला। राज्य पुलिस एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से आरोपियों को पकड़ा जा सका। एनआईए ने पिछले महीने इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 10-10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। इससे पहले एक मार्च को बेंगलूरु के ब्रुकफील्ड के आईटीपीएल रोड पर स्थित कैफे में एक आईईडी विस्फोट हुआ था। एनआईए ने तीन मार्च को जांच अपने हाथ में ली थी। मामले में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि कानून के हाथ लंबे होते हैं। कोई उससे बच नहीं सकता। अपराधी पकड़े गए हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सैन समाज की महिला मंडल द्वारा शुक्रवार को संस्कृति परंपरा को कायम रखने के लिए संदेश दिया। कार्यक्रम में शारदा चौहान, सीमा दय्या, रिंकू भाटी, कंचन राठोड़, अनु, मिताली एवं दीक्षा उपस्थित रहीं।

जन्म कल्याणक शोभायात्रा में

जैन सिद्धांतों एवं तत्वों को दर्शाती हुई सुंदर झाँकियों का होगा नजारा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्मकल्याणक, जो कि आगामी 21 अप्रैल को है, महोत्सव के आयोजन में प्रभु भगवान के संदेश एवं जैन समाज की अखंडता एकता को परिलक्षित करने हेतु शोभा यात्रा में झांकियों द्वारा दर्शाने के उद्देश्य एवं इस परिकल्पना को मूर्त रूप देने हेतु शुक्रवार को झाँकी संबंधित संघ संस्था की सभा का आयोजन गोडवाड भवन में संपन्न

हुई। सभा की शुरुआत मंगलाच-रण से हुई। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा ने सभा में उपस्थित संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। मंत्री मदन मुणोत ने संगठन के आगामी आने वाले कार्यक्रमों की जानकारी व रूप रेखा रखी। साथ ही कहा कि इस वर्ष प्रभु महावीर की विशाल शोभा यात्रा में अनेक अलग अलग जैन सिद्धांत एवं तत्व को दर्शाती हुई सुंदर झाँकियों का नजारा रहेगा। झाँकी जुलूस व्यवस्था समिति के चेयरमैन विक्रम श्रीश्रीमाल ने संघ संस्थाओं को प्रभु भगवान महावीर के सिद्धांतों को दर्शाती झाँकी का निर्माण करने का आग्रह किया। शोभायात्रा समस्त जैन समाज के मंडल के साथ टाउन हॉल से एसपी रोड, नागरथपेट, एवेन्यू रोड, आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट, बीवी केआयंगर रोड, हॉस्पिटल रोड, मैसूरु बैंक सर्किल, शेषाद्रि रोड होते हुए कुंडलपुर नगरी (फ्रीडम पार्क) में विशाल जन समूह में परिवर्तित होगा। सुरक्षा समिती के चेयरमैन हितेश ने इस बात से अवगत कराया कि सुरक्षा एवं शोभायात्रा संबंधित कार्य गतिमान है। इस मौके पर सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुर-आणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिवेन्सरा, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, पूर्व सहमंत्री रितेश मेहता, जुलुस एवं झांकी समिति के सह चेयरमैन जीतेश वाया, अभय कतरेला, सुनील महेर आदि उप-स्थित रहे।

सीएम ने ममता सागर को वैश्विक साहित्य पुरस्कार मिलने पर दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कवयित्री डॉ. ममता सागर को वैश्विक साहित्य पुरस्कार मिलने पर बधाई दी।

4 से 6 अप्रैल तक नाइजीरिया के अबुजा में ग्लोबल राइटर्स यूनियन द्वारा आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक महोत्सव में ग्लोबल लिटरेरी अवार्ड प्राप्त करने वाली ममता सागर ने कावेरी में स्वर्ण पदक और पुरस्कार प्रमाण पत्र के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। अंतरराष्ट्रीय मंच से आह्वान करने वाली प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. ममता सागर ने कहा कि विविधता का जश्न मनाकर नई

एकता के बारे में सोचने की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक वोले सोयेनका के लिए इस साल के प्रतिष्ठित ग्लोबल कंसोर्टियम मानद पुरस्कार की घोषणा की गई है।

डीके शिवकुमार के बयानों की निंदा

लोग तय करेंगे कि मैं प्रासंगिक हूं या नहीं: कुमारस्वामी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस नेता और जेडीएस-भाजपा गठबंधन से मांड्या लोकसभा उम्मीदवार एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को केपी-सीसी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर जहर उगला और कहा कि लोग तय करेंगे कि वह राजनीतिक रूप से प्रासंगिक हैं या अप्रासंगिक। जिले के अरकलगुड के रामनाथपुरा में अपने भतीजे प्रज्वल रेवन्ना के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि कांग्रेस नेताओं, विशेषकर शिवकुमार की हताशा, उनके द्वारा उगादि उत्सव के सिलसिले में उनके बिदादी फार्म हाउस में आयोजित रात्रिभोज की आलोचना से स्पष्ट थी। कुमारस्वामी ने दावा किया कि शिवकुमार के सिर पर अहंकार चढ़ गया है और वह मुझसे परेशान न होने की बात करते हैं। क्या मैंने कभी उनसे मुझ पर भरोसा करने के लिए कहा है? यह राज्य के 6.5 करोड़ लोगों को तय करना है कि उन्हें मेरी जरूरत है या नहीं। शिवकुमार के इस बयान पर कि वह एक सीधे लड़ाके हैं, जेडीएस नेता ने कहा कि उन्हें इस बात की पूरी जानकारी है कि शिवकुमार एक लड़ाकू इंसान हैं। उन्होंने कहा आप (शिवकुमार) को कोतवाल रामचंद्र के अधीन प्रशिक्षित किया गया था। उनका अहंकार जल्द ही समाप्त हो जाएगा। इस आलोचना के जवाब में कि उनका परिवार आलू की खेती करके आगे बढ़ा है, कुमारस्वामी ने दावा किया कि उन्होंने कड़ी मेहनत की है और अपना फार्म हाउस स्थापित किया है। उन्होंने शिवकुमार का नाम लिए बिना कहा मैंने दूसरों या सरकार की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है और न ही उस पर बाड़ लगाई है। कृषि मंत्री एन चेल-ुवरयास्वामी के इस आरोप के जवाब में कि उन्होंने आदिचुंचनगिरी मठ के पुजारी श्री निर्मलानंद स्वामीजी का फोन टैप किया था, कुमारस्वामी ने कहा अगर मैंने फोन टैपिंग का सहारा लिया, तो मैंने अपनी सरकार को क्यों गिराने की

अनुमति दी। उन्हें कोई भी जांच करने दीजिये। इस आरोप पर कि उन्होंने और उनके पिता एचडी देवेगौड़ा ने आदिचुंचनगिरी मठ के खिलाफ वैकल्पिक मठ की स्थापना की थी, कुमारस्वामी ने यह कहकर जवाब दिया कि अन्य समुदायों में कई मठ हैं। हमने एक और मठ की स्थापना का समर्थन किया। लेकिन क्या यह मेरे खिलाफ राजनीतिक मुद्दा बनना चाहिए? जेडीएस नेता ने उगादि उत्सव के संबंध में भाजपा-जेडीएस के उम्मीदवारों और नेताओं के साथ आदिचुंचनगिरि मठ के पुजारी से मुलाकात की आलोचना के लिए कांग्रेस नेताओं पर हमला किया। उन्होंने कहा हां, हमने अपने स्वामीजी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद मांगा। यह गलत है? क्या कांग्रेस नेत-ाओं ने स्वामीजी से मुलाकात नहीं की? कुमारस्वामी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने 140 मठों को अनुदान स्वीकृत किया था। उन्होंने जोर देकर कहा मैं मठों की अच्छी गतिविधियों का समर्थन करता हूं और यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने अपने बयान को सही ठहराया कि राज्य में एक साल के भीतर राजनीतिक परिवर्तन होंगे। राजनीति हमेशा विकसित हो रही है और स्थिर नहीं है। बस इंतजार करें और देखें।

अहंकार की पराकाष्ठा

कुमारस्वामी ने शिवकुमार के इस बयान को कि जेडीएस का सफाया हो जाएगा और एक भी लोकसभा सीट नहीं जीतेगी, को अहंकार की पराकाष्ठा बताया और घोषणा की कि लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। उन्होंने हमें खत्म करने की कोशिश की। मैं पार्टी को पुनर्जीवित करने और पुनर्निर्माण करने की कोशिश कर रहा हूं। कांग्रेस के इस आरोप पर सवालों का जवाब देते हुए कि कुमारस्वामी मांड्या के लिए बाहरी व्यक्ति हैं, उन्होंने कहा मैं एक कन्नडिगा हूं। मेरा जन्म राज्य में हुआ है। अगर मैं बाहरी हूं तो सोनिया गांधी ने बल्लारी से और इंदिरा गांधी ने चिक्कमगलूरु से कैसे चुनाव लड़ा? क्या राहुल गांधी वायनाड से चुनाव नहीं लड़ रहे हैं? क्या उन्हें मांड्या या किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का कोई अधिकार नहीं है। जेडीएस नेता ने आश्चर्य जताया कि क्या शिवकुमार यह भविष्यवाणी करने वाले ज्योतिषी बन गए हैं कि उनकी पार्टी एक भी सीट नहीं जीतेगी।

प्रदेश के कई हिस्सों में अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश हो रही है और अनुमान है कि राज्य में अगले दो दिनों तक यही बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों तक तट और दक्षिणी अंदरूनी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

राज्य के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश होगी, कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

बारिश के आसार हैं। राज्य में अन्य जगहों पर भी सूखा जारी है। चिक्कमगलूरु, हावेरी, धारवाड़, गदग, हुब्बल्ली, विजयपुरा, कलबुर्गी, यादगिर, बीदर, रायचूर, कोडागु, शिवमोग्गा सहित कुछ स्थानों पर गुरुवार को बारिश हुई। कुछ स्थानों पर आंशिक रूप से बादल छाए थे और शाम और रात में बारिश का भी अनुमान है। बारिश के कारण अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। राजधानी बेंगलूरु समेत आसपास के जिलों में बादल छाए हुए हैं और शनिवार तक छिटपुट बारिश का अनुमान है।

ईश्वरप्पा के लिए अभी भी समय है

पार्टी उम्मीदवार श्रीरामुलु रिकॉर्ड अंतर से जीतेंगे लोकसभा चुनाव: विजयेन्द्र

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि केएस ईश्वरप्पा के नामांकन वापस लेने का अभी भी मौका है। अभी अंतिम निर्णय न लें, अभी समय है, देखते हैं। पार्टी उम्मीदवार श्रीरामुलु के नामांकन पत्र के आधार पर बल्लारी पहुंचे बीवाई विजयेन्द्र ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केएस ईश्वरप्पा के पास अपना नामांकन वापस लेने के लिए अभी भी समय है।

उन्होंने अभी अंतिम निर्णय नहीं लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि श्रीरामुलु रिकॉर्ड अंतर से जीतेंगे। राज्य से 30 मंत्रियों को लाने के बावजूद, बल्लारी में भाजपा की जीत निश्चित थी। उन्होंने विश्वास जताया कि येदियुरप्पा और अन्य नेता प्रचार के लिए बल्लारी आएंगे। महत्वपूर्ण लिंगायत नेताओं की बैठक पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा मैंने लिंगायत नेताओं की कोई बैठक

नहीं की है।

बस थोड़ी देर बात हुई। आगामी दिनों में बुद्धिजीवियों की बैठक बुलाई गई है। विधानसभा चुनाव में हार की कई वजहें हैं। यह चर्चा उस बारे में नहीं होगी। उन्होंने नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए सबकुछ भूलकर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। मीडिया के इस सवाल कि यह चुनाव विजयेंद्र बनाम सिद्धरामैया है, के जवाब में उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है, हमें नई बहस की इजाजत नहीं देनी चाहिए। हमारा लक्ष्य है कि बीजेपी-जेडीएस गठबंधन सभी 28 सीटों पर जीत हासिल करे। उन्होंने कहा हम उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। गांधीनगर में यूनिवर्सिटी एसोसिएशन ऑफ बल्लारी पहुंचे बी.वाई. विजयेंद्र ने संघ सदस्य से कुछ देर चर्चा की। पिछले चुनाव में बीजेपी को बल्लारी जिले में 5 सीटों का नुकसान हुआ था। लिंगायत वोटों के नुकसान के कारण बीजेपी की हार हुई। ऐसे में कहा जा रहा है कि बल्लारी-विजयनगर जिले के अहम लिंगायत नेताओं की बैठक हुई है।

कांग्रेसियों को देश की सुरक्षा और नागरिक समाज की परवाह नहीं : अश्वथ नारायण

कांग्रेसी तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण ने आपत्ति जताई कि कांग्रेस पार्टी और मंत्रियों को देश की सुरक्षा और नागरिक समाज की कोई परवाह नहीं है। भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेसी तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि छेड़खानी उनकी विशेषता है। भाजपा के आग्रह के बाद कई दिनों बाद रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट का मामला एनआईए को सौंपा गया। उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि विस्फोट से

भाजपा का संबंध है। एनआईए ने उस बात का स्पष्टीकरण दिया जिसे सबूत माना गया। कांग्रेसी हर कदम पर जांच से बचने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि डीके रवि के मामले से लेकर रामेश्वरम कैफे मामले तक, शुरुआत में फैसला उन्होंने ही किया था। यह उद्योगों के बीच नफरत की घटना नहीं है। आरोपियों के आईएसआईएस और आतंकवादी संगठनों से संबंध होने की जानकारी है। यह भी पता चला है कि आरोपियों ने आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज पश्चिम बंगाल में तैयार किये थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने कर्नाटक और बेंगलूरु को आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बना दिया है। वे ऐसे लोगों को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रहने की अनुमति दे रहे हैं जहां भारत संघ सत्ता में है। वे विभिन्न दस्तावेज भी बना रहे हैं। अगर ऐसा है तो उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, डीसीएम शिवकुमार और गृह मंत्री बताएं कि राज्य की सुरक्षा के लिए आपकी क्या जिम्मेदारी है। गिरफ्तार आरोपी 2020 के आतंकी मामले में वांछित था। कांग्रेस गंभीर मामलों में संलिप्त अपराधियों को लुभा रही है। उन्होंने संदिग्धों को निर्दोष बताने के लिए डीके शिवकुमार की आलोचना की। 1 मार्च को बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले ने बेंगलूरु को शर्मसार कर दिया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि यह बिजनेस से जुड़ा विस्फोट था। गृत मंत्री ने कहा था कि इसे बम और आतंकवाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले साल जब मेंगलूरु कुकर बम विस्फोट हुआ था, तब भी कांग्रेसी कह रहे थे कि वे सभी निर्दोष हैं।

अटकलों पर विराम लगाया

ईश्वरप्पा ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र किया दाखिल

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपनी उम्मीदवारी के बारे में अटकलों को समाप्त करते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री और अनुभवी भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव में शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। वह चिलचिलाती गर्मी सहते हुए हजारों समर्थकों के साथ जुलूस के रूप में रमन्ना श्रेष्ठी पार्क से उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। रामन्ना श्रेष्ठी पार्क से शुरू हुआ जुलूस शहर की मुख्य सड़कों से गुजरने के बाद उपायुक्त कार्यालय पर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान ईश्वरप्पा के समर्थक प्रमुख रूप से भगवा झंडे लहराते दिखे। उन्होंने उत्साहपूर्वक जय श्री राम, भारत माता की जय और राष्ट्रभक्त बलागा उम्मीदवार केएस ईश्वरप्पा जैसे नारे लगाए। रास्ते भर समर्थकों ने अपने नेता पर फूलों की वर्षा की, जिसमें महिला समर्थकों की संख्या पुरुषों से अधिक थी। जुलूस में भाग लेने वालों को गर्मी से राहत के लिए छाछ उपलब्ध कराई गई। गांधी बाजार पहुंचने पर विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेत-ाओं ने ईश्वरप्पा को माला पहनाई और उन्हें समर्थन देकर अपनी एकजुटता व्यक्त की। जुलूस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वेशभूषा में खुले वाहन से भीड़ की ओर हाथ हिला रहे एक व्यक्ति ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद, ईश्वरप्पा अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी, पूर्व मंत्री गूलीहट्टी शेखर, लिंगायत समुदाय के नेता महालिंग शास्त्री और एक पूर्व नगरसेवक के साथ उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी गुरुदत्त हेगड़े को नामांकन पत्र सौंपा। शहर के टी सीनप्पा शेट्टी सर्कल में अपने समर्थकों से बात करते हुए, ईश्वरप्पा ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर भद्रावती और जिले के अन्य हिस्सों से उनके समर्थकों को परिवहन के लिए किराए की बसों की व्यवस्था करने में विफल रहने से रोकने का आरोप लगाया। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों समर्थक सफलतापूर्वक एकत्र हुए थे। अपनी संभावनाओं के प्रति आश्वस्त ईश्वरप्पा ने घोषणा की कि मैं शिवमोग्गा सीट जीतने को लेकर आश्वस्त हूं। भाजपा और कांग्रेस दोनों को हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में उनका मुकाबला केवल एक सांसद के रूप में सीट सुरक्षित करने के लिए नहीं है, बल्कि भाजपा को एक परिवार के प्रभाव से मुक्त कराना भी है। ईश्वरप्पा ने लोकसभा चुनाव के बाद दो परिणामों की भविष्यवाणी की। सबसे पहले, निवर्तमान सांसद राघवेंद्र अपनी सीट खो देंगे, और दूसरे, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र अपने पद से हट जाएंगे। उन्होंने पार्टी के भीतर एक ही परिवार के प्रभुत्व के कारण लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं में असंतोष को उजागर किया और जोर देकर कहा कि उनका अभियान अन्याय के खिलाफ एक स्टैंड है। उन्होंने कहा कि उन्हें 19 अप्रैल को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर अपना प्रतीक पता चल जाएगा। उन्होंने अपने समर्थकों से मतदान प्रक्रिया के दौरान 7 मई को उस विशिष्ट बटन को दबाने का आग्रह किया।

भाजपा को 400 से अधिक सीटें जीतने का विश्वास: प्रताप सिम्हा नाइक

इंडी यूनियन प्रतिस्पर्धा पर उतर आई है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य प्रताप सिम्हा नाइक ने कहा कि देश की एकता, सुरक्षा, सर्वांगीण विकास कार्यों और किए गए उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर जनता एनडीए के 400 से अधिक लोकसभा सदस्यों की जीत सुनिश्चित करेगी। यहां भाजपा मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसके मुताबिक नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे। एक तरफ कांग्रेस 200 सीटों पर चुनाव लड़कर सरकार बनाने का सपना देख रही है। लोगों की कल्पना और आकांक्षा को कोई प्रोत्साहन न देने वाली इंडी यूनियन प्रतिस्पर्धा पर उतर आई है। दूसरी तरफ बीजेपी-एनडीए गठबंधन है जिसने 10 साल में चौतरफा विकास किया है।

उन्होंने कहा कि इस बार बीजेपी की सबसे ज्यादा सीटों के साथ जीत तय है। 2014-24 तक नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से हुए बदलावों के माध्यम से जनता का समर्थन मिल रहा है। बदले हुए भव्य भारत को देखने का हमारा सपना साकार हुआ है। हमारी इच्छा थी कि कश्मीर में धारा 370 हटे, अयोध्या में श्री राम मंदिर बने, समान नागरिक संहिता लागू हो, देश की सीमाएँ सुरक्षित हों, देश में भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो। वे सभी पूरे हो गए हैं। उन्होंने बताया कि कई दशकों से हम सभी का सपना था कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामप्रसाद मुखर्जी के लक्ष्यों को साकार करने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर देश बनाने और लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्र में भाजपा की

सरकार आए। एक तरफ संदेह था कि हमारा सपना पूरा होगा या नहीं। 2014 तक, राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास खत्म हो गया था। अब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए सरकार ने दुनिया को दिखाया है कि देश पर शासन कैसे किया जाना चाहिए। भारत के पंखों में ताकत आ गई है। उन्होंने विश्लेषण किया कि भारत दशकों से वैश्विक स्तर पर और सभी क्षेत्रों में बढ़ रहा है। मोदी की सरकार ने दिखा दिया है कि स्थिर बहुमत की सरकार देश के लिए कितनी जरूरी है। इसने कड़े फैसले लिए हैं। यह दिखाया गया है कि कश्मीर हमारे देश का अभिन्न अंग है। पिछली सरकारों की प्रशासनिक विफलता के कारण यह आतंकवादियों की शरणस्थली बन गया था। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद कश्मीर आजादी से सांस ले सकेगा। सड़कों पर पत्थरबाजी और आतंकवाद खत्म होने से कश्मीर का माहौल बदल गया है।

देश में चमत्कारिक परिवर्तन लाया

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2024 तक रिकॉर्ड 2 करोड़ पर्यटक कश्मीर आए हैं। एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि यह नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी प्रधानमंत्री के साथ ही संभव है।

उन्होंने कहा कि वहां हर घर में राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा है। राम मंदिर एक राष्ट्रीय मंदिर है। नरेंद्र मोदी ने नास्तिकों के मुंह में राम के अस्तित्व को लेकर राम का जाप करा दिया है। 500 वर्षों के संघर्ष के फलस्वरूप तंबू में विराजमान रामलला भव्य-दिव्य मंदिर में विराजमान हुए। भाजपा सरकार ने देश में चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। मोदी के प्रशासन ने गरीबों को देश की समग्र आर्थिक व्यवस्था में एकीकृत किया है और समाज में योगदान दिया है। भारत यूं ही 11वें स्थान से आकर दुनिया की 5वीं आर्थिक शक्ति नहीं बन गया। 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गये हैं।

बंडारू दत्तात्रेय ने आडवाणी से मुलाकात कर दी बधाई

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को यहां पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। श्री दत्तात्रेय श्री आडवाणी से उनके आवास पर जाकर मिले तथा देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देने और उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने के लिए सरकार का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, मैं ऐसे महान व्यक्तित्व वाले दिग्गज से मिलकर बहुत प्रसन्न और धन्य महसूस कर रहा हूं।

श्री दत्तात्रेय ने कहा, हमने पुरानी यादों को ताजा करते हुए चर्चा की और संस्मरण साझे किए। हमने अस्सी के दशक के अंत से लेकर 2014 तक देश को विकसित करने के लिए साथ बिताए अपने सफर के दौरान की बातों को भी साझा किया और वे इस दौरान की बेहतरीन यादों पर मुस्कुराएं और हंसे। राज्यपाल ने कहा कि श्री आडवाणी के योगदान ने आधुनिक भारत के विकास के परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है और नेतृत्व प्रदान किया है तथा देश को सही दिशा में ले जाने में एक राजनेता होने की अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। श्री दत्तात्रेय ने श्री आडवाणी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की ताकि उनकी गरिमामय उपस्थिति युवा नेताओं को राष्ट्र निर्माण के सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहे।

विशेषाधिकार प्राप्त परिवार को विधि के शासन के प्रति जवाबदेह बनाया गया: धनखड़

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि विशेषाधिकार प्राप्त परिवार को अनिवार्य रूप से विधि के शासन के प्रति जवाबदेह बनाया गया है और इसका विरोध होना तय है। श्री धनखड़ ने यहां उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में प्रो. रमन मित्तल और डॉ. सीमा सिंह की पुस्तक द लॉ एंड स्पिरिचुअलिटी: रीकनेक्टिंग द बॉन्ड का विमोचन करने के बाद कहा कि कुछ लोग, पालन-पोषण या किसी अन्य कारण से बहुत अलग तरह से व्यवहार करने के आदी होते हैं। उन्हें कानून से छूट का आश्वासन दिया जाता है।

श्री धनखड़ ने सवाल किया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। सभी कानून के प्रति उत्तरदायी हैं। यदि किसी को कानून के प्रति उत्तरदायी बनाया जाता है तो उसे सड़क पर उतर कर विरोध नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, हर कोई कानून के प्रति उत्तरदायी है, कानून के प्रति जवाबदेह है। आप कानून से बच नहीं सकते। उप राष्ट्रपति ने कहा कि किसी समाज में, जब कोई कानून का उल्लंघन करके बच जाता है, तो वह एकमात्र लाभार्थी होता है, लेकिन पूरा समाज पीड़ित होता है। विधि के शासन के पालन को लोकतंत्र का अमृत बताते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि यदि कानून के समक्ष समानता नहीं है तो लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि अब हर कोई कानून के अधीन है।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौतों की जांच जारी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका में दो भारतीय छात्रों की मौत के कारणों की जांच चल रही है और अमेरिकी प्रशासन इसमें सहयोग कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। दो छात्रों की मौत हुई है और दोनों छात्रों की मौत की जांच चल रही है। भारतीय वाणिज्य दूतावास पीड़ित पक्ष के संपर्क में है हर संभव मदद की है।

उन्होंने कहा, उम्मीद है हमें इसके कारणों के बारे में और जानकारी मिलेगी। एक मामला हत्या का था जो एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ दर्ज किया गया था जो आवारा था। उसके बाद एक मामला था जिसमें एक व्यक्ति को गोली मार दी गई थी तो ये दो मामले हैं जिनकी जांच कानून और व्यवस्था के दृष्टिकोण से की जा रही है। हमारे वाणिज्य दूतावास और अमेरिका में हमारे मिशन ने अपने छात्रों के साथ संपर्क एवं संवाद को मजबूत किया है ताकि वे छात्रों को बता सकें कि उन्हें अपना ख्याल कैसे रखना चाहिए। उन्हें क्या किया जाना चाहिए और क्या मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में जो भी भारतीय छात्र मृत हुए हैं, उनमें से कई मौतें अलग अलग कारण से नहीं हुई हैं। कुछ सामुदायिक मुद्दे भी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में हमारे भारतीय छात्रों की संख्या तीन लाख से अधिक है।

भारत ने किया तालिबान के फैसले का स्वागत

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन द्वारा अल्पसंख्यकों के संपत्ति के अधिकार बहाल करने के निर्णय का स्वागत किया है और इसे सकारात्मक बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, हमने ऐसी रिपोर्टें देखीं हैं। यदि तालिबान शासन ने अफगानिस्तान में हिन्दुओं एवं सिखों की संपत्ति के अधिकार को बहाल किया है तो यह एक सकारात्मक बात है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के तालिबान शासन ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसले में हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों को जमीनें वापस लौटाने का फैसला लिया है। तालिबान अधिकारियों ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। अफगानिस्तान की तालिबान शासन के इस फैसले को भारत के लिए एक कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी ने हिमाचल को शिक्षा के क्षेत्र में बनाया आत्मनिर्भर: ठाकुर

नादौन/हमीरपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि मोदी-सरकार के 10 वर्षों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र और हिमाचल प्रदेश एजुकेशन हब के रूप में उभर कर सामने आया है। यह मोदी का हिमाचल के प्रति प्रेम ही है जिसके कारण आज एक छोटे से पहाड़ी राज्य में लगभग देश के सभी बड़े शैक्षणिक संस्थान हैं। आज हिमाचल के युवाओं को प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा अपने ही राज्य में मिल पा रही है।

श्री ठाकुर ने कहा, अच्छी व सुगम शिक्षा किसी भी राष्ट्र के प्रगति की पहली मूलभूत आवश्यकता है। 2014 के बाद पूरे देश की शैक्षणिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मोदी सरकार लगभग 30 वर्षों बाद नई शिक्षा नीति लाई जिससे हमारे युवाओं को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई करने का मौका मिला है। इसके कारण आज छोटे शहरों के बच्चे भी ओपिनियन लीडर बन पा रहे हैं।

उन्होंने बताया, अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में छात्रों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मैं सदा ही प्रयासरत रहा हूँ। केंद्र सरकार के असीम सहयोग से आज संसदीय क्षेत्र में नादौन व सलोह के साथ नलेटी, घुमारवीं, बंगाणा, धर्मपुर व संधोल को लेकर हमीरपुर में कुल 6 केंद्रीय विद्यालय हो चुके हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में इसी साल फरवरी महीने में प्रधानमंत्री ने नादौन और स्लोह में दो केंद्रीय विद्यालयों की सौगात दी है जिनमें पांच पांच सौ बच्चे पढ़ सकेंगे। नादौन से ही मात्र 1 घंटे की दूरी पर देहरा में हम केंद्रीय विश्वविद्यालय भी बना रहे हैं। अब हमारे बच्चे अपने घर पर ही केंद्रीय विद्यालय से पढ़कर केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर सकेंगे। ऐसे ही हमीरपुर में एनआईटी और स्लोह में ट्रिपल आईटी भी बनाया है। इसके अलावा आज यहां कई ट्रिपल आईटी भी बनाए गए हैं। हम जल्द हमीरपुर में खेल के क्षेत्र में भी पूरे उत्तर भारत में अपनी तरह का अनोखा नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस भी बना रहे हैं।

श्री ठाकुर ने कहा, आज बिलासपुर में 1700 करोड़ की लागत से एम्स अस्पताल और मेडिकल कॉलेज खुल चुका है। बिलासपुर का हाइड्रोइंजीनियरिंग कॉलेज आज राष्ट्रनिर्माण में अपनी सेवाएँ दे रहा है। हमीरपुर में 400 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बना है। 48 करोड़ की लागत से ऊना में नेशनल सेंटर फॉर स्पेशल चाइल्ड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट बन रहा है। हमीरपुर में 550 बेड के अस्पताल के लिए 190 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कराकर नई बिल्डिंग का शिलान्यास भी कराया और 100 बच्चों की क्लास भी शुरू कराई है।

आईआईएम, एनआईटी, एचपीटीयू से लेकर ट्रिपल आईटी तक के राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान आज हिमाचल में भाजपा सरकार की देन है। हिमाचल को मोदी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है ताकि हमारे यहाँ के छात्रों को अच्छी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन ना करना पड़े।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तन को रेखांकित करते हुए बताया, आज पूरे देश में 10000 से ज्यादा अटल टिंकरिंग लैब कार्यरत हैं। 2014 में 384 मेडिकल कॉलेज थे। आज 700 से ज्यादा हैं। 2014 में यूनिवर्सिटी की संख्या 450 थी आज 1100 से ज्यादा है। 2014 में मात्र 7 एम्स थे, आज 22 एम्स हैं। 2014 में लगभग 51,000 एमबीबीएस की सीटें थी, आज 1 लाख 8 हजार से ज्यादा है। 2014 में देश में पीजी की सीटें मात्र 31,000 के आसपास थीं, आज 70,000 से ज्यादा हैं। 2014 में 16 आईआईएम थे, आज 23 आईआईएम हैं। 2014 में आईआईटी की संख्या 12 थी, आज 19 आईआईटी हैं।

श्री ठाकुर ने कहा, श्री मोदी के विकास के साथ कदमताल करते हुए मैंने भी अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में बिना किसी सरकारी सहायता के बच्चों को गुरुकुल पद्धति के साथ नि:शुल्क ट्यूशन की व्यवस्था के लिए एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम की शुरुआत की है। एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम सबके प्रयास से सभी वर्गों के बच्चों को शिक्षा देना और सबका विकास करना है। इसकी शुरुआत 5 अक्टूबर 2021 को विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर की गई थी ताकि हिमाचल प्रदेश की तीन समस्याओंरू अनएम्प्लॉयमेंट, इमीग्रेशन और इकोनॉमी का एजुकेशन के द्वारा समाधान किया जा सके। आज पूरे क्षेत्र में एक से श्रेष्ठ के 580 से ज्यादा केंद्र कार्यरत है जहां 9500 से ज्यादा बच्चे शिक्षा पा रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या भी 48 फीसदी है।

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स का संचालक दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुये जर्मनी स्थित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के संचालक प्रभप्रीत सिंह जर्मनी को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर आतंकवादी भर्ती, धन उपलब्ध कराने और सहायता मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2020 में एसएसओसी अमृतसर में एक खुफिया सूचना प्राप्त हुई थी कि केजेडएफ आतंकवादी जगदीश सिंह भूरा पंजाब में कुछ हाई-प्रोफाइल लक्ष्यों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है और इस कार्य को पूरा करने के लिये उसने अपने भारत के सहयोगियों को हथियार और वित्तीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुये इस संगठन के चार गुर्गों को गिरफ्तार कर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। इस संबंध में, पुलिस में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 17, 18, 18-बी और 20 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत 19 दिसंबर 2020 को स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एक मामला दर्ज किया गया था । श्री यादव ने कहा कि जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया कि वे वांछित आतंकवादी जगदीश सिंह भूरा और उसके करीबी प्रभप्रीत सिंह के निर्देश पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये लोगों ने यह भी खुलासा किया है कि वे हाई प्रोफाइल लक्ष्यों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि चूंकि प्रभप्रीत सिंह जर्मनी में रह रहा था, इसलिये पंजाब पुलिस ने उसे इस मामले में नामांकित करने के बाद, उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिये ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन, नयी दिल्ली के माध्यम से उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करवाया। उन्होंने कहा कि बुधवार को दिल्ली आईजीआई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हमें प्रभप्रीत सिंह की हिरासत के बारे में सूचित किया। इसके बाद, एसएस-ओसी अमृतसर की एक टीम दिल्ली पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त महानिरीक्षक एसएसओसी, अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी प्रभप्रीत 2017 में वैध वीजा पर पोलैंड गया था और 2020 में सड़क मार्ग से जर्मनी चला गया। जर्मनी में स्थायी निवास प्राप्त करने के लिये, उसने राजनीतिक शरण के लिये आवेदन किया था। श्री मान ने कहा कि जर्मनी में रहने के दौरान, आरोपी बेल्जियम स्थित केजेडएफ आतंकवादी जगदीश सिंह भूरा के संपर्क में आया और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया, जबकि आरोपी ने लक्षित हत्याओं को अंजाम देने के लिये अपने भारतीय सहयोगी को धन और हथियारों की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि प्रभप्रीत सिंह के पूरे नेटवर्क और वह जिस मॉड्यूल के लिये काम कर रहा है, उसका पता लगाने के लिये जांच की जा रही है।

आरएंडआर अस्पताल के डॉक्टरों ने जवान का कटा हाथ जोड़ा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख में भारतीय सेना के एक जवान के मशीन चलाते हुए कट गए हाथ को कल रात यहां रिसर्च एंड रेफरल (आरएंडआर) अस्पताल में आपात सर्जरी करके डॉक्टरों ने उसे जोड़ दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यहां सेना के आर एंड आर अस्पताल में लद्दाख से लाये गये घायल जवान के हाथ की आपात सर्जरी की गयी और उसके कटे हुये हाथ को वापस जोड़ दिया गया। गौरतलब है कि यह घटना बुधवार को उस समय हुई, जब मशीन चलाते समय उसका हाथ कट गया था। घायल जवान को पहले लेह हवाई अड्डे लाया गया और वहां से सुपर हरक्यूलस विमान से दिल्ली के पालम वायु सेना स्टेशन पहुंचाया गया। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, भारतीय सेना के एक जवान का अग्रिम इलाके में स्थित एक इकाई में एक मशीन चलाते वक्त हाथ कट गया। उसके कटे हुये हाथ को जोड़ने के लिये आपातकालीन सर्जरी में छह से आठ घंटे का वक्त लगता, जिसे देखते हुये भारतीय वायु सेना के सी-130जे विमान को जवान को दिल्ली स्थित आरएंडआर अस्पताल में सर्जरी के लिये लाने के वास्ते एक घंटे के भीतर रवाना किया गया। वायुसेना ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, वायुसेना द्वारा लद्दाख सेक्टर से जवान को घने अंधेरे में विमान से लाया गया और इसमें अंधेरे में भी देखने में सक्षम (नाइट विजन) चश्मों का इस्तेमाल किया गया।

सीमा पार से तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, हेरोइन, हथियार के साथ एक गिरफ्तार

जालंधर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने मादक पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुये कुख्यात तस्कर जयपाल भुल्लर गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन किलोग्राम हेरोइन और दो पिस्तौल बरामद किए हैं। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस को शहर में कुछ गिरोहों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना पर कार्रवाई करते हुये पुलिस ने नाकाबंदी की, जिसके बाद उन्होंने एक कार को वेरका मिल्क प्लांट सर्विस रोड की तरफ से आते देखा।

श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस के कार रोकने के प्रयास के बावजूद, चालक ने भागने की कोशिश में कार को अचानक पीछे कर दिया। पुलिस ने कार को रोक लिया। चालक की पहचान सारज उर्फ बाऊ पुत्र बूटा सिंह निवासी गांव खिलचियां कदीम, थाना सदर फिरोजपुर के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि वाहन की तलाशी में 200 ग्राम हेरोइन मिली। उन्होंने कहा कि आरोपी सारज से पूछताछ दौरान हुए खुलासे के बाद की जांच

में दो .32 बोर पिस्तौल और चार कारतूस के साथ 2.8 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी हुई।

उन्होंने कहा कि यह पता चला है कि सारज पर जबरन वसूली, हत्या का प्रयास, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी सहित कई मामले लंबित थे, उन्होंने कहा कि 2022 में जमानत पर रिहा होने के बाद, सारज कुख्यात गैंगस्टर जयपाल भुल्लर के आपराधिक नेटवर्क के साथ निकटता से जुड़ गया।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि सारज ने गिरोह के एक अन्य प्रमुख सदस्य चंदू फिरोजपुरिया के साथ संबंध स्थापित किये थे और इस तरह उत्तर भारत में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नार्को-आतंकवाद में शामिल हो गया।

उन्होंने कहा कि, दोनों ने अपने अवैध कार्यों को बढ़ावा देने के लिये पाकिस्तान से हेरोइन की सोर्सिंग की और कहा कि सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में इस भागीदारी ने साराज की आपराधिक गतिविधियों को और बढ़ा दिया।

श्री शर्मा ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के फैले गिरोह को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिये उसके नेटवर्क की गहराई तक जांच करने, अन्य सहयोगियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के गहन प्रयास चल रहे हैं। जयपाल भुल्लर एक खूंखार गैंगस्टर था, जिसे 2021 में कोलकाता में एक मुठभेड़ के दौरान पंजाब पुलिस ने मार गिराया था। जयपाल पर 10 लाख रुपये का इनाम था और उसके खिलाफ हत्या, जबरन वसूली और अन्य गंभीर मामले लंबित थे।

मुरादाबाद में बोले अमित शाह

यूपी से पहले व्यापारी भागते थे, अब गुंडे भाग रहे हैं

मुरादाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुरादाबाद में कहा कि पश्चिमी यूपी में पहले डर का माहौल था। कारोबारी अपनी जमीन, दुकान और मकान छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। अब योगी सरकार में यहां से गुंडे और माफिया पलायन कर रहे हैं। व्यापारी अपना व्यापार कर रहे हैं और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में दंगे, गो तस्करी और गुंडों का राज चलता था। अब यहां डर, दंगे, गो तस्करी की जगह वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट का काम शुरू हो गया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश से व्यापारी पलायन कर रहा था। कैराना से हिंदू पलायन कर रहा था। आपने सपा को हटाया तो अब यहां से व्यापारी और हिंदू, कमजोर की जगह गुंडे पलायन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था को चाक चौबंद करने का काम किया है।

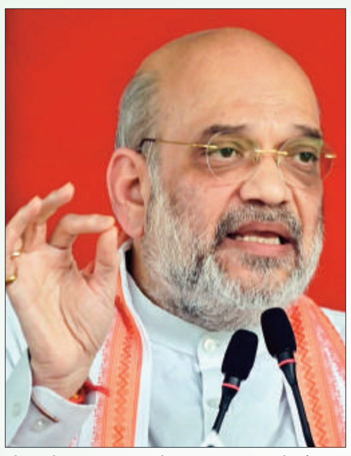

गृहमंत्री शुक्रवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 500 साल बाद इस रामनवमी पर रामलला अपना जन्मदिन टेंट के बजाय अपने भव्य मंदिर में मनाएंगे। कांग्रेस से साथ सपा और बसपा राम मंदिर का विरोध करते रहे। मोदी सरकार में राम मंदिर को तैयार करवाया गया। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि 2014 और 2019 में मोदी के पीएम बनने का सबसे बड़ा कारण उत्तर प्रदेश था। उत्तर प्रदेश ने 2014 में 73 सीटें और 2019 में 65 सीटें दीं और इसलिए पीएम मोदी बन गए। इस बार यूपी की 80 सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया। तीसरी बार मोदी पीएम बनेंगे तो तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे। मोदी ने एक लाख गरीब बहनों को लखपति बनाया है। कहा किया विपक्षी हमारा और राम मंदिर का विरोध करते रहे। राम मंदिर का निर्माण के बाद प्राण प्रतिष्ठा का विपक्षियों को निमंत्रण दिया गया। इसके बाद भी वह इस आयोजन में सम्मिलित भी नहीं हुए। उनको अपने वोट बैंक का डर सता रहा था।

शाह ने कहा कि वर्षों तक राम मंदिर बनने नहीं दिया गया। उनमें इतनी हिम्मत भी नहीं थी कि प्राण प्रतिष्ठा के वक्त वह वहां मौजूद रह सकें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सिर्फ राम मंदिर ही नहीं, बाबा विश्वनाथ का दरबार भी सजाया गया। इसके अलावा बदरीनाथ और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण भी करवाया गया। सोमनाथ का मंदिर बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 10 साल के अंदर आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि 10 साल तक कांग्रेस पार्टी की सरकार थी।

पाकिस्तान से हर रोज आलिया, मालिया और जमालिया आते थे। इसके बाद बम धमाके कर कर चले जाते थे। मोदी के आने के बाद उन्होंने फिर से गलती कर पुलवामा में धमाका किया। मगर वह भूल गए कि मनमोहन सिंह की सरकार नहीं है। इसके बाद मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी। गृहमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को घर देने का काम किया है। 14 करोड़ लोगों को गैस सिलिंडर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2013 के दौरान यूपी में तस्करों और गुंडों का राज चलता था।

समाजवादी पार्टी को सभी लोगों ने मिलकर हराया। इसके बाद यहां का विकास शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि एक समय था जब उत्तर प्रदेश से हिंदू पलायन कर रहा था। उन्होंने कैराना का उदाहरण भी दिया। कहा कि आज हिंदुओं की जगह गुंडे पलायन कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सात साल के भीतर पूरे उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम किया है। उत्तर प्रदेश में आज कानून का राज है। यहां से पलायन खत्म होने के साथ माफिया राज समाप्त हो गया है। इसके अलावा गो तस्करी भी बंद हो गए है। शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे यूपी में एयरपोर्ट बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस वे दिए और सिक्स लेन तैयार हो रहे हैं। सरकार 80 लाख ग्रामीणों तक बिजली पहुंचाने का काम कर रही है। मोदी सरकार ने तीन करोड़ से अधिक गरीबों का पांच लाख तक का इलाज मुफ्त करने का काम किया है। इसके अलावा 2 करोड़ शौचालय 10 साल में बने। इसका लाभ 14 करोड़ लाभार्थियों ले रहे हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

कानूनी प्रक्रिया से धर्म परिवर्तन कर सकते हैं

प्रयागराज, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति धर्म बदलने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया हो। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए शपथ पत्र और समाचार पत्र में विज्ञापन दिया जाना जरूरी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि धर्म परिवर्तन से कोई सार्वजनिक आपत्ति नहीं है। यह भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि कोई धोखाधड़ी या अवैध धर्म परिवर्तन नहीं है। साथ ही सभी सरकारी आईडी पर नया धर्म दिखाई देना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ ने की।

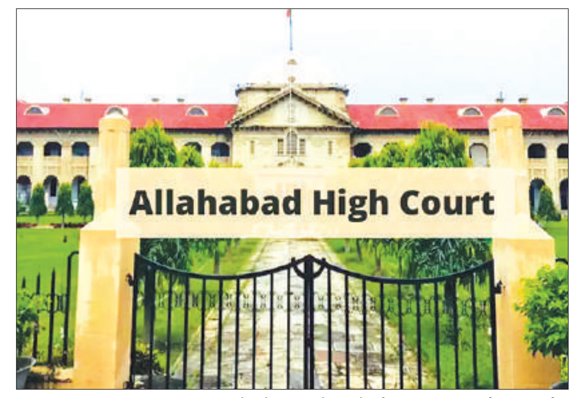

याची वारिस अली ने कोर्ट में बताया है कि उसने शिकायतकर्ता की बेटी से शादी की है। जिससे उन्हें एक बेटी है। दोनों साथ रह रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में वाद दायर किया गया है। याची का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन किया है।

राज्य सरकार के अधिवक्ता इन बातों के सत्यापन के लिए कोर्ट से समय मांगा है कि धर्म परिवर्तन शादी के लिए किया गया या वैधानिक प्रक्रिया अपनाकर अपनी मर्जी से किया गया है। इस पर कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए छह मई की तारीख तय की है। उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अधिनियम 2021 लागू किया गया। यह अधिनियम गलत बयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या कपटपूर्ण तरीके से या विवाह द्वारा एक से दूसरे धर्म में गैरकानूनी रूपांतरण पर रोक लगाता है। अधिनियम की धारा 8 के अनुसार धर्म परिवर्तन करने से 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को घोषणा पत्र देना होगा। धारा 9 धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा से संबंधित है।

मुख्यमंत्री ने कैराना लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया

युवकों के भविष्य से जो खिलवाड़ करेगा उसकी सम्पत्ति जब्त होगी

कैराना, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हमारी सरकार ने दंगा और कर्फ्यू मुक्त उत्तर प्रदेश दिया है। वहीं दंगा और कर्फ्यू लगाने वालों की गर्मी को शांत करके आपको एक शांत और शुद्ध वातावरण दिया है। उनको फिर से पनपने का अवसर मत दीजिएगा क्योंकि यह जातिवाद की राजनीति करके पहले दंगों और कर्फ्यू के आमंत्रण की एक शुरुआत करेंगे। इसके बाद बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी बनेंगे, जो यहां के विकास को बाधित करने की साजिश का हिस्सा है। हमें इससे ऊपर उठकर काम करना होगा। इसके लिये हमें दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों, अराजक तत्वों, बेटी, मां, अन्नदाता, नौजवान के जीवन से खिलवाड़ करने वालों को दोबारा पनपने नहीं देना है, चाहे वह कोई भी हो। आज कोई भी नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं कर सकता। यदि कोई ऐसा प्रयास भी करता है तो उसके बाप-दादा की प्रॉपर्टी जब्त करके गरीबो में बंटवा देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन ही हमारा मिशन है। हम उनके राष्ट्रवाद के विजन और मिशन के साथ जुट कर नए भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कैराना लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय लोक दल के संयुक्त लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहारनपुर में अब विकास हो रहा है। यहां दंगा और कर्फ्यू पुरानी बात हो गयी है। आज सहारनपुर विकास की धारा के साथ जुड़ करके विकसित भारत की तर्ज पर विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने के लिए कृत संकल्पित दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्र भारत में पहली बार अन्नदाताओं को सम्मान देने वाले किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। आपने पिछले 10 वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में बदलते हुए नए भारत को देखा है। दुनिया के अंदर भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद नक्सलवाद समाप्त हुआ है। विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। हाईवे, रेलवे, मेट्रो, यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग संस्थान बन रहे हैं और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का तो कोई सानी ही नहीं है। मोदी जी ने योजनाओं का लाभ देते हुए कभी किसी की जाति नहीं देखी। 80 करोड़ लोगों को पिछले 4 वर्ष से मुफ्त राशन मिल रहा है। आज आपके पास यह गारंटी है कि अगर कोई दुर्भाग्य से बीमार हुआ तो कह सकता है कि मेरे पास 500000 की स्वास्थ्य बीमा का कवर है। अगर किसी का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है तो कोई पीड़ित या विधायक मुझे पत्र लिख देता है तो लखनऊ से तुरंत पैसा उनके खाते में भेज देता हूं। किसी बीमार व्यक्ति की जाति वोट बैंक के सौदागरों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन मेरे लिए वह प्रदेश का नागरिक है, उसके हितों का संरक्षण करना मेरा दायित्व है। हमने कभी प्रोपेगेंडा नहीं किया। आज सरकारी नौकरियों में कोई भेदभाव नहीं है. जब सरकारी नौकरियां निकलती हैं तो हमारे सहारनपुर के नौजवान भी भारी संख्या में उसमें भर्ती होते हैं। पहले दो-तीन जिलों के लोग ही भर्ती किए जाते थे, बाकी लोगों को ठेंगा दिखा दिया जाता था। हमने कहा कि यह नहीं चलेगा। 75 के 75 जनपदों की भर्ती होगी और अगर कोई नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसके बाप, दादा की भी प्रॉपर्टी को जब्त करके गरीबों में बंटवाने का काम करेंगे।

सीएम योगी ने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि सहारनपुर के मेहनतकश किसानों, श्रमिकों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को पूर्व की सरकारों ने उपेक्षित छोड़ दिया गया था। ये सभी सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों की दंगा पॉलिसी के शिकार हो गए थे। यहां का विकास बाधित हो गया था।

अन्नदाता किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर था। नौजवान पलायन करने के लिए मजबूर हो गया था, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, व्यापारी सुरक्षित नहीं था और जातीय खेमों में बांट करके लोगों ने सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का काम किया था। इसका दुष्परिणाम ये हुआ कि कभी देश गुलाम हुआ, कभी हमारे ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए आस्था के केंद्र तोड़े गए, कभी कावड़ यात्रा पर रोक लगाई गई, कभी सिख विरोधी दंगे होते हैं, कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करता था। सहारनपुर में असीम संभावना थी, प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा के चलते जिसे शिक्षा के केंद्र के रूप में काशी के तर्ज पर विकसित होना चाहिए था, उसको मजहबी उन्माद और फतवों का शहर बना करके रख दिया गया। यह है देश के खिलाफ साजिश करने वालों की करतूत। जिसमें संभावना थी अन्नदाता किसानों के माध्यम से देश को दुनिया की एक ताकत बनाने की, जिन हस्तशिल्पियों और कारीगरों में ताकत थी दुनिया का सबसे अच्छा कारीगरी दिखा करके वह भारत का नाम दुनिया के सामने रौशन करें, जिन नौजवानों के अंदर एक जज्बा था कि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व दे सकते हैं, जिन व्यापारियों में यह हौसला था कि दुनिया को अपने में समेट सकते हैं, इन सभी को दरकिनार करके सहारनपुर को मजहबी उन्माद का केंद्र बना दिया गया।

उन्होंने कहा कि पहले यह माफिया सर चढ़कर के बोलते थे। छोटी-छोटी बात पर यहां दंगा होता था। आज आप देख रहे होंगे कि दंगा करने वाले भूल ही गए हैं कि कभी दंगा भी होता था। आज दंगा करने वालों को पकड़ करके उल्टा लटका कर नीचे मिर्च का झोंका लगा दिया जाता है। अगर किसी निर्दोष व्यापारी और बेटी के साथ कोई दुर्व्यवहार करता है तो उसकी क्या दुर्गति की जाती है यह भी आपने देखा होगा। प्रयागराज का माफिया जबरदस्ती एक पिछड़ी जाति के व्यक्ति की निर्मम हत्या कर देता था। हमने उसकी प्रॉपर्टी को जब्त करके गरीबों के लिए मकान बना दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार का एक ही विजन है और वह है जनता जनार्दन की सेवा करना। अपने राज्य को और अपने देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाना, क्योंकि इसी में आपका और आने वाली पीढ़ी का भी भविष्य उज्जवल है।

मोदी जी देश की आवश्यकता हैं। मोदी जी ने देश के विकास को एक एजेंडा दिया है, सुरक्षा का माहौल दिया है, 140 करोड लोगों का सम्मान बढ़ाया है। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मोदी जी का तीसरा कार्यकाल आवश्यक है और मोदी जी को तीसरा कार्यकाल देने के लिए प्रदीप चौधरी को भी तीसरी बार कैराना से सांसद के रूप में जिताना आवश्यक है। देश के हित में अन्य बड़े फैसले लेने के लिए देश के अंदर एक ऐसी सरकार चाहिए जो 140 करोड लोगों के बारे में सोचे और इसीलिए कहा जा रहा है यह चुनाव फैमिली फर्स्ट बनाम नेशन फर्स्ट का चुनाव है।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, जसवंत सिंह सैनी, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, विधायक चौधरी कीरत सिंह, मुकेश चौधरी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, जिलाध्यक्ष महेंद्र सैनी, विधान परिषद सदस्य चौधरी वीरेंद्र सिंह, लोकसभा संयोजक प्रमोद सैनी आदि उपस्थित थे।

सहारनपुर में विपक्ष पर गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

सहारनपुर को बना दिया था मजहबी उन्माद का केंद्र

सहारनपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को सहारनपुर पहुंचे। सीएम योगी का हेलीकॉप्टर दोपहर में 12.25 पर गंगोह में उतरा। इसके बाद सीएम योगी मंच पर पहुंचे। सीएम के मंच पर पहुंचते ही पूरा पंडाल योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। वहीं, लोग योगी-योगी के नारे लगाते हुए अपनी कुर्सियों से उठकर खड़े हो गए।

सीएम योगी ने पहले हाथ जोड़कर, फिर हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया। गंगोह के नवीन मंडी सभा स्थल पर आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय से अपना संबोधन शुरू किया। इसके बाद उन्होंने वंदे मातरम के नारे लगवाए। सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता को चैत्र नवरात्र की बधाई दी। उन्होंने मां शाकंभरी और मां

बाला सुंदरी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर विकास की धारा के साथ जुड़कर विकसित भारत के सपने को पूरा कर रहा है। दिल्ली से देहरादून के बीच ग्रीन एक्सप्रेस वे बन रहा है। इस विकास की गति को जारी रखना है। सहारनपुर पर मां गंगा और यमुना की कृपा है। यहां का किसान और हस्तशिल्प और कारीगरी दूर तक मशहूर है। सपा, बसपा और कांग्रेस के शासन में यहां का किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो गया था। नौजवान पलायन करने को मजबूर हो गया था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। व्यापारी सुरक्षित नहीं था। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि जब सहारनपुर को मजहबी उन्माद का केंद्र बना दिया गया था। जब कांवड़ यात्रा पर बैन लगता था, तब तो जातिवादी संगठन नहीं आता था। सबके मुंह सिल दिए जाते थे। अब सहारनपुर विकास की नई गाथा गढ़ रहा है। प्रदेश में पहले माफिया सिर ऊंचा करते घूमते थे। छोटी-छोटी बातों पर दंगा होता था। अब दंगा करने वाले खुद ही कहते हैं कि दंगा नहीं करेंगे। यदि वे दंगा करते तो उन्हें पकड़ कर उल्टा लटका कर मिर्ची का छौंका लगा देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए 140 करोड़ का भारत ही मोदी का परिवार है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जाति के नाम पर बरगलाएंगे लेकिन, जब जाति पर संकट आएगा तो यह सब लोग गायब हो जाएंगे। दंगा भड़काने वाले आज जातियों का इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी सरकार ने दंगा मुक्त माहौल दिया है। कर्फ्यू मुक्त प्रदेश दिया है। दंगा कराने वालों की गर्मी को शांत करने का काम किया है। कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करके आतंकवाद को खत्म करने का काम पीएम मोदी ने किया है। विपक्षी दंगा, कर्फ्यू किसानों की आत्महत्या नहीं रोक सकते हैं। इनको सिर पर ढोकर आप क्यों देश के लिए बोझा ढोना चाहते हैं।

दो बीवियों का शौहर घर से लापता, पुलिस ने ढूंढ़ा

तो तीसरी बीवी के पास मिला मौलाना मंजर

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ जनपद में कुछ दिन पहले एक मौलाना मंजर अली गायब हो गया था। काफी खोजबीन के बाद जब मौलाना नहीं मिला तब उसकी बीवी ने थाने जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उसके कुछ दिन बाद मौलाना की दूसरी बीवी थाने पर पहुंची, उसने भी पुलिस को यह बताया कि मौलाना लापता हो गया है। इस पर पुलिस को शक हुआ कि यह मामला घरेलू विवाद का हो सकता है।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच घरेलू कलह मानकर छानबीन शुरू कर दी। मौलाना के फोन कॉल रिकॉर्ड की भी छानबीन की गई। पुलिस ने मोबाइल नंबर को ट्रेस करके पता किया तो पता चला कि मौलाना गोंडा जनपद में अपनी तीसरी बीवी के साथ रहता हुआ पाया गया। बाद में पुलिस मौलाना को लखनऊ लाकर उसकी दोनों बीवियों से मिलवा दिया।

मौलाना लखनऊ के थाना सआदतगंज थाना क्षेत्र में अपनी दो बीवियों के साथ रह रहा था। एक दिन अचानक वह अपने घर से लापता हो जाता है। काफी देर तक मौलाना का पता नहीं चलता तो उसकी बीवी ने खोजबीन शुरू की। जब वह नहीं मिला तब उसने थाना सआदतगंज में गत 19 फरवरी को मौलाना मंजर अली के गुम हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने मौलाना की खोज में शुरू की ही थी कि उसके कुछ दिन बाद उसकी दूसरी बीवी भी थाने पर आई।

पुलिस को लगा कि हो सकता है कि ये मामला दो बीवियों के बीच विवाद का हो। काफी संभावना है कि घरेलू क्लेश के कारण मौलाना जानबूझकर के घर से गायब हो गया हो।

पुलिस ने मौलाना की कॉल रिकॉर्ड का अध्ययन किया। उसके आधार पर खोजबीन की गई तो मौलाना गोंडा जनपद में अपनी तीसरी पत्नी के साथ सकुशल रहते हुए पाया गया।

हेल्थ

जाने आईलाइनर लगाने का सही तरीका

चेहरे की खूबसूरत दिखाने के लिए लड़किया शादी, पार्टीज में मेकअप करती है। मेकअप के दौरान ज्यादातर आंखो की सुंदरता पर अधिक फोकस किया जाता है। आखों को खूबसूरती के लिए आईलाइनर का इस्तेमाल किया जाता है।

यदि आखों पर आईलाइनर बिल्कुल सही तरीके से लगाया जाए तो आप बेहद ही खूबसूरत दिखते है। लेकिन क्या आप जानते है कि आंखो पर आईलाइनर सही तरीके से ना लगा हो तो न केवल मेकअप खराब होता है बल्कि आंखो के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

1. क्लासिक आंखों के लिये

ऊपर वाली पलक के सेंटर से लाइनर लगाना शुरु करें और ब्रश को धीरे-धीरे आंख के कॉर्नर तक ले जाएं। सेंटर से पतली लाइन लगाएं जिसे कोने पर चौड़ा कर लें। पलक की लाइन और आई लाइनर से बनाई लाइन को अच्छी तरह भर लें।

2. स्मोकी आंखों के लिये

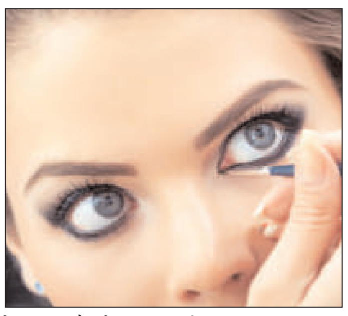

इस तरह की आंखों वाली महिलाएं भी पलक के सेंटर से लाइनर लगाना शुरु करें लेकिन इस सेंटर से आंखों के अंदररूनी कोने तक पलती लाइन खींचे। अब सेंटर से थोड़ी मोटी लाइन बाहरी कोने तक खींचे और गैप अच्छी तरह से भर लें। इसके बाद बाहरी कोने से आई लाइनर ब्रश से पतली लाइन नीचे वाले पलक के सेंटर तक भी लगाएं।

3. बिल्लौरी आंखों के लिये

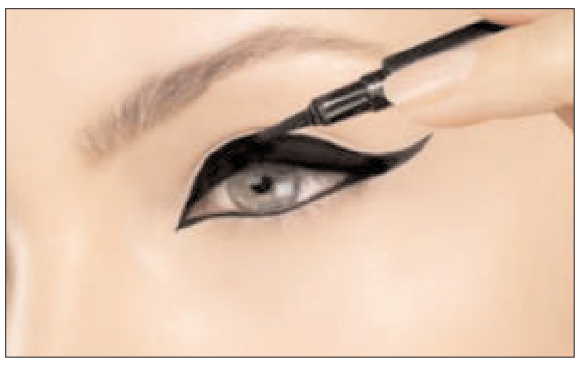

ऊपरी पलक के बीच में लाइनर लगाना शुरु करें और लाइनर को घुमाते हुए कनपटी की तरफ लेकर जाएं। अब पलक की लाइन और लाइनर से खींची लाइन के बीच का गैप भर लें। सत्तर के दशक की हिरोइंस इसी तरह से आई लाइनर लगाती थीं।

ऐसे खरीदें गर्मियों के कपड़े

अगर आपने अभी तक गर्मी के कपड़ों की शॉपिंग नहीं की है तो हो न हो आने वाले कुछ दिनों में आप खरीदारी करने का प्लान कर रहे होंगे। गर्मियों के कपड़े खरीदते समय कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। तो, अगर आप खरीदारी का मूड बना रहे हैं तो इस दौरान इन बातों का विशेष ख्याल रखें।

» गर्मियों में कोशिश करें कि हल्के रंग के कपड़े ही चुनें। इससे आपको तो राहत महसूस होगी ही साथ ही आपके आस-पास मौजूद लोगों की भी आंखों में यह चुभेगा नहीं। » गर्मियों में ज्यादातर कपड़े कॉटन के ही खरीदें। कॉटन पसीने को सोखने में सक्षम होता है साथ ही हल्का होने की वजह से यह आरामदायक भी होता है। » बहुत फीटिंग के कपड़े खरीदने से बचें। गर्मियों में कोशिश करें कि हल्के ढीले कपड़े ही पहनें। » बहुत कढ़ाई या स्टोन वर्क वाले कपड़े पहनने से बचें। गर्मियों के लिहाज से ऐसे कपड़े आरामदायक नहीं होते हैं।

बिना एसी के भी ठंडा बना रहेगा आपका घर

गर्मी के मौसम में जरूरी है घर को ठंडा बनाए रखना। घर ठंडा होने से गर्मियों से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स से बचा जा सकता है। यह सही समय है, जब आपको जरूरत है घर का मेकओवर करने की, उसे मौसम के अनुकूल बनाने की। हल्के रंगों के प्रयोग से लेकर, फर्नीचर को सही जगह रखने जैसे कुछ आसान उपाय हैं, जिनकी मदद से आप अपने घर को गर्मियों के लिए तैयार कर सकती हैं =

डिजीटल प्रिंट की बेडशीट-पर्दे

समर सीजन में कॉटन की बेड-शीट्स अच्छी लगती हैं। कॉटन की बेडशीट को आसानी से वॉश किया जा सकता है। इसमें डिजीटल और फ्लोरल प्रिंट ज्यादा चल रहे हैं। ये आपको 3 डी प्रिंट्स में भी मिल जाएंगी। बेडशीट खरीदते वक्त यह ध्यान रखें कि इसकी लंबाई और चौड़ाई इतनी होनी चाहिए कि इसे मैट्रस के अंदर मोड़ना आसान हो। कमरों में लाइट कलर के पर्दे लगाएं। हल्के रंग के पर्दे धूप से बचाते हैं। आप अपने कमरे में जितने लाइट कलर के पर्दे लगाएंगी, उतना ही आपका कमरा ठंडा होगा। कमरे में लाइट कलर के पिलो और बेडशीट का इस्तेमाल करें। यह देखने में भी अच्छे लगते हैं।

डेकोरेशन में ग्रीन कलर

घर के वातावरण को पॉजिटिव बनाने के लिए डेकोरेशन में हरे कलर को प्राथमिकता दी जाती है या तो सजावट की चीजों में ग्रीन कलर का यूज किया जाता है। आप एनवायरनमेंट फ्रेंडली इंडोर प्लांट्स रखकर घर के वातावरण और वायु को फ्रेश रख सकती हैं। घर में पर्याप्त ऑक्सीजन और ताजी हवा के लिए घर के अंदर हरे पौधे लगाएं। अगर आपके घर में बालकनी है, तो उसे कवर करने के बजाय खुला रखें और वहां अपने मनपसंद फूलों वाले पौधे लगाएं। इससे घर का वातावरण हेल्दी रहेगा।

छत पर करें पानी का छिड़काव

घर को ठंडा रखने के लिए सुबह- शाम दोनों टाइम घर की छत पर पानी का छिड़काव करें। इससे घर की दीवारों का टेंपरेचर कम होगा।

रंग-बिरंगे फूल और हरी पत्तियों वाली सीनरीज

रंग-बिरंगे फूल, हरी पत्तियों वाली सीनरीज कमरे में लगाएं। इससे ठंडक का अहसास होगा। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए कमरे में बिछे कालीन को हटा दें। इससे फर्श ठंडा रहेगा। गर्मी के दिनों में ठंडे फर्श पर नंगे पैर चलने से ठंडक महसूस होती है।

हर्बल गार्डन और ग्रीन स्पेस

इको फ्रेंडली घर में हर्बल गार्डन और ग्रीन स्पेस की सुविधा भी रहती है। यह घर आपकी जेब के आधार पर मुफीद होते हैं। घर के अंदर मौजूद नेगेटिव एनर्जी निकालने के लिए इंडोर पौधे लगाएं। अपनी सुविधा के अनुसार कुछ खास पौधों को लगाकर आप अपने घर को बेहतर बना सकती हैं। एरेका पाल्म, लेडी पाल्म, बैंबू पाल्म, डरेकेना जैनेट क्रैग, इंग्लिश इवी, पीस लिली जैसे पौधे लगाने से आपके घर के अंदर का पॉल्यूशन खत्म हो जाएगा और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होगा।

अपहोल्स्ट्री बदलें

गर्मियों में डार्क कलर्स की जगह पेस्टल रंग और फूलों वाले नेचरल प्रिंट्स सुखद अहसास देते हैं। अपने कमरे को गर्मियों के लिए तैयार करने के लिए कमरे को हल्के रंगों और ठंडक भरे प्रिंट्स वाली अपहोल्स्ट्री और कुशन कवर्स से सजाएं।

फर्नीचर को सही जगह रखें

मौसम के अनुरूप अपने फर्नीचर को भी सही जगह रखना जरूरी है। सर्दियों में जहां गुनगुनी धूप का अहसास सुखद होता है, वहीं गर्मियों में अपने फर्नीचर को ऐसी जगह रखना जरूरी हैं जहां सीधी धूप न पड़े। लो हाईट फर्नीचर, फ्लोर कुशन्स गर्मियों में बैठने के लिए अच्छा विकल्प हैं।

इको फ्रेंडली घर

इको फ्रेंडली घरों को इस तरह तैयार किया जाता है कि अधिक से अधिक रोशनी और हवा घर में आ सके। अगर आप भी इकोफ्रेंडली घर बनाने की सोच रही हैं, तो इसमें रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, सोलर वॉटर हीटिंग सिस्टम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लान आदि तरीकों पर भी फोकस कर सकती हैं।

इकोफ्रेंडली घर केवल पैसे की बचत ही नहीं करते हैं बल्कि घर को नेचरल ब्यूटी भी देते हैं। खास बात ये कि इस तरीके से घर बनाने में घर को बनाने की लागत 25 फीसदी तक कम हो जाती है। यही नहीं, इको फ्रेंडली घर बनाने में समय भी बेहद कम लगता है। एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, इस तरह के घरों से ग्रीन हाउस गैसों को 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है और गर्मियों में ये कूल बने रहते हैं।

रोशनी और हवादार घर

घर को खुला रखें। घर जितना टाइट रहेगा, उतनी ज्यादा आपको गर्मी लगेगी। ऐसी कंपनी के रंग का चुनाव करें, जिस में सीसा और वीओसी हो ही न। वीओसी में फौर्मैलडिहाइड और ऐसिटैलडिहाइड जैसे खतरनाक केमिकल्स होते हैं, जो सांस नली को प्रभावित करते हैं।

सुझाव

खाने के तुरंत बाद पानी पीने के नुकसान

पानी हमारे शरीर के लिए अमृत के समान है। यह कई रोगों को दूर रखने की क्षमता रखता है। यूं तो आप दिन में जितना पानी पीएं आपके लिए उतना ही अच्छा है क्योंकि यह शरीर के विषैले टॉक्सिन को मूत्र द्वारा बाहर निकालती है, जिससे आप सेहतमंद रहते हैं लेकिन खाना खाते समय पानी पीते रहना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं बल्कि हानिकारक है। यह सीधा आपकी पाचन क्रिया पर असर करता है। कम से कम खाना खाने के 45 मिनट के अंतराल के बाद पानी पीएं।

पाचन क्रिया की गड़बड़ी: खाना पचने में ज्यादा समय लेता है, जिससे पेट दर्द, पेट खराब और गैस की प्रॉब्लम हो सकती है।

कब्ज: खाने के दौरान पानी पीने से खाना ठीक से पचता नहीं है। इससे कब्ज की प्रॉब्लम हो सकती है।

पोषक तत्वों की कमी: खाने में मौजूद पोषक तत्वों को हमारा शरीर ठीक से अवशोषित नहीं कर पाता, जिससे बॉडी में न्यूट्रिंएंट्स का संतुलन बिगड़ सकता है।

वजन बढ़ना: भोजन के साथ पानी पीने से शरीर में मेटाबॉलिज्म का स्तर धीमा हो जाता है। बॉडी पर्याप्त कैलोरी खर्च नहीं कर पाती और वजन बढ़ने लगता है।

यूरिक एसिड : बॉडी में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ता है। इससे क़िडनी और हार्ट डिजीज की प्रॉब्लम हो सकती है।

डायबिटीज: खाने के दौरान पानी पीने से वजन तो बढ़ता है। साथ ही टाइप-2 डायबिटीज की आशंका भी बढ़ जाती है।

एसिडिटी: खाने के दौरान पानी पीने से पेट में एसिड की मात्रा बढ़ती जाती है। इससे एसिडिटी हो सकती है।

याद रखें ये बातें : अगर आप खाने के साथ अन्य कोई पेय पदार्थ जैस कोल्ड ड्रिंक य दूध लेते हैं तो यह भी आपके पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं हैं क्योंकि खाना खाने के साथ यह पेय पदार्थ भी कुछ हद तक पानी के जैसा ही काम करते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा किलों का शहर है मांडू

इंदौर से लगभग 90 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक पर्यटक स्थल हैं मांडू जिसे खुशियों का शहर भी कहा जाता है। दसवीं शताब्दी में मांडू मालवा के परमार राजाओं की राजधानी हुआ करता थी। लगभग 13वीं शताब्दी तक उस पर मालवा के सुल्तान का शासन रहा। तब इसका नाम शादियाबाद रखा गया। मांडू विंध्य पहाड़ियों से लगभग 592 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह दुनिया का सबसे बड़ा किलों का शहर है। किलों ने चारों तरफ से इस शहर को घेर रखा है। यहां की दीवारें आज भी वैसी ही लगती हैं, जैसी 300 साल पहले लगती थीं। यहां पर आप आम, इमली और बरगद के सैंकड़ों पेड़ देख सकते हैं। बारिश के बाद मांडू की खूबसूरती और हरियाली बढ़ जाती है। यहां की हरियाली ऐसी लगती है जैसे चारों तरफ पन्ना रत्न बिखरा हुआ हो।

मांडू की बेहतरीन वास्तुकला देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। यहां की छोटी-छोटी पहाड़ियों पर बने खूबसूरत किले हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। हालांकि समय के साथ ये किले टूट-फूट गए हैं पर इसका आकर्षण अभी भी है। मांडू की खूबसूरती में शांति के साथ-साथ एक प्रेम कथा भी छिपी है। कहा जाता है कि राजा बाज बहादुर अपनी प्रेमिका यानी रूपमती को बेहद प्यार करते थे, जो बेहद ही खूबसूरत राजपूताना राजकुमारी थी। एक दिन जंगलों से गुजरते हुए राजा बाज बहादुर ने रूपमती का गाना सुना और फिर वह उनसे बेहद प्यार करने लगे। राजा ने उनके लिए कई महल भी बनवाए। पर दोनों को मुगलों ने बंदी बना लिया। रानी रूपमती को मुगल सेनापति के मनोरंजन के लिए रखा गया मगर उसके छूने से पहले ही रानी ने आत्महत्या कर ली।

मांडू की खोज राजा भोज ने दसवीं शताब्दी में की थी। लगभग 14वीं शताब्दी में यहां के शासक अफगान के राजा बने थे। मांडू की सबसे ऊंची पहाड़ी पर बने किले की खोज भी 10वीं शताब्दी में हुई थीं। 15वीं शताब्दी में जब यहां मालवा का शासन शुरू हुआ, तब बहुत सारे महल बनवाए गए जैसे जहाज महल, हिंडोला महल और रूपमती मंडप। मांडू का इतिहास वृहद साम्राज्य की कहानी कहता है। अफगान शासक, मालवा, मोहम्मद शाह, मुगल और फिर अंत में मराठों ने इस पर राज्य किया। 1732 में यह मराठों के हाथ में चला गया। बाद में मराठों ने मांडू को जर्जर हालत में छोड़ पड़ोसी धार में अपनी राजधानी बनाई।

मांडू में देखने के लिए बहुत कुछ है जैसे जामा मस्जिद, जहाज महल, हिंडोला महल, नीलकंठ मंदिर, रेखा कुंड, रानी रूपमती महल और होशंग शाह का मकबरा।

होशंग शाह का मकबरा संगमरमर से बनाया गया है और इसमें अफगान वास्तुकला की खूबसूरत झलक है। शाहजहां ने अपने चार कारीगर भेजे थे इस मकबरे को देखने की लिए ताकि वह भी ताजमहल के अंदर ऐसा ही मकबरा बना सकें। जामा मस्जिद मांडू के मुख्य आकर्षणों में से एक है। यह मस्जिद अफगान वास्तुकला के बेहतर उदाहरण में से एक है। इस मस्जिद को कोई भी व्यक्ति देखता ही रह जाता है। इसका बड़ा आंगन और भव्य प्रवेश द्वार लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

जहाज महल को सुल्तान गियासउद्दीन खिलजी ने बनवाया था। यह महल देखने में बिलकुल ऐसा लगता है मानो कोई जहाज पानी में तैर रहा हो। दो झीलों के बीच बना यह सुंदर महल सभी को चकित कर देता है। हिंडोला महल की दीवार एक तरफ से झुकी होने के कारण यह महल बिल्कुल एक झूले की तरह प्रतीत होता है। पर अब यह महल बरबादी के कगार पर है। जबकि यह मालवा के राजाओं का महल हुआ करता था।

रेखा कुंड मांडू के लिए एक खास झील है। यह झील नर्मदा नदी के पानी से भरी है। कहा जाता है कि रानी रूपमती इस शर्त पर बाज बहादुर से शादी के लिए तैयार हुई थीं कि वह नर्मदा नदी का पानी मांडू जरूर लाएंगे और रेखा कुंड इस शर्त को पूरा करता है। रूपमती महल रेखा कुंड के किनारे बनवाया गया था। यह महल बाज बहादुर ने अपनी रानी रूपमती के लिए बनवाया था। इसी महल में रानी नर्मदा नदी का खूबसूरत नजारा देखती थीं। मांडू से 35 किलोमीटर की दूरी पर धार शहर है। यह परमार राजाओं की राजधानी हुआ करता था। बाद में इस पर मुसिलम शासकों का शासन शुरू हो गया। यहां के स्मारक में हिंदू, अफगान और मुगल वास्तुकला की झलक देखने को मिलती है।

यहां का मौसम साल भर अच्छा रहता है। सर्दी हो या गर्मी, मांडू हर मौसम में आकर्षक लगता है। मांडू जाने के लिए आप रेल, हवाई या सड़क मार्ग से जा सकते हैं।

रेसिपी

पनीर दो प्याजा

सामग्री

250 ग्राम पनीर, 1 बड़ा चम्मच तेल, 1 बड़ा चम्मच जीरा, 2 प्याज बारीक कटा हुए, 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1 चम्मच लाल शिमला मिर्च, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, टमाटर बारीक कटे हुए, 3 चम्मच क्रीम, 2 चम्मच मक्खन , 2 सूखी लाल मिर्च ,2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, थोड़ी सा टमॉटो सॉस

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें और अब उसमें जीरा और प्याज डालकर अच्छे से सुनहरे होने तक भूनें। फिर अदरक और लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें नमक, हल्दी, लाल शिमला मिर्च, धनिया पाउडर और हरी मिर्च डालकर अच्छे से हिलाएं। फिर टमाटर डालकर और थोड़ा पानी डालकर 2 मिनट के लिए पकने दें।जब इसमें से घी निकलने लगे तो आंच धीमी कर दें। फिर क्रीम डालकर इसे हिलाएं और इसमें पानी डाले और 2 मिनट के लिए चलाते रहे। फिर इसमें पनीर डालकर और सॉस डालकर अच्छे से मिला लें। इसको 5 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकाएं। धनिए के साथ गार्निश करके इसे सर्व करें।

तवा पुलाव

सम्रागी

500 ग्राम चावल (उबले हुए), 4 टमाटर (बारीक कटे हुए), 2 उबले आलू (कटे हुए), 2 प्याज (बारीक कटा हुआ), 50 ग्राम हरी मटर, 1 शिमला मिर्च (बारीक कटा हुआ), 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट,1 छोटा चम्मच जीरा, 4 बड़े चम्मच तेल, 1/3 हरा धनिया (बारीक कटा हुआ), 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला,1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च,1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादनुसार

विधि

सबसे पहले एक बड़े तवे में तेल गरम करें। उसके बाद इसमें जीरा और प्याज डाल कर इसे अच्छी तरह भूनें। प्याज के लाल होने के बाद अदरक लहसुन का पेस्ट भी डाल दें। मिश्रण को 1 से 2 मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें मटर और शिमला मिर्च डाल कर इस दोबारा भूनें। इसके बाद इसमें टामटर डाल कर मिश्रण को अच्छी तरह 2-3 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें लाल मिर्च, हल्दी और आलू डालकर इसे 2 से 3 मिनट के लिए और पकाएं। अब पाव भाजी मसाला डाल कर 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढांक दें। इसके बाद इसमें चावल और नमक डालकर पूरे मिश्रण को अच्छी से मिला लें। आखिरी में गरम मसाला और हरा धनिया डाल कर चावल को 2 से 3 मिनट के लिए पकने दें ताकि गरम मसाला का टेस्ट चावल में अच्छी तरह आ जाए। आपका गरमा गरम तवा पुलाव तैयार है।

संपादकीय

अब हेपेटाइटिस का संक्रमण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। लिवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब 3 करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लिवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिए फैलती हैं। हेपेटाइटिस की दोनों किस्में भी दूषित रक्त के जरिए विस्तार पाती हैं। हेपेटाइटिस बी लिवर के ऊतकों पर चोट करता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। लक्षण और निदान पेचीदा हैं, लिहाजा वायरस कई सालों तक छिपा रह सकता है। वे दूसरों को प्रभावित करते हैं। लक्षण तब सामने आने लगते हैं, जब रोगाणु ज्यादा आक्रामक रुख अख्तियार कर लेते हैं। हालांकि हेपेटाइटिस की किस्मों का कोई इलाज नहीं है, लेकिन जो इलाज किया जाता है, उससे कुछ हद तक लक्षणों का बंदोबस्त किया जा सकता है। यानी इलाज से बीमारी कुछ सीमा तक काबू में की जा सकती है। हालांकि 2018 में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत टेस्टिंग और दवाएं निःशुल्क हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह रपट भी है कि प्रोग्राम ज्यादातर मरीजों के पास पहुंचा ही नहीं है। बीते 20 सालों में खून की जांच के प्रोटोकॉल बहुत सख्त किए गए हैं, लिहाजा रक्त के संक्रमण का जोखिम कम हुआ है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों का अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लिवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस का उपलब्ध इलाज दुनिया में सबसे सस्ता है। करीब 70 फीसदी मरीज निदान और इलाज नेटवर्क से दूर भागते रहते हैं और प्राथमिक चिकित्सा को दोष देते रहते हैं। चूंकि यह चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से आई है, लिहाजा सरकारों के स्तर पर इस संक्रमण को संबोधित किया जाना चाहिए। बेशक हेपेटाइटिस हो अथवा टीबी हो, इन संक्रामक बीमारियों को लेकर जरा-सी भी कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिए फैलती हैं।

पुरुष आपस में इतने मिलेजुले हैं कि किसी को पहचान पाना ही मुश्किल है

विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस की प्रासंगिकता

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, सोनिया गांधी और कम्युनिस्ट। प्रश्न पूछा जा सकता है कि मैंने अन्य दलों का नाम न लिख कर, उन दलों के प्रमुख व्यक्ति का नाम लिखा है, लेकिन कम्युनिस्टों के मामले में व्यक्ति का नाम न लिख कर केवल कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग क्यों किया है। उसका कारण है। हमारे भारत में कम्युनिस्ट सदा किसी शरीर की तलाश में रहते हैं। जब कम्युनिस्ट अपने शरीर में प्रकट होते हैं तो भारत के लोग उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और नकार देते हैं। इसलिए वे निरंतर किसी दूसरे शरीर, जिंदा या मुर्दा, की तलाश में रहते हैं और अपनी सुविधानुसार उसे पा भी लेते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों में जो सर्वाधिक व्याकुल प्राणी थे, उनमें से चार शिखर पर थे। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, सोनिया गांधी और कम्युनिस्ट। प्रश्न पूछा जा सकता है कि मैंने अन्य दलों का नाम न लिख कर, उन दलों के प्रमुख व्यक्ति का नाम लिखा है, लेकिन कम्युनिस्टों के मामले में व्यक्ति का नाम न लिख कर केवल कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग क्यों किया है। उसका कारण है। हमारे भारत में कम्युनिस्ट सदा किसी शरीर की तलाश में रहते हैं। जब कम्युनिस्ट अपने शरीर में प्रकट होते हैं तो भारत के लोग उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और नकार देते हैं। इसलिए वे निरंतर किसी दूसरे शरीर, जिंदा या मुर्दा, की तलाश में रहते हैं और अपनी सुविधानुसार उसे पा भी लेते हैं। उनकी ऐसी पृष्ठभूमि में उनके किसी शीर्ष पुरुष का नाम पहचान पाना या तलाश करना बहुत मुश्किल है। उनके शीर्ष पुरुष आपस में इतने मिलेजुले हैं कि किसी को पहचान पाना ही मुश्किल है। इसलिए मैंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम न लिख कर नंगा चिट्टा कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग ही किया है। अब आगे बढ़ा जाए। लेकिन हमारे आगे बढने से पहले ही नीतीश कुमार इंडी मोहल्ला छोड़ कर वापस अपने घर लौट गए हैं। ममता बनर्जी हैं अभी भी इंडी मोहल्ला में ही, लेकिन उस मोहल्ला के बाकी लोगों से उन्होंने बोलचाल बंद कर दी है। उनकी पार्टी ने पश्चिम बंगाल की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर दिए हैं। लेकिन वैसे वे बराबर कह रही हैं कि वे इंडी के साथ मजबूती से खड़ी हैं और बंगाल को छोड़ कर बाकी सभी जगह उसका समर्थन कर रही हैं। लेकिन सोनिया गांधी इतना तो जानती हैं कि उनकी पार्टी को यदि ममता बनर्जी की जरूरत थी तो केवल बंगाल में थी। शेष भारत में, सोनिया गांधी तो क्या, ममता बनर्जी खुद भी जानती हैं कि उनकी हैसियत ही नहीं है। एक दूसरी पार्टी है जो इंडी गठबंधन में सर्वत्र विद्यमान है, लेकिन दिखाई नहीं देती। यह पार्टी अब भारत में 'अशरीरी' हो गई है। उसका नाम मुस्लिम लीग है। यह कांग्रेस के पैदा होने के कुछ साल बाद 1905 में पैदा हुई थी। कहा जाता है कि अंग्रेजों ने इस पार्टी को पैदा करने के लिए ही बंगाल का विभाजन किया था। मुस्लिम लीग को पैदा करने के बाद बंगाल विभाजन को भी खत्म कर दिया था। 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने अंग्रेजों से भारत के मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन मंडल की मांग की थी। बाद में संबंध बनते बिगड़ते गए, लेकिन कांग्रेस ने 1947 में अपनी कार्यसमिति की अंतिम बैठक में मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की मांग का समर्थन करने के लिए 'भारत विभाजन' का प्रस्ताव पारित किया था। भारत विभाजन के बाद जब बचे-खुचे भारत में मुस्लिम लीग के लिए रहना मुश्किल हो गया, तो उसने अपनी शक्ल में प्लास्टिक सर्जरी करवा कर रूप बदल लिया था। उससे चेहरा तो बदल गया था, लेकिन भारत के लोग उनकी आवाज अच्छी तरह पहचानते ही हैं। इसलिए वे बराबर चिल्ला रहे हैं। यह बदल रहे चेहरे से घूम रही वही मुस्लिम लीग है जिसने भारत का विभाजन करवाया था। लेकिन सोनिया जी का कहना है कि यह पुराने वाली मुस्लिम लीग नहीं है। यह नई ताजा मुस्लिम लीग है जिसका पुरानी मुस्लिम लीग से कोई ताल्लुक नहीं है। पता चला है कि कुछ पुराने कांग्रेसियों ने कान में बताया भी कि मैडम, आपको पुरानी वाली का पता नहीं है, क्योंकि आपकी पृष्ठभूमि इटली की है। यह मुस्लिम लीग शत प्रतिशत पुराने वाली मुस्लिम लीग ही है। लेकिन सोनिया गांधी नहीं मानी। वह उसी को सच मानती हैं जो राहुल-प्रियंका-राबर्ट वाड्रा बताते हैं। अब यह नई वाली मुस्लिम इंडी का हिस्सा है। उसका परिणाम भी सामने आने लगा है। सोनिया जी की पार्टी ने अपना जो चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है, यदि उसको ध्यान से पढ़ा जाए, जिससे अंग्रेजी वाले 'टू रीड बिटवीन दी लाईन्ज' कहते हैं, तो वह काफी हद तक 1947 से पहले का मुस्लिम लीग के चुनाव घोषणा पत्र का नया संस्करण लग रहा है। अब तवलीन सिंह का कहना है कि आधा हिस्सा कम्युनिस्ट पार्टी का ही है। सोनिया गांधी जी की एक दूसरी समस्या भी है। वह मुस्लिम लीग का समर्थन तो लेना चाहती हैं, लेकिन यह नहीं चाहती कि लोग इसको जान लें। वैसे पूछा जा सकता है कि 'गुड़ तो खाएं, लेकिन गुलगुलों से परहेज' की इस नीति का कारण क्या है। जब अपने चुनाव घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र समेट लिया, अयोध्या में राम मंदिर में आने के निमंत्रण को सार्वजनिक रूप से ठुकरा दिया और मुस्लिम लीग को मंच पर भी बिठा लिया तो अब बचा क्या है? फिर यह हिचकिचाहट कैसी? यह संकट केरल के वायनाड में आया। राहुल गांधी अब उत्तर प्रदेश को छोड़ कर केरल चले गए हैं। केरल में भी मुस्लिम बहुल क्षेत्र वायनाड को उन्होंने अपने लिए चुना है। सारे देश में उन्हें लोकसभा में जाने के लिए अपनी पार्टी की विचारधारा और उसके अनुरूप मित्रों के कारण वायनाड ही सुरक्षित लगता है। यह पांच साल पहले ही स्पष्ट हो गया था जब राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की जनता ने अमेठी में ठुकरा दिया था और वायनाड ने उन्हें संकट के उस काल में सुरक्षा चक्र प्रदान किया था। तब बहुत से राजनीतिक विश्लेषक मानने लगे थे कि राहुल गांधी अब पांच साल मेहनत करके उत्तर प्रदेश के लोगों का विश्वास जीतेंगे। लेकिन शायद सोनिया परिवार ने यह लंबा रास्ता अख्तियार करने की बजाय वायनाड का सुरक्षा चक्र लेना ही उचित समझा। लेकिन इस बार एक झंझट हो गया। राहुल गांधी दिल्ली से वायनाड तक की लंबी दूरी तय करके लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वायनाड पहुंचे, तो स्वाभाविक ही मन में आया होगा कि शक्ति प्रदर्शन के लिए रोड शो भी कर लिया जाए।

दृष्टि कोण

सिंथेटिक ट्रैक्स को तबाह मत करो

आज हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। आजकल वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी है। जब क्रिकेट वाले अपने मैदानों में किसी को एक कदम भी नहीं रखने देते हैं, अच्छी बात है, मगर दूसरे की अंतरराष्ट्रीय प्ले फील्ड को बरबाद करना कहां तक सही है। सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट पंद्रह दिन कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं। क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे, ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों, उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर की सोच ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से बिलासपुर में सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी, तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई हैं। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है।

कुछ अलग

जिसकी लाठी, उसकी भैंस

मेहता साहब सवेरे-सवेरे ही आए और बोले "माफ करना शर्मा, मैंने तुमसे कल भला-बुरा कहा।" मैं आश्चर्य के साथ बोला, "क्या बात कर रहे हैं मेहता साहब, आपने मुझे कभी भला-बुरा नहीं कहा।" "तुम्हें याद नहीं है शर्मा, तुम भूल जाते हो। मैंने कल तुमसे बदतमीजी की थी। इसलिए भाई माफी मांगता हूं।" "चलो आपने भला-बुरा कहा भी होगा, लेकिन आप बड़े हैं, क्या हुआ अगर कह दिया तो। आप और मुझसे माफी मांगेंगे। ऐसा नहीं हो सकता।" मैंने कहा तो मेहता जी बोले, "अरे भाई हो रहा है। संसद में ही देख लो, पहले जानबूझ कर बदतमीजी करते हैं और बाद में माफी मांग लेते हैं।" "संसद की बात अलग है मेहता साब। वहां तो रोज ऐसा होता है। वहां बदतमीजों की क्या कमी है। आखिर उन्हें हमने ही तो चुनकर भेजा है। वे हमारे लिए लड़ते हैं, झगड़ते हैं। यहां तक कि दलगत राजनीति से प्रेरित होकर मनमुटाव तक कर लेते हैं। इसलिए हमारे लौकिक जीवन में बड़ा छोटे से माफी मांगे, शर्मसार करने वाली बात है।" मैंने कहा तो मेहता साहब बोले, "भाई शर्मा, मैं तो संसद का समाचार पढक़र दौड़ा चला आया। पता नहीं मैंने तुमसे कुछ गलत कह दिया हो। तुमने तो बुरा नहीं माना। लेकिन मैं भी इतना बुरा नहीं हूं कि माफी भी नहीं मांगू।" "आप मुझे शर्मिंदा कर रहे हैं। आजकल सब चलता है। माफी नहीं भी मांगते तो मैं आपका क्या बिगाड़ लेता। इसलिए इतना मत सोचा करो। नेताओं को देखो। अब तो गाली-गलौच संसद में मारा-पीटी तक करते हैं। इतना अमर्यादित आचरण पहले कभी नहीं देखा। महिलाओं तक से बदतमीजी हो रही है।" मैंने कहा तो मेहता साहब मूड़ में आ गए, बोले, "शर्मा, चाय बनवाओ। विषय अच्छा है। इस पर बातचीत हो जाए, तो घण्टे दो घण्टे रविवार के आसानी से निकल जाएंगे।" मैं सन्न रह गया। मुझे लगा मेहता साहब बदतमीजी पर उतर आए हैं। मुझे मॉर्निंग वॉक पर जाना था और उसके बाद पत्नी की दवा लेने। दोनों ही जरूरी काम ध्वस्त होने वाले थे। मैंने सोचा कि अब क्या किया जाए। मन ने कहा बदतमीजी, बदतमीजी को मारती है। इसलिए अब समय लिहाज छोडऩे का है। मैं बोला, "मेहता साहब, यह समय तो मेरे मॉर्निंग वॉक का है। यह शाश्वत विषय है। इस पर फिर कभी सही।" "शर्मा कमाल कर दिया तुमने तो। बदतमीजी की हद होती है। तुमने तो औपचारिकता का भी परित्याग कर दिया है। मैंने बढक़र चाय की पेशकश की है और तुम मॉर्निंग वॉक का बहाना करके मुझे टरका रहे हो। एक दिन घूमने नहीं जाओगे तो शुगर नहीं बढ़ जाएगा। चलो पहले चाय बनवाओ।" मेहता हठधर्मिता पर उतर आए थे। मैंने भी पैंतरा मारा, "मेहता साहब, मैं चाय घूमने के बाद पीता हूं। आप माफी मांगने आए थे या मेरा खून पीने?" मेहता साहब की आंखों से क्रोध की चिंगारियां निकलने लगी, वे चीखे, "शर्मा मैं चाय पीकर जाऊंगा।" मैं लगभग डर गया, तभी मेहता की चीख सुनकर पत्नी आ गई। आते ही बोली, "क्यों क्या बात हुई मेहता साब? आप नाराज क्यों हो रहे हो?" "अरे मिसेज शर्मा, मामूली सी बात है। मैंने कहा कि मैं चाय पीकर जाऊंगा और शर्मा कह रहा है कि उसका घूमने का वक्त हो गया। तनिक भी तमीज नहीं है इसे। मैंने आते ही अपनी बदतमीजी की माफी मांगी, लेकिन इसने सारे नियम-कायदे, छोटे-बड़े का लिहाज ताक में रखकर चाय की बात को टाले जा रहा है। तुम भी सुन लो मिसेज शर्मा, मैं चाय पिये बिना यहां से नहीं जाने वाला।" मेहता जी का व्याख्यान सुनकर पत्नी ने मुझे और मैंने पत्नी को देखा। मुझे लगा यह जमाना जिसकी लाठी-उसकी भैंस का है। मजबूरन हमें चाय बनवानी पड़ी। बेमन से चाय पीकर उन्हें विदा किया।

देश दुनिया से

एक कभी ना भूलने वाली त्रासदी, आखिर अब भी कितना जानते हैं हम?

इतिहास के काले पन्नों में दर्ज इस जघन्यतम् और क्रूरतम्नरसंहार को हुए 105 साल गुजर गए मगर भारतवासियों के दिलो-दिमाग में यह हादसा इतनी गहराई तक बैठा हुआ है कि जनसंघर्षों के दमन के मामलों की तुलना के लिए इसी जघन्य कांड का उदाहरण दिया जाता है। इस कांड के बारे में कुछ भ्रांतियां बनी रहीं जैसे डायर नाम के दो खलनायकों को लेकर भी। महान क्रांतिकारी ने जनरल डायर को नहीं बल्कि लेफ्टिनेंट गवर्नर ड्वायर को मारा था। मानवता के खिलाफ इस भयंकर कांड के पीछे दो खलनायकों के मिलते-जुलते उच्चारण वाले नाम अक्सर भ्रांति पैदा करते हैं। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जब यह कांड हुआ उस समय सर माइकल फ्रांसिस ओ' ड्वायर पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था।

जलियांवाला बाग की एक और बरसी आ गई। इतिहास के काले पन्नों में दर्ज इस जघन्यतम् और क्रूरतम्नरसंहार को हुए 105 साल गुजर गए मगर भारतवासियों के दिलो-दिमाग में यह हादसा इतनी गहराई तक बैठा हुआ है कि जनसंघर्षों के दमन के मामलों की तुलना के लिए इसी जघन्य कांड का उदाहरण दिया जाता है। इस कांड के बारे में कुछ भ्रांतियां बनी रहीं जैसे डायर नाम के दो खलनायकों को लेकर भी। महान क्रांतिकारी ने जनरल डायर को नहीं बल्कि लेफ्टिनेंट गवर्नर ड्वायर को मारा था। मानवता के खिलाफ इस भयंकर कांड के पीछे दो खलनायकों के मिलते-जुलते उच्चारण वाले नाम अक्सर भ्रांति पैदा करते हैं। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जब यह कांड हुआ उस समय सर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था। इसकी स्पेलिंग का उच्चारण डायर के तौर पर भी किया जाता है। प्रख्यात इतिहासकार और लेखिका डॉ. इंदु बग्गा के अनुसार हालांकि ब्रिगेडियर-जनरल डायर मौके पर मौजूद सैन्य कमाडर था। लेकिन उस समय पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर सर माइकल फ्रांसिस ओ' ड्वायर था, जिसने जलियांवाला नरसंहार का आदेश दिया था। यह शख्स घोर साम्राज्यवादी था और इसी ने रोलेट एक्ट के खिलाफ भड़के आन्दोलन को सख्ती से कुचलने के आदेश दिए थे, ताकि ब्रिटिश राज की बर्बरता आन्दोलनकारियों में भय पैदा कर सके। इस नरसंहार का दूसरा खलनायक ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर था। डायर मूलतः एक कर्नल था जिसे अस्थाई ब्रिगेडियर जनरल के तौर पर वहां पर सेना की कमान दी गई थी। कमाडर के तौर पर डायर ने ही आन्दोलनकारियों पर रायफलों और मशीनगनों से तब तक बरसाई जब तक गोलियां समाप्त नहीं हो गई। इन दोनों ही डायरों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई। पंजाब के इतिहास की विशेषज्ञ डॉ. इंदु बग्गा के अनुसार दानों ही डायरों का जन्म सन् 1864 में हुआ था। लेफ्टिनेंट गवर्नर फ्रांसिस ओ' ड्वायर की 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में महान क्रांतिकारी उधम सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उधमसिंह को माइकल ओ' डायर की हत्या का दोषी ठहराया गया और 31 जुलाई 1940 को उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। जबकि डायर की 1927 में मस्तिष्क रक्तस्राव और धमनीकाठिन्य से मृत्यु हो गई थी। जबकि रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर की मृत्यु छब्बीस साल बाद 23 जुलाई 1927 को इंग्लैंड के ब्रिस्टल के निकट लॉन्ग एश्टन में 1927 में मस्तिष्क रक्तस्राव और धमनी काठिन्य से मृत्यु हो गई थी। अमर शहीद उधमसिंह जलियांवाला बाग नेरसंहार के वक्त घटनास्थल पर ही थे और बचे हुए लोगों में से एक थे। जलियांवाला बाग नरसंहार में गोलियों की बौछारें कराने वाले डायर जिसे अमृतसर का कसाई भी कहा जाता है का जन्म और पालन पोषण पंजाब के मुर्री में हुआ था जो कि अब पाकिस्तान में है। वह अंग्रेजी के साथ ही हिन्दुस्तानी भाषाओं का अच्छा ज्ञाता था। डायर को 1885 में वेस्ट सरे रेजिमेंट में कमीशन मिला था और बाद में भारतीय सेना में स्थानांतरित कर दिया गया। वह 1886-87 में बर्मा के अभियान में भी शामिल और उसने 1901-02 में वजीरिस्तान (अब पाकिस्तान में) की नाकाबंदी में भाग लिया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उसके पास पूर्वी फारसी घेरे का प्रभार था, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान में जर्मन घुसपैठ को रोकना था। वहां भी डायर ने लोगों पर अपनी मर्जी से ज्यादतियां कीं जिस कारण उसे वहां से हटा दिया गया था। उसे ब्रिगेडियर जनरल की अस्थाई पद्वी मिली थी अन्यथा वह कर्नल ही था और इसी पद से सेना से हटाया गया था। इस नरसंहार की पृष्ठभूमि में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध भड़का जनाक्रोश था। महात्मा गांधी के आह्वान पर इस एक्ट के विरुद्ध देश के विभिन्न हिस्सों में सत्याग्रह 6 अप्रैल, 1919 को शुरू हो गया था। पंजाब में तो स्थिति विस्फोटक होने वाली थी। उस समय पंजाब के सबसे बड़े शहर लाहौर में प्रदर्शनकारियों की संख्या इतनी अधिक थी कि ऐसा लगा मानो पूरा शहर सड़कों पर उतर आया हो। मदन मोहन मालवीय, मुहम्मद अली जिन्ना और मजहर उल हक जैसे कई नेताओं ने इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल से इस्तीफा दे दिया। उस समय पंजाब के ब्रिटिश लेफ्टिनेंट-गवर्नर, माइकल ओ'डायर इस बारे में विशेष रूप से परेशान था। डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ पंजाब के अमृतसर में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और जनता के बीच हिंदू-मुस्लिम एकता को प्रेरित किया।

आप का नजरिया

आर्थिक पटरी पर मेले

पर्यटक सीजन में हिमाचली मेले एक बड़ी संभावना का आयोजन देख रहे हैं, लेकिन इस क्षमता को प्रदेश की आर्थिकी से जोड़ा ही नहीं गया। इसी तरह धार्मिक स्थलों की कमाई और आयोजनों को भविष्य की आर्थिकी नहीं माना गया। सुक्खू सरकार अगर व्यवस्था परिवर्तन के एहसास में पारंपरिक मेलों, धार्मिक आयोजनों, मंदिरों की आय तथा हिमाचल के लोक जीवन व कलाओं को आर्थिक पटरी पर रखे, तो आय के स्रोत खजाने को राहत दे सकते हैं। हिमाचल के हर गांव, कस्बे और शहर से जुड़ा कोई न कोई मेला है और इसी तरह धार्मिक स्थल भी वार्षिक रूप से धार्मिक मेलों की तरह योगदान दे रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार तमाम मेलों के आयोजन में सरकारी गैरसरकारी व सामाजिक योगदान से करीब सौ करोड़ जुटाए जाते हैं और करीब इतनी ही आय विभिन्न मंदिरों से हो रही है। इस तरह दो सौ करोड़ के व्यय से मेले और मंदिर अपनी वार्षिक बजटीय व्यवस्था का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन आय-व्यय के हिसाब में न आगे बढऩे का संकल्प और न ही पारदर्शी नियम सामने आए हैं। इस रौनक में कुछ चेहरे वीआईपी नजर आते हैं, लेकिन वर्षों बाद भी परंपराओं के दूत कब्जा जमाए बैठे हैं। उदाहरण के लिए धर्मशाला के धुम्मू शाह मेले का आयोजन पुनः एक निरर्थक अभ्यास की तरह कई पाटों और हकदारों में विभक्त दिखाई दे रहा है। एक ओर प्रशासन तो दूसरी ओर सियासी निर्वाचन चुगली कर रहा है। मोटे तौर पर एक करोड़ के करीब आय की पहली खिडक़ी खुली है। यही मेला आय की दृष्टि से दस करोड़ का हो सकता है और इसी तरह हिमाचल का हर छोटा बड़ा मेला प्रेरित, परिष्कृत और वित्तीय रूप में अनुशासित किया जाए, तो आज सौ करोड़ कमा रहे मेले आगे चलकर हजार करोड़ के और इसी तरह मंदिरों की आय दस गुना बढ़ कर हजार करोड़ हो सकती है। इसके लिए योजना, अधोसंरचना तथ व्यवस्था का एक स्थायी ढांचा खड़ा करना पड़ेगा। मसलन हिमाचल में मेलों की क्षमता में स्थान व अतिक्रमण अवरोधक बना है। हर मेला स्थल को निश्चित जमीन तथा पार्किंग व ट्रैफिक प्लान चाहिए। कई मेले सडक़ों के किनारे होते आए हैं, जिन्हें अन्यत्र व्यवस्थित करना होगा। उदाहरण के लिए लिदबड़ (नगरोटा बगवां) मेले का स्तर सरकार ने बढ़ाया है, उसके आयोजन का स्थल अस्सी फीसदी घट चुका है। बड़े मेलों, यानी रेणुका जी, मंडी की शिवरात्रि, रामबुशहर की लवी, चंबा की मिंजर या सुजानपुर की होली की भी यही दिक्कत है कि आयोजन स्थल सिकुड़ रहे हैं, जबकि लोगों की रुचि से ये एक नए आयाम पर हैं। मेला विकास प्राधिकरण के तहत अगर मेलों का वर्गीकरण, मेला स्थलों का विकास, ट्रैफिक प्लान तथा पार्किंग व्यवस्था के समाधान करें, तो ये आयोजन पर्यटन की खूबसूरती में हिमाचली व्यंजनों, धाम तथा स्थानीय उत्पादों के बिक्री स्थल भी बन सकते हैं। इसी के साथ विभिन्न छिंजों को कुश्ती की प्रतिभा में समृद्ध कर सकते हैं। तमाम लोक व अन्य कलाकारों के साथ वार्षिक कान्ट्रेक्ट के तहत इन्हें स्थायी रोजगार दिया जा सकता है।

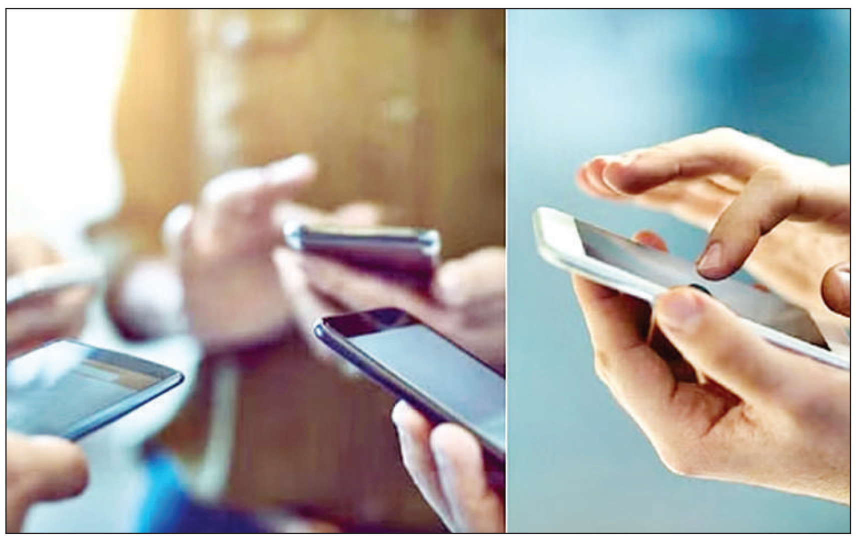

क्या वोडा-आइडिया के दिन बहुरेंगे, अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ लाकर इतने अरब रुपये जुटाएगी कंपनी

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय दूरसंचार ऑपरेटर वोडाफोन ने बताया है कि कंपनी इस महीने के अंत में नए शेयरों की बिक्री के माध्यम से 180 अरब रुपये (2.16 बिलियन) तक जुटाएगी। यह देश की सबसे बड़ी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग (एफपीओ) होगी।

कर्ज में डूबी कंपनी ने फरवरी में कहा था कि वह इक्विटी के जरिए 200 अरब रुपये जुटाएगी, जिसमें एक शीर्ष शेयरधारक इकाई से 20 अरब रुपये की वित्तीय सहायता भी शामिल है। यह सार्वजनिक पेशकश 10 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर होगी और 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बोली के लिए खुलेगी।

वोडाफोन आइडिया ग्राहकों की संख्या के हिसाब से देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में वोडाफोन आइडिया का शेयर 2.3 प्रतिशत गिरकर 12.65 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक की ओर से 150 अबर रुपये के शेयरों की बिक्री के लिए 2020 में लाया गया था।

वोडाफोन आइडिया ने ऋण के माध्यम से अतिरिक्त 250 अरब रुपये जुटाने की भी योजना बनाई है, जिसके लिए वह ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहा है, हालांकि फिलहाल इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी ने कहा कि वह इक्विटी और डेट फंडिंग का उपयोग फंड हासिल करने के छह से सात महीने के भीतर अपनी 5जी नेटवर्क सेवा शुरू करने और अपने 4जी कवरेज का विस्तार करने के लिए करेगी।

बड़े प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेलऔर रिलायंस जियो ने पहले ही देश के अधिकांश हिस्सों में अपनी 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। अगस्त 2018 में यूके के वोडाफोन और आदित्य बिड़ला समूह के आइडिया सेल्युलर की भारतीय शाखा के विलय के रूप में गठित, दूरसंचार ऑपरेटर ने तब से हर तिमाही में नुकसान दर्ज किया है क्योंकि इसके ग्राहकों ने तेजी से प्रतिद्वंद्वियों का रुख कर लिया है।

न्यूज ब्रीफ

फैशन की इतनी बड़ी कीमत! पेड़ों की कटाई, भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, कई बड़े ब्रांड्स के नाम

रियो डे जेनोरियो । एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई बड़े फैशन ब्रांड्स जैसे एचएंडएम और जारा आदि उन कंपनियों से कपास खरीदते हैं, जिन पर ब्राजील में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, जमीन कब्जाने, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। पर्यावरण समूह अर्थसाइट की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील में कपास की खेती की वजह से जैव विविधता वाले इलाकों में पेड़ों की कटाई हो रही है, जिससे पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में लगाए गए ये आरोप अर्थसाइट की इस रिपोर्ट को फैशन क्राइम नाम दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि सैटेलाइट तस्वीरों, कोर्ट के आदेशों और शिपमेंट के रिकॉर्ड से पता चला है कि कई फैशन कंपनियां ब्राजील की दो बड़ी कंपनियों एसएलसी एग्रिकोला और होरिता ग्रुप से कपास खरीद रहे हैं। इन दोनों कंपनियों पर पर्यावरण के लिए संवेदनशील ब्राजील के जैव विविधता वाले इलाके सेराडो में कपास की खेती के लिए पेड़ों की कटाई के गंभीर आरोप हैं। वहीं इस कपास को बेटर कॉटन द्वारा सर्टिफाइड किया गया है, जिससे कपास की नियामक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हुए हैं। पर्यावरण के लिए खतरनाक ब्राजील में बड़े पैमाने पर कृषि आधारित उद्योग संचालित हो रहे हैं, जिससे दुनिया में सबसे ज्यादा जैव विविधता वाला ब्राजील का इलाका सेराडो तेजी से खत्म हो रहा है। अर्थसाइड के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से 2023 के बीच ब्राजील की कंपनियों एसएलसी और होरिता ग्रुप ने करीब 8,16,000 करोड़ टन कपास का निर्यात किया। इस दौरान सेराडो का करीब एक लाख हेक्टेयर का क्षेत्र में पेड़ काटे गए। यह कपास आठ एशियाई कपड़े बनाने वाली कंपनियों को भेजा गया, जिनके ग्राहकों में कई बड़े ब्रांड जैसे एचएंडएम और जारा जैसे नाम शामिल हैं। रिपोर्ट के सामने आने के बाद मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं फैशन कंपनियों जारा और एचएंडएम ने भी आरोपों को लेकर गंभीरता दिखाई है और जांच में मिले तथ्यों की जानकारी देने की मांग की है।

जल्द मिलेगा आयकर रिफंड, जब्त संपत्तियां भी होंगी वापस, अपील पर सुनवाई में तेजी की बन रही योजना

नई दिल्ली। आप अगर टैक्स भरते हैं तो आपके लिए राहत की बात है। आयकर विभाग चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 से टीडीएस भुगतान और टैक्स से संबंधित अपील को जल्द-से-जल्द निपटाएगा। इससे आपको आयकर रिफंड भी जल्द मिल जाएगा।विभाग इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से कहा है कि ऐसी कार्ययोजना बनाएं, जिससे टैक्स से जुड़े संभावित मामलों की पहचान कर उसका तुरंत निपटान किया जाए। इस योजना में जब्त की गई संपत्ति को फिर से वापस करने के लिए एक तय समय सीमा होगी। विभाग ने बताया कि ऐसी संपत्तियां 30 जून 2024 तक वापस कर दी जाएंगी। इसमें 31 मार्च, 2024 तक लंबित कंपाउंडिंग प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और 30 जून तक कम-से-कम 150 अपीलों के निपटान का लक्ष्य रखा गया है। एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता विभाग ने बताया कि एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद एक अप्रैल, 2020 के बाद दायर अपीलों का निपटान किया जाएगा। यह फैसला प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई-निवारण और सीपीजीआरएएम प्लेटफार्मों के माध्यम से शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल उपाय शुरू किए गए हैं। मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष दाखिल कर सकते हैं मामला आयकर विभाग के नए फैसले के तहत करदाताओं को अब लंबित रिफंड के लिए मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष आवेदन दाखिल करना होगा। धारा 195/197/206सी के तहत शून्य/कम टीडीएस या टीसीएस प्रमाणपत्रों के आवेदनों के प्रसंस्करण में तेजी लाई जाएगी। एक अप्रैल, 2024 से आवेदन प्राप्ति के एक महीने के भीतर उनका समाधान कर दिया जाएगा। एकेएम ग्लोबल (साझेदार कर) संदीप सहगल का कहना है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी अंतरिम कार्ययोजना जारी की है। यह कर प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बोइंग के खिलाफ व्हिसलब्लोअर ने फिर लगाए गंभीर आरोप
कहा- उड़ान के दौरान विमान के हो सकते हैं दो टुकड़े

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

व्हिसलब्लोअर बार-बार बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर को लेकर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर इसे लेकर कहा कि उड़ान के दौरान विमान के दो टूकड़े हो सकते हैं। बता दें, व्हिसलब्लोअर ने यह बात ऐसे समय में कही, जब हाल ही में अमेरिका की हवाई सुरक्षा संस्था फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि वे बोइंग की जांच कर रहे हैं। हालांकि, बोइंग ने ड्रीमलाइनर में कमी होने वाले दावों को खारिज कर दिया है।

व्हिसलब्लोअर का यह दावा

यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) व्हिसलब्लोअर के दावों की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एफएए बोइंग इंजीनियर व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर के आरोपों की जांच कर रहा है। सालेहपुर ने दावा किया है कि बोइंग ने अपने 787 ड्रीमलाइनर जेट का निर्माण करते समय जल्दबाजी की है। विमान को असेंबल करने वाले कर्मचारी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ते समय छोटे गैप को ठीक से भरने में नाकाम रहे हैं। इससे हजारों यात्राओं के बाद मध्य-उड़ान में अलग हो सकता है। वहीं, सालेहपुर के वकीलों ने आरोप लगाया कि इससे विमान पर अधिक घिसाव होता है। इससे इसका जीवनकाल छोटा हो जाता है और विनाशकारी विफलता का खतरा होता है।

इंजीनियर सैम सालेहपुर ने बोइंग में 10 से अधिक वर्षों तक काम किया है। उनके आरोपों के बाद वर्जीनिया स्थित विमान उद्योग की कंपनी बोइंग जांच के दायरे में आ गई है। सालेहपुर के आरोपों से पहले साल 2019 में, दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन कारखाने (जहां 787 बनाया गया है) में काम कर रहे बोइंग कर्मचारी ने यह मुद्दा उठाया था। उनका कहना था कि तय समय में विमानों को तैयार करना था। इसलिए सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया गया था। बारनेट ने बोइंग के खिलाफ उठाई थी आवाज जॉन बारनेट बोइंग में बतौर क्वालिटी मैनेजर कंपनी के नॉर्थ चार्ल्सटन प्लांट में काम करते थे। उनका काम कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान के प्रोडक्शन में गुणवत्ता का ध्यान रखना था। साल 2019 में बारनेट ने आरोप लगाए थे कि कंपनी के कर्मचारी दबाव में विमान में घटिया उपकरण लगा रहे हैं। बारनेट ने विमान के ऑक्सीजन सिस्टम में भी गंभीर गड़बड़ी का दावा किया था। हालांकि, वह इस साल मार्च में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। बता दें, जॉन बारनेट ने 32 साल तक बोइंग में सेवाएं दी थीं और साल 2017 में ही बारनेट बोइंग से रिटायर हुए थे।

दो समितियों के सामने रखी अपनी चिंता

पेशे से इंजीनियर सालेहपुर ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और सीनेट होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स के सामने अपनी चिंता रखी हैं।

बोइंग ने क्या कहा

बोइंग ने 787 के बारे में सालेहपुर की चिंताओं से इनकार कर दिया। कंपनी ने एक बयान में कहा, 787 की संरचनात्मक अखंडता के बारे में ये दावे गलत हैं और विमान की गुणवत्ता और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बोइंग द्वारा किए गए व्यापक काम का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। कंपनी का कहना है कि बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर विमान, (जो 2011 से सेवा में हैं) का जीवनकाल 50 साल का हो सकता है, लगभग 44,000 उड़ानों जितना।

समिति कर रही जांच

बोइंग की सुरक्षा की जांच करने वाली सीनेट समिति की अध्यक्षता कनेक्टिकट के सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल कर रहे हैं। उन्होंने सालेहपुर को अगले सप्ताह अपनी बात रखने के लिए बुलाया है।

सालेहपुर के वकीलों ने आरोप लगाया कि बोइंग ने उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया है। अटॉर्नी डेबरा काट्ज और लिसा बैंक्स का कहना है कि सालेहपुर की चेतावनियों पर ध्यान देने के बजाय, बोइंग ने विमानों को जल्द से जल्द बाजार में लाने को प्राथमिकता दी। हालांकि, बोइंग ने व्हिसलब्लोअर के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि कर्मचारियों को सुरक्षा चिंताओं की रिपोर्ट करने का हक है।

सीआईआई प्रमुख का सुझाव- रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए सरकार
चार क्षेत्रों में सुधार जरूरी

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने सुझाव दिया कि सरकार उन उत्पादन से जुड़ी योजनाओं (पीएलआई) के अनुरूप रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए, जिन्हें उसने कई क्षेत्रों के लिए शुरू किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना न केवल नौकरियां पैदा करेगी बल्कि पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और रसद जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ने में मदद करेगी। सीआईआई प्रमुख ने कहा, हम रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का सुझाव दे रहे हैं, खासतौर पर पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और रसद जैसे उच्च रोजगार पैदा करने वाले कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए। चुनावी मौसम में दिनेश ने कहा कहा कि भारत के नीति घोषणापत्र में बड़ा सुधार होना चाहिए। भारत को मौटे तौर पर चार क्षेत्रों में बड़े सुधारों की जरूरत है- श्रम सुधार, कृषि सुधार, लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) के क्षेत्र में सुधार और फिनटेक क्षेत्र में सुधार। दिनेश ने कहा, कृषि और श्रम सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच व्यापक सहमति की जरूरत है। कृषि और श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति तक पहुंचने के लिए वस्तु एवं सेवा कर परिषद (जीएसटी काउंसिल) जैसी एक संस्था बनाई जानी चाहिए। यह संस्था इन सुधारों का उचित और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा, आज हमारे पास एमएसएमई हैं। उन्होंने औपचारिक अर्थव्यवस्था, बैंकों और फिनटेक से फंडिंग तक बेहतर पहुंच मिलनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को उनके समर्थन के लिए संस्थागत बनाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए इसे एक रेटिंग एजेंसी के साथ गठजोड़ की आवश्यकता है। यह एमएसएमई के लिए रेटिंग को उपयुक्त बनाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, एमएसएमई की मुख्य चुनौती स्थिरता और हरित उर्चा में बदलाव के लिए धन प्राप्त करना है। इस मकसद के लिए एक कोष बनाया जाना चाहिए। दिनेश ने स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने का भी सुझाव दिया।

ब्रिटेन में वीजा नियम सख्तः पारिवारिक वीजा के लिए आय सीमा में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, अब कम से कम इतनी आमदनी जरूरी

लंदन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन ने वीजा नियमों को सख्त कर दिया है। इससे यहां रहने वालों को झटका लग सकता है। दरअसल, जो नागरिक और निवासी पारिवारिक वीजा पर अपने रिश्तेदारों को ब्रिटेन में बुलाना चाहते हैं, उनकी न्यूनतम आय सीमा 55 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। यह फैसला प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की आव्रजन स्तर में कमी लाने की योजना के तहत लिया गया है।

इतनी बढ़ सकती है सीमा

पारिवारिक वीजा पर अपने रिश्तेदारों को ब्रिटेन बुलाने वाले लोगों की अब न्यूनतम वार्षिक आय 29,000 पाउंड होनी चाहिए। पहले यह सीमा 18,600 पाउंड थी। बताया जा रहा है कि अगले साल तक यह सीमा दो बार और बढ़ाई जाएगी। इससे यह बढ़कर 38,700 पाउंड हो जाएगा।

आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दा

ब्रिटेन में इस साल होने वाले आम चुनावों से पहले आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक है। सर्वे से संकेत मिला है कि सुनक की पार्टी कंजर्वेटिव भारी हार की ओर बढ़ रही है। इसलिए वह लगातार नए प्रयास कर रहे हैं। इसी के तहत यह नया फैसला लिया गया है।

ब्रिटेन सरकार का कहना है कि यह वैध प्रवासन को कम करने और यहां के करदाताओं पर बाहर से आने वाले लोगों का बोझ नहीं पड़े, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तथा गृह मंत्री जेम्स क्लीवरली द्वारा लाए गए पैकेज के तहत अंतिम प्रयास है। क्लीवरली ने कहा, 'बड़ी संख्या में प्रवास होने से स्थिति चरम पर पहुंच गई है।

मूडीज ने भारत के लिए स्थिर दृष्टिकोण बरकरार रखा, विकास दर के बारे में जताया यह अनुमान

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत सरकार के लिए स्थिर दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी की ओर से भारत सरकार की दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग क्रमशः बीएएएक्स और पी-3 पर आंकी गई है। स्थिर दृष्टिकोण के तहत इस संभावना को शामिल किया गया है कि भारत के राजकोषीय मैट्रिक्स में करीबी साथियों की तुलना में मजबूत विकास धीरे-धीरे जारी रहेगा। स्थिर परिदृश्य बनाए रखते हुए मूडीज ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि क्षमता, अपेक्षाकृत मजबूत बाह्य स्थिति, उच्च सामान्य सरकारी ऋण के जरिए अपनी विशाल और विविध अर्थव्यवस्था को संतुलित करता है।मूडीज ने कहा कि महामारी के बाद से एक मजबूत और अधिक स्थिर अर्थव्यवस्था उभरी है, हालांकि शुरू हुए वित्तीय वर्ष में क्रमिक राजकोषीय समेकन के बीच ऋण में भौतिक कमी की उम्मीद नहीं है। मूडीज की ओर से यह भी कहा गया कि भारत को बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और वित्तीय प्रणाली की मजबूती से लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में अपेक्षाकृत मजबूत जीडीपी के आंकड़ों की एक शृंखला के बाद, मूडीज ने पूरे वर्ष के लिए भारत के वास्तविक जीडीपी विकास अनुमान को संशोधित कर 8 प्रतिशत कर दिया है।

मूडीज का अनुमान है कि अगले दो वित्त वर्षों में आर्थिक वृद्धि दर 6 प्रतिशत से अधिक बनी रहेगी, हालांकि अनुमानों में ऊपर की ओर जोखिम हैं। इस बीच मूडीज रेटिंग्स ने भारत की रेटिंग और इससे जुड़ी अन्य रेटिंग्स की आवधिक समीक्षा पूरी कर ली है। यह समीक्षा 4 अप्रैल, 2024 को रेटिंग समिति के माध्यम से पूरी की गई।

मूडीज ने मार्च में जारी एक रिपोर्ट में उम्मीद जताई है कि 2024-25 में भारत की आर्थिक वृद्धि अन्य उभरते बाजार (जी20 साथियों) की तुलना में अधिक होगी, क्योंकि यह अपनी घरेलू मांग गति बनाए रखने में कामयाब रही। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने बीमा कंपनियों को दी हिदायत

कहा- सारी बीमा कंपनियाँ पॉलिसी के बारे में ग्राहकों को पूरी जानकारी दें

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा है कि जिस तरह बीमित व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने बारे में सभी प्रासंगिक तथ्यों का खुलासा करे, उसी तरह बीमा कंपनियों का भी वैधानिक दायित्व है कि वह बीमा के बारे किसी भी विवरण को छिपाए बिना बीमाधारकों को पॉलिसी के नियमों और शर्तों के बारे में पूरी जानकारी दे।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक फैसले में कहा, जिस तरह बीमित व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने बारे में सभी भौतिक तथ्यों का खुलासा करे, उसी तरह बीमाकर्ता को भी ग्राहक को पॉलिसी के नियमों और शर्तों के बारे में पूरी जानकारी देनी चाहिए। उन्हें प्रस्ताव फॉर्म या प्रॉस्पेक्टस में दी गई जानकारी या उसके एजेंटों की ओर से कही गई बातों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने फ्यूचर जनरल इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को शिकायतकर्ता महाकाली सुजाता के जीवन बीमा दावे भुगतान करने निर्देश दिया। सुजाता मूल रूप से बीमित व्यक्ति एस वेंकटेश्वरलू की एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी हैं। एस वेंकटेश्वरलू की फरवरी 2011 में मृत्यु हो गई थी।

फैसले में हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ कि कंपनी ने वास्तव में क्या छिपाया था, लेकिन फर्म ने यह तर्क दिया था कि वेंकटेश्वरलू ने यह सूचित नहीं किया था कि उन्होंने विभिन्न कंपनियों से अलग-अलग पॉलिसी ले रखी थी।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, एनसीडीआरसी (राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग) द्वारा दिनांक 22.07.2019 को पारित आदेश को रद्द कर दिया गया है। प्रतिवादी कंपनी को अपीलकर्ता को दी गई दोनों पॉलिसियों के बीमा के दावे की राशि 750,000 रुपये और 960,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया जाता है। उन्हें शिकायत दर्ज करने की तारीख से 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ (वास्तविक प्राप्ति की तिथि तक) भुगतान किया जाए।

इससे पहले एनसीडीआरसी ने शिकायतकर्ता के दावे को खारिज कर दिया था और कंपनी के रुख को स्वीकार कर लिया था कि पॉलिसी के तहत दावे का भुगतान नहीं किया जा सकता।

कंपनी ने कहा था कि मृतक ने विभिन्न फर्मों से 15 जीवन बीमा पॉलिसियां ले रखी थी और भौतिक तथ्यों को छिपाते हुए बीमा कंपनी फ्यूचर जनरल इंडिया को इसकी जानकारी भी नहीं दी गई थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि बीमा कंपनी ने जिला फोरम के समक्ष यह साबित करने के लिए कोई दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं किया जिससे यह साबित हो सके कि बीमित व्यक्ति ने विभिन्न कंपनियों से कई बीमा पॉलिसियां ले रखी थीं और इस तथ्य को छिपाया था।

सुमित नागल मोंटे कार्लो से बाहर : दूसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-7 रुने ने हराया, टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म

लखनऊ,12 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारत के नंबर-1 टेनिस प्लेयर सुमित नागल रोलेक्स मोंटे कार्लो मास्टर्स से बाहर हो गए हैं। उन्हें दूसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-7 होल्गर रुने ने हराया। इसी के साथ टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई।

दूसरे राउंड में बारिश से बाधित मैच में रुने ने नागल को दो घंटे 11 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 3-6, 6-2 से हराया।

रोहन बोपन्ना की जोड़ी मोंटे कार्लो से बाहर

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियन पार्टनर मैथ्यू एब्डेन मोंटे कार्लो मास्टर्स 2024 में मेंस डबल्स इवेंट के 32वें राउंड में हार गए। यह जोड़ी एक घंटे 16 मिनट तक चले मैच में अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो और क्रोएशिया के मेट पाविक से 3-6, 6-7 (6-8) से हार गई। इस जोड़ी ने इस साल की शुरुआत में 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

42 साल बाद कोई भारतीय मोंटे कार्लो मुख्य ड्रॉ में

सुमित नागल 42 साल बाद रोलेक्स मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1982 में रमेश कृष्णन ने सिंगल्स इवेंट के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई थी।

सुमित नागल का इस साल प्रदर्शन बेहतर रहा

सुमित नागल का इस साल प्रदर्शन बेहतर रहा है। उन्होंने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर जीत के साथ शुरुआती की थी। इसके बाद, उन्होंने चेन्नई ओपन में जीत हासिल की और एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई।

पिछले सप्ताह की शुरुआत में नागल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की थी।

क्या है मोंटे कार्लो मास्टर्स

मोंटे-कार्लो मास्टर्स मेंस प्रोफेशनल प्लेयर्स का टेनिस टूर्नामेंट है, फ्रांस के रोकेब्रून-कैप-मार्टिन में खेला जाता है। यह मोंटे कार्लो कंट्री क्लब में क्ले कोर्ट पर खेला जाता है और अप्रैल में होता है। इसका आयोजन हर साल होता है। यह टूर्नामेंट एटीपी टूर पर नौ एटीपी टूर मास्टर्स 1000 इवेंट्स का हिस्सा है।

न्यूज ब्रीफ

उम्मीद है कि हम मयंक यादव को सीएसके के खिलाफ एक्शन में देखेंगे:जस्टिन लैंगर

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिंग लैंगर को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज मयंक यादव 19 अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ क्रिकेट एक्शन में वापसी करेंगे, क्योंकि स्टार गेंदबाज को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट के निचले हिस्से में चोट के कारण दर्द का सामना करना पड़ा था।। जस्टिंग लैंगर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहला ओवर फेंकने के बाद सीधे उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द हुआ और इसी कारण उनकी गति थोड़ी कम हो गई। हमने एमआरआई कराया और रिपोर्ट में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आगामी मैच के लिए उनकी अनुपलब्धता की पुष्टि की गई। फिर भी, उम्मीद है कि वह चेन्नई के खिलाफ मैच में उपलब्ध रहेंगे। एकाना क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में, मयंक को सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा, जहां उनकी गति धीमी थी और उन्हें तीन चौके लगे, जिससे कुल मिलाकर 13 रन बने। हालांकि, लैंगर ने दिल्ली कैपिटल्स मैच के खिलाफ मोहसिन खान की उपलब्धता की पुष्टि की, जो आरसीबी के खिलाफ एक्शन से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह यश ठाकुर को लिया गया है। मोहसिन ने अब तक एलएसजी के लिए दो मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। वह फिट हैं और डीसी के मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह नेट्स और अभ्यास सत्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह पूरी तरह से फिट दिख रहे हैं और अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं, उन्हें कल एक्शन में देखा जा सकता है। एलएसजी का मुकाबला शुक्रवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के पास ही रही है सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी

नई दिल्ली । पैट कमिंस की कप्तानी में आईपीएल 2024 में खेल रही सनराइजर्स हैदराबाद की कमान अधिक अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के हाथों में रही है। इस टीम ने पिछले 12 साल में 10 कप्तान बदले हैं। इसमें से 7 विदेशी खिलाड़ी रहे हैं। साल 2016 में डेविड वार्नर की कप्तानी में खिताब विजेता रही इस टीम ने अलग-अलग समय पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाड़ियों को कप्तान बनाया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में पहली बार 2013 में उतरी थी। इसके पहले ये टीम डेक्कन चार्जर्स के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2012 में टीम को सन समूह ने खरीद लिया। इस समूह ने इसके बाद टीम का नाम बदल लिया। तब श्रीलंका के कुमार संगकारा कप्तान थे। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने साल 2013 से 2024 के बीच 10 खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर रखा है। इनमें कुमार संगकारा, कैमरून वॉइट, शिखर धवन, डैरेन सैमी, डेविड वॉर्नर, केन विलियम्सन, भुवनेश्वर कुमार, मनीष पांडे, एडेन मार्करम और पैट कमिंस आदि हैं। इससे साफ है कि शिखर धवन को छोड़ दिया जाए तो सनराइजर्स हैदराबाद ने किसी भी भारतीय खिलाड़ी को अपनी टीम का नियमित कप्तान नहीं बनाया। शिखर ने 2013-14 में 16 मैचों की कप्तानी की, जिनमें से 7 में जीत मिली और 9 में हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स ने इस सत्र में अपने 5 में से 3 मैच जीते हैं। सनराइजर्स ने अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को हराया था। इस जीत के साथ ही अब वह 4 टीमों में शामिल हो गई है, जिन्होंने लीग में 3-3 मैच जीते हैं। लीग में सबसे अधिक 4 मैच राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं।

धोनी की कमाई 1040 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की लोक्रपियता और कमाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अब धोनी की नेट वर्थ 1040 करोड़ रुपये से भी ऊपर निकल गयी है। धोनी को आजकल विज्ञापन के अलावा कई कारोबारों से कमाई होती है। धोनी के फार्महाउस हैं जहां सब्जियों के साथ ही कई प्रकार के फल भी होते हैं। इसके अलावा वह सेवन नाम से एक कपड़ों का ब्रांड भी चलाते हैं। उनकी एक एक स्पोर्ट कंपनी भी है, इसके अलावा करोड़ों के विज्ञापनों भी उनके पास है। इसके अलावा धोनी कई और कारोबार भी कर रहे हैं। हससे उन्हें हर साल करोड़ों रुपये की आय होती है। धोनी का रांची में एक होटल भी है। इसका नाम होटल माही रेजीडेंसी है। इसके अलावा धोनी ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के साथ मिलकर बैंगलोर में एक एमएस धोनी ग्लोबल स्कूल भी खोला है। इस स्कूल में बीबीएसई पाठ्यक्रम से पढ़ाई होती है। यहां विशेषज्ञों की सलाह और उनके मार्गदर्शन पर ही पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है। धोनी ने कई जगह निवेश भी किया है। उन्होंने बेवरेज ब्रांड सेवन इंक ब्रियू में भी निवेश किया है। इसके अलावा उनका पैसा चॉकलेट की कंपनी में भी लगा है। ये कॉप्टर 7 नाम से बाजार में चॉकलेट बेचती है। कुल मिलाकर देखा जाये तो धोनी से खेल से हुई कमाई का निवेश कई क्षेत्रों में किया है। जिसके कारण उनकी कमाई लगातार बढ़ती जा रही है।

दिल्ली ने इस सीजन की दूसरी जीत की दर्ज लखनऊ को छह विकेट से हराया

जेक और पंत ने लखनऊ के लिए दिल्ली की दूर

लखनऊ 12 अप्रैल (एजेंसियां)।
पृथ्वी शॉ (32) की शानदार शुरुआत के बाद जेक फ्रेसर-मक्गर्क (55) और रिषभ पंत (41) के बीच 77 रन की तेज तर्राक भागीदारी की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को उसके घर में छह विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये लखनऊ ने सात विकेट पर 166 रन बनाये थे जिसके जवाब में दिल्ली ने विजय लक्ष्य पारी के 20वें ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।दिल्ली की जीत में आस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय युवा बल्लेबाज जेक की भूमिका अहम रही। दिल्ली कैपिटल्स ने जेक को कमर की चोट से उबर रहे लुंगी एनगिडी की जगह 50 लाख रुपये में खरीदा था और वह दिल्ली की कसौटी पर खरा उतरे। उन्होने कप्तान रिषभ पंत के साथ तेज रफ्तार से रन बटोरते हुये दिल्ली की जीत को आसान बना दिया। जेक ने अपनी 35 गेंदो की संक्षिप्त पारी में पांच जोरदार छक्के लगा कर इकाना में बैठे करीब 45 हजार दर्शकों की वाहवाही लूटी वहीं आईपीएल में शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुये रिषभ ने मैच जिताऊ पारी खेल कर भारतीय टीम में अपनी वापसी की संभावनाओं को पुख्ता किया।

इससे पहले पृथ्वी शॉ ने पहले पावर प्ले का भरपूर लाभ उठाते हुये कई आकर्षक शाट लगाये। डेविड वार्नर (8) हालांकि यश ठाकुर का शिकार जल्द बन गये। पारी के सातवें ओवर में रवि विश्नोई ने पृथ्वी की ठोस पारी का अंत किया। जेक और रिषभ की जोड़ी को तोडने के लिये कप्तान केएल राहुल ने भरपूर प्रयास किया मगर उनके गेंदबाजों का जब तक सफलता मिलती तब तक लखनऊ के लिये दिल्ली बहुत दूर हो चुकी थी।इससे पहले क्विंटन डिकॉक (19) और कप्तान केएल राहुल (39) की तेज शुरुआत के बाद आयुष बडोनी (55 नाबाद) की तूफानी पारी की मदद से लखनऊ ने सात विकेट पर 167 रन का स्कोर खड़ा कर लिया। खचाखच भरे इकाना स्टेडियम पर एक समय 28 रन पर पांच विकेट गंवा कर लखनऊ की टीम संघर्ष की स्थिति में आ गयी थी और 13वे ओवर में स्कोरबोर्ड पर लखनऊ का स्कोर सात विकेट पर 94 रन हो गया था मगर बडोनी ने अरशद खान (20 नाबाद) के साथ 73 रनों की पार्टनरशिप कर न सिर्फ पारी को संवारा बल्कि आखिरी ओवरों में बाउंड्री की मदद से स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाते हुये दिल्ली के लिये 168 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तैयार कर दिया। बडोनी ने अपनी अर्धशतकीय पारी में महज 35 गेंद खेल कर पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि दूसरे छोर पर उनके जोड़ीदार अरशद ने 16 गेंद खेल कर दो बार गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचाया। इससे पहले डिकॉक और राहुल की तेज पारियों की बदौलत एलएसजी पहले पांच ओवर के खेल में आठ रन प्रति ओवर की गति से रन बटोरने में सफल रही थी और सातवें ओवर में एलएसजी के स्कोरबोर्ड पर दो विकेट 66 रन टंग चुके थे लेकिन पारी के आठवें ओवर में कुलदीप यादव ने लगातार दो गेंदों में मार्कस स्टॉयनिस (8) और निकोलस पूरन (0) को चलता कर एलएसजी को बैकफुट में ढकेल दिया।इस बीच एक छोर पर रन बटोर रहे केएल राहुल का आत्मविश्वास डगमगाया और इसका फायदा उठाते हुये कुलदीप ने उन्हे विकेट के पीछे आउट करा कर उन्हे अपना तीसरा शिकार बनाया। हालांकि मैदानी अंपायर ने उन्हे नाट आउट करार दिया था मगर दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत ने डीआरएस लिया और टीवी अंपायर ने मैदानी अंपायर को अपना फैसला पलटने को कहा। राहुल ने 22 गेंदो में पांच चौंके और एक छक्के की मदद से 39 रनों का योगदान दिया। दीपक हुड्डा (10) अनुभवी तेज गेंदबाज इंशात शर्मा के शिकार बने जबकि कृणाल पांड्या (3) को मुकेश कुमार ने अपना शिकार बनाया।

सैमसन को रोकना पंजाब के लिए बड़ी चुनौती

मुल्लांपुर,12 अप्रैल ।
आईपीएल 2024 के 27वें मैच में पंजाब किंग्स के सामने राजस्थान रॉयल्स की चुनौती होगी। राजस्थान ने इस सीज़न पांच में से चार मैच जीते हैं और अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं तो वहीं पंजाब ने पांच में से तीन मैच गंवाए हैं और आठवें स्थान पर हैं। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन शानदार फ़ॉर्म में चल रहे हैं और उनकी टीम को उनसे एक और अच्छी पारी की उम्मीद होगी। आइए जानते हैं पंजाब के ख़िलाफ़ उनका प्रदर्शन कैसा रहा है। पंजाब के ख़िलाफ़ संजू सैमसन का प्रदर्शन

सैमसन ने पंजाब के ख़िलाफ़ 21 आईपीएल मैचों की 21 पारियों में 39 के औसत और लगभग 144 की स्ट्राइक रेट से 702 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक भी लगाए हैं। सैमसन इस टीम के ख़िलाफ़ अभी क्रिकेट खेल रहे बल्लेबाज़ों में छठे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। वह इस टीम के ख़िलाफ़ तीन बार नाबाद भी रह चुके हैं। पंजाब के प्रमुख गेंदबाज़ों के ख़िलाफ़ सैमसन का प्रदर्शन तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में चार विकेट चटकाए थे और उनकी गेंदबाज़ी पर पंजाब काफ़ी निर्भर रहती है। हालांकि अर्शदीप के ख़िलाफ़ भी सैमसन के आंकड़े काफ़ी प्रभावी रहते हैं। सात आईपीएल पारियों में सैमसन ने अर्शदीप के ख़िलाफ़ केवल 30 गेंदों में 57 रन बना दिए हैं। अर्शदीप केवल एक बार सैमसन को आउट कर सके हैं। सैमसन ने अर्शदीप के ख़िलाफ़ 57 की औसत और 190 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। कगिसो रबाडा भी पंजाब के गेंदबाज़ी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं। रबाडा के ख़िलाफ़ सैमसन ने तीन आईपीएल पारियों में लगभग 153 के स्ट्राइक-रेट और 26 की औसत से 26 रन बनाए हैं। 17 गेंदों में एक बार रबाडा ने सैमसन का विकेट भी निकाला है। रबाडा के ख़िलाफ़ बनाए 26 में से 20 रन सैमसन ने चौकों के जरिए बनाए हैं। पंजाब के पास राहुल चाहर स्पिन विभाग में मुख्य स्पिनर की भूमिका निभाते हैं। हालांकि, उनके लिए यह सीज़न अब तक काफ़ी ख़राब रहा है। सैमसन के ख़िलाफ़ वह पंजाब के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

धाविका ज्योति को प्रशिक्षण के लिए स्पेन भेजेगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली,12 अप्रैल ।

खेल मंत्रालय धाविका ज्योति याराजी सहित कई खिलाड़ियों को आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसी के तहत ही मंत्रालय ने ज्योति को स्पेन भेजे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। ज्योति ने इससे पहले हुए हांगझोउ एशियाड में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) के अनुसार यह एथलीट डेढ़ माह के लिए स्पेन जाकर अभ्यास करेंगी।

इस दौरान सरकार उनके सभी प्रकार के खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसमें आने-जाने के किराये के साथ ही रहने ओर स्थानीय परिवहन के अलावा अन्य सभी प्रकार के खर्च भी शामिल रहेंगे, इस दौरान उन्हें हर दिन के हिसाब से भत्ता भी दिया जाएगा। ज्योति के अलावा एमओसी ने बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पेरिस ओलंपिक से पहले अभ्यास के लिए जोड़ीदार को लेकर एक वित्तीय सहायता का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया है। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज दोनों ही जून में मुंबई में स्कॉटलैंड के एलेक्जैंडर डुन और एडम हाल तथा इसके बाद जुलाई में इंडोनेशिया के रेन एगुंग और बेरी एग्रियावान के साथ हैदराबाद में अभ्यास करेंगे। एमओसी ने निशानेबाज रेजा ढिल्लों और राजेश्वरी कुमार के विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को भी मंजूर कर दिया। रेजा अपने व्यक्तिगत कोच के साथ जबकि राजेश्वरी कोच डेविड कोस्टेलेकी के साथ इटली में ट्रेनिंग करेंगी।

अगरकर ने विराट की प्रशंसा करते हुए कहा उन्होंने फिटनेस के नये मानक स्थापित किये

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के प्रमख अजीत अगरकर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। अगरकर ने कहा है कि विराट ने फिटनेस के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक स्थापित किये हैं जिससे खेल को लाभ हुआ है। विराट से प्रेरित होकर अन्य युवा खिलाड़ी भी अब अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान दे रहे हैं।

अगरकर ने कहा, भारतीय क्रिकेट में अच्छी बात यह है कि अब आपके पास चयन के लिए बहुत बड़ा पूल है, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। पिछले एक दशक से अधिके समय के अंदर जो बड़ा अंतर आया है उसे आप देख सकते हैं। विराट उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने फिटनेस को लेकर एक बेंचमार्क स्थापित किया है, और अब अपने 15 साल के करियर में वह और भी फिट हो गए हैं। इस प्रकार जो भी खिलाड़ी प्रभावित होकर उनके जैसे बनने का प्रयास कर रहे है , उससे एक माहौल बनता है ओर फिटनेस पर अधिक से अधिक खिलाड़ी ध्यान देते हैं। अगरकर ने बड़े स्तर पर देश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें निखारने के लिए आईपीएल की भूमिका की भी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि हर साल, आईपीएल नई प्रतिभाओं को सामने लाता रहता है। एक चयनकर्ता के रूप में कुछ खिलाड़ी होते हैं, जिन पर हम नजर रखते हैं पर कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो अचानक आते हैं और बड़े मंच पर भी दिखाई देते हैं। दबाव और बड़ी भीड़ के कारण यह एक बड़ा मंच साबित हुआ है। इसमें आप दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों को गेंदबाजी कर रहे होंगे या शीर्ष गेंदबाजों में से एक का सामना कर रहे होंगे, यह वह जगह है जहां आप खिलाड़ी के स्वभाव का आंकलन कर सकते हैं। आधुनिक क्रिकेट जगत में तेजी से अपनाए जा रहे डेटा-केंद्रित रवैये को लेकर अगरकर ने कहा कि कैसे चयन में डेटा अहम हो जाता है पर कहा कि कोई भी क्रिकेट में दबाव में आंतरिक भावना और प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, जितना डेटा उपलब्ध है, वह अविश्वसनीय है। आप एक पूरी पारी की योजना बना सकते हैं और मुझे लगता है कि अब हर कोई ऐसा करता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह हर समय काम करेगा। एक कोच, कप्तान या चयनकर्ता के रूप में आप किसी के बारे में तब तक कोई पक्की राय नहीं बना सकते हैं जब तक आप उन्हें दबाव में खेलते हुए नहीं देख लेते हैं।

सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2024 में मुंबई के लिए जड़ी सबसे तेज फिफ्टी, फटाफट क्रिकेट में पूरे किए 7 हजार रन

नई दिल्ली,12 अप्रैल ।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। चोट से उबरने के बाद सूर्या ने टी20 क्रिकेट में अपने 7,000 रन पूरे कर लिए हैं। आईपीएल 2024 के 25वें में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इस मुकाम को हासिल किया। सूर्या ने मैच के दौरान 31वें रन के साथ यह उपलब्धि हासिल की।

टी20 क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव आठवें भारतीय बल्लेबाज हैं। वह केवल विराट कोहली (12,310), रोहित शर्मा (11,200 प्लस), शिखर धवन (9,783), सुरेश रैना (8,654), एमएस धोनी (7,309), रॉबिन उथप्पा (7,272) और केएल राहुल (7,159) से पीछे हैं। वहीं, केवल पांच अन्य भारतीय बल्लेबाजों के नाम 6,000 से अधिक टी20 रन हैं।

जड़ी इस सीजन मुंबई के लिए सबसे तेज फिफ्टी

आरसीबी के खिलाफ सूर्यकुमार यादव ने इस सीजन मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज फिफ्टी जड़ी। सूर्या ने 17 गेंद पर अपना पचासा पूरा किया। आउट होने से पहले सूर्यकुमार ने 19 गेंद का सामना करते हुए 5 चौके और 4 छक्कों की मदद से 52 रन की तेज पारी खेली। सूर्या के नाम आईपीएल 3301 रन दर्ज हो चुके हैं।

आईपीएल में एमआई के लिए सबसे तेज 50 (गेंद का सामना)

- 16- ईशान किशन बनाम एसआरएच, 2021
- 17- पोलार्ड बनाम केकेआर, 2016
- 17- किशन बनाम केकेआर, 2018
- 17- पोलार्ड बनाम सीएसके, 2021
- 17- हार्दिक पांड्या बनाम केकेआर, 2019
- 17- सूर्यकुमार यादव बनाम आरसीबी, 2024

आकाशदीप के ओवर में जड़े 22 रन

सूर्यकुमार जब बल्लेबाजी करने तो अपने रंग में दिखे। दिल्ली के खिलाफ बिना खाता खोले आउट हुए सूर्यकुमार ने आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्या ने आरसीबी के तेज गेंदबाज आकाशदीप को निशाना बनाया। आरसीबी की तरफ से 11वां ओवर लेकर आए आकाशदीप के ओवर में सूर्या ने एक चौका और तीन सिक्स के साथ कुल 22 रन लिए।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में मिलकर कर सकते हैं काम, भारतीय सेनाओं की क्षमता बढ़ाने पर ऑस्टिन ने दिया जोर

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका ने भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाने पर बात की। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाकर दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति का अधिक स्थिर संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। वहीं

अमेरिका और भारत की सेनाएं अभियान गतिविधियों को तेज कर रहीं – ऑस्टिन ने सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को इस हफ्ते रक्षा मंत्रालय के वार्षिक बजट पर सांसदों की सुनवाई के दौरान बताया कि हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए अमेरिका और भारत की सेनाएं अभियान गतिविधियों को तेज कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की ताकत बढ़ाकर दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति का अधिक स्थिर संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बजट के इस अनुरोध के साथ हम अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका-भारत संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास में तेजी ला रहे - रक्षा सचिव ने कहा, हमारी सेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त अभ्यास, सूचना-साझाकरण और अन्य परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अमेरिका-भारत की बढ़ती साझेदारी हमारे सहयोगियों विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच चतुष्कोणीय सुरक्षा वार्ता का समर्थन करे।

वैश्विक रणनीतिक साझेदारी आवश्यक - हिंद-प्रशांत पर सांसदों की एक अलग सुनवाई के दौरान अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन सी एक्विलिनो ने सांसदों से कहा कि मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साल 2023 में अमेरिका-भारत ने इंडस एक्स शुरू किया और द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग और नवाचार को बढ़ाने के लिए अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप पूरा किया।

क्या है अमेरिका की हिंद प्रशांत महासागर रणनीति - अपनी हिंद प्रशांत महासागर रणनीति के तहत अमेरिका हिंद प्रशांत महासागर इलाके के विभिन्न देशों के तहत सुरक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। विभिन्न देशों को सैन्य तौर पर मजबूत किया जा रहा है। साथ ही क्वाड के तहत अमेरिका ने भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रणनीतिक साझेदारी भी बनायी है। इस पूरी कवायद को चीन को काउंटर करने और हिंद प्रशांत महासागर को मुक्त और समृद्ध रखने के तौर पर देखा जा रहा है। क्वाड के बाद अब अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एक सैन्य गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीयों की नाराजगी से घबराया मालदीव, अब पर्यटकों को लुभाने के लिए बनाई खास रणनीति

माले। भारत और मालदीव में इस साल की शुरुआत से विवाद बना हुआ है। दोनों देशों के बीच जारी तनाव का नुकसान कहीं न कहीं मालदीव को हो रहा है। यहां भारतीय पर्यटकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। ऐसे में मालदीव उन्हें फिर से लुभाने के लिए भारत के प्रमुख शहरों में रोड शो करेगा। यह घोषणा उसके प्रमुख पर्यटन निकाय मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स (माटाटो) ने की है। हालांकि, रोड शो किन शहरों में और कब कराया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं दी गई। भारतीय पर्यटकों की कमी से जूझने के बीच, माटाटो ने दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर यहां भारत के उच्चायुक्त मुनु महावर के साथ चर्चा की। भारत के बहिष्कार से मालदीव में विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ रहा है, विशेषकर पर्यटन पर, जो मालदीव की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह है मामला गौरतलब है, पीएम मोदी तीन जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे पर गए थे। उन्होंने छह जनवरी को वहां की खूबसूरती से जुड़ी तस्वीरें साझा कर कहा था, प्राकृतिक सुंदरता के अलावा लक्षद्वीप की शांति भी मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। इसके बाद लक्षद्वीप और मालदीव की तुलना होने लगी। इस पर मालदीव के कुछ मंत्रियों ने पीएम मोदी और भारत के खिलाफ अपमान टिप्पणी की थी। इस पर भारत के लोगों में गुस्सा भड़क गया और जमकर आलोचना की थी। ये आलोचना इस नौबत तक जा पहुंची कि सोशल मीडिया में हैशटैग बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड करने लगा था। बॉयकॉट के चलते मालदीव को भारी नुकसान हुआ। कई हस्तियों समेत भारतीयों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी थी। आंकड़ों से हुआ खुलासा आंकड़े दर्शाते हैं कि शीर्ष पर्यटक देश होने से भारत का स्थान जनवरी के बाद पहले पांचवें और अब छठे स्थान पर आ गया है।मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 10 अप्रैल तक, आने वाले कुल 6,63,269 पर्यटकों में से चीन 71,995 के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद यूनाइटेड किंगडम (66,999) दूसरे, रूस (66,803) तीसरे, इटली (61,379) चौथे , जर्मनी (52,256) पांचवें और भारत (37,417) छठे स्थान पर है। भारत के साथ सहयोग करना चाहता है मालदीव माले में भारतीय उच्चायोग में आयोजित एक बैठक में चर्चा के बाद, माटाटो ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पर्यटन पहल को बढ़ावा देने के लिए मालदीव में भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर सहयोग करने का इरादा व्यक्त किया है। माटाटो और भारतीय हाई कमिश्नर की बैठक के बाद जारी हुए बयान में कहा गया, भारतीय पर्यटकों को मालदीव भेजने के लिए प्रमुख भारतीय शहरों में व्यापक रोड शो शुरू करने और आगामी महीनों में इंफ्लूएंसर्स को मालदीव भेजने से जुड़ी योजना पर काम चल रहा है। मालदीव के लिए भारत एक महत्वपूर्ण टूरिस्ट मार्केट बयान में आगे कहा गया, भारत मालदीव के लिए एक महत्वपूर्ण टूरिस्ट मार्केट बना हुआ है। माटाटो का कहना है कि वे मालदीव को एक प्रमुख ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रमुख ट्रैवल एसोसिएशन और इस उद्योग से जुड़े लोगों के साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर है।

वाणिज्य दूतावास पर एयर स्ट्राइक के बाद बौखलाए ईरान की चेतावनी, अलर्ट पर इजराइल

यरुशलम । हमास-इजराइल जंग के बीच एक और युद्ध छिड़ता दिख रहा है। बताया जा रहा कि ईरान

इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इस चेतावनी को देखते हुए इजराइल अलर्ट पर था। दरअसल, हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। ईरान ने हमले का आरोप इजराइल पर लगाया है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। लड़ाकुओं को छुट्टी न देने का फैसला अमेरिका ने भी ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हमला किए जाने की चेतावनी दी है। हमले की संभावना को देखते हुए मध्य पूर्व तनाव बढ़ गया है। वहीं हाल ही में इजराइल ने अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और लड़ाकू इकाइयों को छुट्टी न देने का फैसला लिया। बाइडन ने दिया इजराइल का साथ ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल को अपना समर्थन दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा था, जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से कहा, ईरान और उसके सहयोगियों से इन खतरों से इजराइल की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। हम इजराइल की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। यह है मामला एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इजराइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

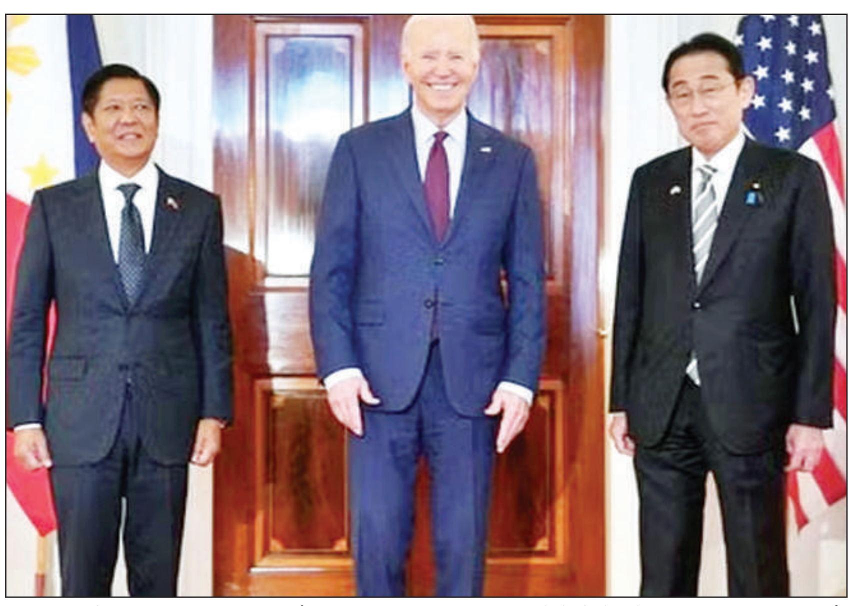

चीन की बढ़ेगी परेशानी, व्हाइट हाउस में फिलीपींस और जापान के राष्ट्राध्यक्षों से पहली बार एक साथ मिले बाइडन

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में फिलीपींस के राष्ट्रध्यक्षों से मुलाकात की। यह इन देशों के बीच पहली त्रिपक्षीय औपचारिक मुलाकात है। तीनों नेताओं की एकसाथ बैठक को चीन की बढ़ती चुनौती से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल जापान और फिलीपींस दोनों ही देशों का चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है।

चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने की तैयारी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में जापान के पीएम फुमियो किशिदा और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दिनांद मार्कोस जूनियर के साथ बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका, जापान और फिलीपींस की सुरक्षा के लिए समर्पित है। बाइडन ने कहा कि जब हम एकजुट होते हैं तो हम सभी के लिए सुनहरा भविष्य बनाने में सक्षम होते हैं। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब जापान का चीन के साथ सेनकाकु द्वीप को लेकर विवाद चल रहा है। वहीं फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है।

हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका लगातार साझेदारियां बना रहा है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अमेरिका ने क्वाड का गठन किया है। वहीं ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऑक्स का गठन किया है। अब फिलीपींस, जापान के साथ मिलकर अमेरिका ने एक नया त्रिपक्षीय गठबंधन तैयार किया है। तीनों नेताओं की बैठक में चीन के ताइवान और दक्षिण चीन सागर में आक्रामक रुख, उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु युद्ध की चुनौती और इसके रूस के साथ बढ़ते संबंधों पर चर्चा हुई।

फिलीपींस और चीन में है सीमा विवाद

फिलीपींस और चीन के बीच विवाद का कारण सेकंड थॉमस शोल इलाके को लेकर है। यह इलाका फिलीपींस के पलावन द्वीप के तट से करीब 200 किलोमीटर दूर है। फिलीपींस और चीन दोनों ही देश इस जगह अपना दावा करते हैं। साल 1990 में फिलीपींस ने यहां अपना एक जहाज तैनात किया था ताकि इस इलाके पर उसका अधिकार रहे। अब भी वह जहाज वहां तैनात है, लेकिन अब वह बेकार हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद अपने दावे को मजबूत रखने के लिए फिलीपींस ने जहाज पर अपने सैनिकों का एक छोटा दल तैनात किया हुआ है, जिन्हें फिलीपींस द्वारा राशन की सप्लाई की जाती है। बीते साल अक्तूबर में फिलीपींस का एक जहाज जब सेकंड थॉमस शोल में तैनात सैनिकों के लिए राशन की सप्लाई करने जा रहा था तो चीनी नौसेना के जहाजों ने फिलीपींस के जहाज को टक्कर मार दी और वाटर कैनन से फिलीपींस के जहाज पर हमला भी किया, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया।

गौरतलब है कि फिलीपींस और अमेरिका के बीच साल 1951 में एक संधि भी हुई थी, जिसमें किसी भी तीसरे देश के हमला करने पर दोनों देश एक दूसरे की मदद करेंगे। व्हाइट हाउस में हुई बैठक चीन की बढ़ती आक्रमकता को ही जवाब देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में अमेरिका ने जापान और फिलीपींस, दोनों देशों को चीन की आक्रामकता के खिलाफ साथ देने का आश्वासन दिया।

खुद पर विश्वास रखे अमेरिका

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिकी नेतृत्व इन दिनों विश्वास की कमी से जूझ रहा है और यह समस्या तब आ रही है, जब अमेरिकी नेतृत्व की सबसे ज्यादा जरूरत है। किशिदा ने कहा कि दुनिया को अमेरिका की जरूरत है कि वह विभिन्न देशों के मामलों में अहम भूमिका निभाता रहे। आज जब मैं यहां हूं तो मैं महसूस कर रहा हूं कि कुछ अमेरिकियों को ये पता ही नहीं है कि दुनिया में उनकी क्या भूमिका होनी चाहिए। किशिदा ने अमेरिका से अपील की कि वह खुद पर विश्वास रखे और वैश्विक मामलों में अपना दखल बरकरार रखे। किशिदा ने ये भी कहा कि आज जो यूक्रेन के साथ हो सकता है, कल वो पूर्वी एशिया में भी हो सकता है।

अमेरिकी कांग्रेस में उठा हिंदू मंदिरों पर हमले और हिंदूफोबिया का मामला, पूछा- जांच एजेंसियां क्या कर रहीं

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमले की घटनाओं और हिंदूफोबिया की कड़ी निंदा की गई है। इस प्रस्ताव को भारतीय मूल के कांग्रेसमैन श्री थानेदार ने पेश किया है। फिलहाल यह प्रस्ताव समीक्षा के लिए सदन की समिति के पास भेजा गया है। इससे पहले भारतीय मूल के सांसदों ने न्याय विभाग को चिट्ठी लिखकर भी हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों पर जवाब मांगा था।

हिंदू समुदाय को झेलना पड़ रहा पक्षपात

प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू अमेरिकी समुदाय ने अमेरिका की तरक्की में अहम योगदान दिया है, लेकिन इसके बावजूद इस वर्ग को पक्षपात का सामना करना पड़ता है। स्कूल-कॉलेजों में हिंदू अमेरिकी छात्रों को चिढ़ाया जाता है। साथ ही उन्हें पक्षपात, घृणा अपराध और पक्षपाती अपराध का सामना करना पड़ता है। एफबीआई की घृणा अपराध से संबंधित एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ घृणा अपराध की घटनाएं, मंदिरों पर हमले बढ़े हैं। प्रस्ताव के अनुसार, साल 1900 से दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हिंदू समुदाय के लोग अमेरिका आ रहे हैं और इनकी संख्या करीब 40 लाख है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था और प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र के विकास में इस समुदाय का अहम योगदान रहा है।

भारतीय मूल के सांसदों ने न्याय विभाग को लिखी थी चिट्ठी

बीते दिनों 29 मार्च को भारतीय अमेरिकी मूल के सांसद राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, थानेदार, एमी बेरा और प्रमिला जयपाल ने भी न्याय विभाग को पत्र लिखकर हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों की घटनाओं की जांच की जानकारी मांगी है। पत्र में कहा गया कि न्यूयॉर्क से कैलिफोर्निया तक मंदिरों पर हमले हुए हैं। जिससे अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय में डर और घबराहट का माहौल है। मंदिरों पर हमले के मामलों में जांच की प्रगति पर भी सांसदों ने नाराजगी जाहिर की और पूछा कि जांच एजेंसियों ऐसे मामलों से निपटने के लिए क्या कर रही हैं।

गाजा पर हमलों के लिए इजराइल ने एआई तकनीक का किया इस्तेमाल, रिपोर्ट में लगाए गए गंभीर आरोप

तेल अवीव,12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल सेना पर आरोप लगे हैं कि वह गाजा में हमले के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। एक रिपोर्ट में ये खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एआई तकनीक से हुए हमलों में बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत हुई। यह रिपोर्ट बीते हफ्ते प्रकाशित हुई है, जिसे इजराइली और फलस्तीनी पत्रकारों द्वारा संचालित की जाने वाली एक मैग्जीन में प्रकाशित किया गया है।

रिपोर्ट में किए ये दावे

इस रिपोर्ट में इजराइली खुफिया एजेंसी के छह अनाम सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जिस एआई सिस्टम का इस्तेमाल इजराइली सेना द्वारा किया जा रहा है, उसे लैवेंडर के नाम से जाना जाता है। लैवेंडर के साथ ही कई अन्य एआई सिस्टम का भी इस्तेमाल टारगेट को पहचानने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई सिस्टम की मदद से कई संदिग्ध आंतकियों की पहचान की गई और उन्हें निशाना बनाया गया। जब इन संदिग्धों को निशाना बनाया गया तो रिपोर्ट में दावा है कि उस वक्त कई अपने घरों में मौजूद थे। इससे हमलों में आम नागरिकों की मौतें हुईं।

इजराइली सेना ने किया आरोपों से इनकार

हालांकि इजराइली सेना ने इन दावों को खारिज कर दिया है। इजराइली सेना का कहना है कि आतंकियों को पहचानने में किसी एआई तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि लैवेंडर कोई एआई सिस्टम नहीं है बल्कि सिर्फ एक डाटाबेस है, जिसका इस्तेमाल खुफिया सूचनाओं की पुष्टि के लिए होता है। हालांकि साल 2021 में इजराइली मीडिया की खबरों में बताया गया था कि इजराइली सेना में एआई तकनीक का इस्तेमाल शुरू हो गया है।

लोकसभा चुनाव के बीच विदेश सचिव विनय क्वात्रा अमेरिका दौरे पर, कई अहम बैठकों में हुए शामिल

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा अमेरिका के दौरे पर हैं। अमेरिका दौरे पर विनय क्वात्रा अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योगपतियों से मिले। विनय क्वात्रा का अमेरिका दौरा दोनों देशों के संबंधों को रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में और मजबूत करने के उद्देश्य से हो रहा है। विनय क्वात्रा ने अमेरिका के स्टेट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसोर्स विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी रिचर्ड वर्मा से मुलाकात की।

उद्योगपतियों से भी विदेश सचिव ने की मुलाकात

इनके अलावा भारतीय विदेश सचिव ने अमेरिका के विदेश विभाग के उप-सचिव कर्ट कैंपबेल से भी मुलाकात की। रिचर्ड वर्मा ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय विदेश सचिव के साथ भारत-अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने, दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर

बातचीत हुई। क्वात्रा ने यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल के एक कार्यक्रम में भी शिरकत की, जिसमें उन्होंने काउंसिल के चीफ और नैस्डेक के वाइस चेयरमैन एड नाइड से मुलाकात की। दोनों के बीच निवेश, इनोवेशन और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात हुई।

मीडिया की सुर्खियों से दूर है विनय क्वात्रा का अमेरिका दौरा

विनय क्वात्रा अमेरिका में वहां की सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मिल रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बीच क्वात्रा का यह अमेरिका दौरा मीडिया की सुर्खियों से दूर है। पीएम मोदी के बीते साल जून में हुए अमेरिका दौरे के बाद दोनों देशों के रिश्तों में बीते दिनों उस वक्त तल्खी आई, जब अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश में भारतीय नागरिक पर आरोप लगे। वहीं बीते दिनों दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर अमेरिका ने बयान जारी किया था, जिस पर भारत ने नाराजगी जताई थी।

अमेरिका के रक्षा विभाग के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर का कहना है कि भारत, अमेरिका का अहम सहयोगी है और दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत होने चाहिए। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी सीनेट की रक्षा मामले की समिति को बताया कि बाइडन प्रशासन में भारत-अमेरिका के संबंधों का नया अध्याय शुरू हुआ है। दोनों देशों में संयुक्त युद्धाभ्यास, जानकारी का आदान-प्रदान और मेरीटाइम सिक्योरिटी को लेकर साझेदारी मजबूत हुई है।

ईरान की धमकी के बाद अमेरिका ने इन देशों से की बात, कहा- मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हमास-इजराइल जंग के बीच एक और युद्ध छिड़ता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि ईरान इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। हालांकि, अमेरिका लगातार इस बात पर जोर दे रहा कि मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं होगा। दरअसल हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। ईरान ने इसका आरोप इजराइल पर लगाया है। इसी हमले के जवाब में ईरान, इजराइल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं

ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है। इसको देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पिछले 24 घंटों में अपने तुर्की, चीनी और सऊदी समकक्षों से बात की और स्पष्ट किया तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं है।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि क्षेत्र में तनाव बढ़ने के खतरे के बारे में वाशिंगटन चिंतित है, विशेष रूप से ईरान द्वारा इजराइल को दी गई धमकियों के बाद। वहीं, ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड कैमरन ने भी कहा कि उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष से बात की और यह स्पष्ट कर दिया था कि ईरान को मध्य पूर्व को संघर्ष में नहीं खींचना चाहिए।

आगे के हमलों को रोकने के लिए काम हो

उन्होंने कहा, आज मैंने विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियान से बात की और स्पष्ट कर दिया कि ईरान को मध्य पूर्व को संघर्ष में नहीं खींचना चाहिए। मैं गलत अनुमान के कारण आगे की हिंसा की संभावना के बारे में गहराई से चिंतित हूं। ईरान को इसके बजाय तनाव कम करने और आगे के हमलों को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने किसी भी हमले का सख्त जवाब देने का संकल्प लिया है। इसको देखते हुए इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन को फोन किया और ईरान द्वारा हमला किए जाने की संभावना की तैयारियों पर चर्चा की। गैलेंट ने सोशल मीडिया पर कहा, इजराइल और अमेरिका के बीच सुरक्षा सहयोग शक्तिशाली है। इससे पहले, ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल को अपना समर्थन दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से कहा, ईरान और उसके सहयोगियों से इन खतरों से इजराइल की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। बाइडन ने यहां आए जापानी प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो के साथ व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इजराइल की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

ईरान ने दी थी धमकी

ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए ताकि वह हमले की चपेट में न आ जाए। जमशीदी ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना न बनाए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में अपने ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। बीते दिनों सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरानी सेना के एक वरिष्ठ जनरल समेत 13 लोग मारे गए थे। ईरान इस हमले का आरोप इजराइल पर लगा रहा है, लेकिन इजराइल ने आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पश्चिम एशिया में लड़ाई बढ़ने की बढ़ी आशंका

इजराइल द्वारा काफी दिनों से सीरिया में ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमला किया जा रहा था, लेकिन ताजा हमला अपने आप में पहला है, जिसमें ईरानी दूतावास को निशाना बनाया गया। ईरानी दूतावास पर हमले में हिजबुल्ला के लड़ाके भी मारे गए हैं। अब हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्ला ने बीते कहा था कि बेशक ईरान जवाब देगा। लेकिन उन्होंने कहा था कि हिज्बुल्ला इसमें कोई दखल नहीं देगा। इजराइल हमास युद्ध के बीच ईरान द्वारा इजराइल पर हमले की तैयारी से संघर्ष के पश्चिम एशिया के बड़े इलाके में फैलने का डर भी पैदा हो गया है। हाई अलर्ट पर इजराइल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में कई जगहों पर नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिया गया है।

आज खरमास खत्म, फिर गूंजेगी शहनाइयां

14 अप्रैल को सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद 18 तारीख से फिर शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। खरमास खत्म होते ही विवाह, देव प्रतिष्ठा, नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य 14 अप्रैल के बाद शुरू हो गए हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 14 मार्च से लगे खरमास की समाप्ति 13 अप्रेल को रही है। जिसके बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास यानी मीन महीना खत्म हो गया है। इससे पहले 14 मार्च को सूर्य के मीन राशि में आने के बाद मीन मास चल रहा था। खरमास होने के कारण पिछले एक महीने से हर तरह के मांगलिक कामों पर रोक लगी हुई थी। लेकिन अब इनके लिए मुहूर्त रहेंगे। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि जब सूर्य मीन राशि में रहता है तब इन दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं करने चाहिए। इस दौरान सिर्फ जप, तप और स्नान-दान करना चाहिए।

गृह प्रवेश विवाह और शुभ काम

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि खरमास यानी मीन मास खत्म हो जाने से 16 संस्कार और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ दिन में अन्नप्राशन, नामकरण, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। सूर्य के मेष राशि में आते ही गृह प्रवेश और विवाह के भी मुहूर्त रहेंगे। अब देवगुरु बृहस्पति भी खुद की राशि यानी मीन में आ गए हैं। जिससे हर मांगलिक कामों में गुरु का बल और बढ़ जाएगा।

अप्रेल 2024 में शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त

अप्रैल में शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यों के लिए केवल 10 दिन ही मिलेंगे। 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 और 28 अप्रेल विवाह के लिए बेहद ही शुभ हैं।

मई और जून 2024 में अस्त रहेंगे गुरु-शुक्र

18 अप्रैल को पहला विवाह मुहूर्त

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विवाह मुहूर्त में गुरु और शुक्र अस्त का भी विचार किया जाता है। अच्छा शुक्र भोग विलास का नैसर्गिक कारक है और दांपत्य सुख को दर्शाता है। वहीं, गुरु कन्या के लिए पति सुख का कारक है। दोनों ग्रहों का शुभ विवाह हेतु उदय होना शास्त्र सम्मत है, विवाह के लिए शुक्र व गुरु ग्रह का उदित रहना जरूरी है। दोनों ग्रह विवाह के कारक हैं। इनके अस्त रहने पर विवाह नहीं होते हैं। 23 अप्रैल 2024 को शुक्र ग्रह दोपहर में अस्त हो जाएगा, जो 29 जून तक अस्त रहेगा। 6 मई से गुरु ग्रह भी अस्त हो जाएगा, जो 2 जून को उदित होगा, परंतु शुक्र अस्त ही रहेगा इस कारण से मई व जून माह में विवाह की शहनाई नहीं बजेंगी। सर्वाधिक मुहूर्त फरवरी में 20 दिन रहेंगे। सबसे कम 5- 5 दिन अप्रैल व अक्टूबर में होंगे।

इससे पहले 2000 में हुआ था ऐसा

इससे पूर्व वर्ष 2000 में भी मई व जून मे शुक्र व गुरु ग्रह के अस्त रहने पर विवाह मुहूर्त नहीं थे। इससे भी पहले 1996 में मई से जुलाई के बीच इन तीन माह में केवल 5 दिन मुहूर्त निकले थे।

10 मई अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार सालभर में कुछ ऐसी तिथियां और दिन होते हैं जिनमें बिना विचार किए शुभ काम कर सकते हैं। इन मुहूर्त में किए गए काम हमेशा शुभ फल देने वाले होते हैं। मीन मास खत्म होते ही पहला अबूझ मुहूर्त अक्षय तृतीया 10 मई को रहेगा। इस दिन गृह प्रवेश, संपत्ति एवं वाहन खरीदी, विवाह, वाग्दान यानी सगाई, रोका, मुंडन, यज्ञोपवित सहित अन्य शुभ संस्कार किए जा सकते हैं। इनके साथ ही नौकरी, बिजनेस या किसी शुभ काम की शुरुआत भी की जा सकती है।

विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त

विवाह और सगाई जैसे मांगलिक कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त को शुभ माना जाता है। अगर किसी के विवाह की तारीख नहीं निकल पा रही है या फिर किसी कारण से शुभ मुहूर्त वाले दिन विवाह करना संभव ना हो तो अबूझ मुहूर्त में भी विवाह किया जा सकता है। धर्मग्रंथों के अनुसार अक्षय तृतीया, बसंत पंचमी और देव प्रबोधिनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त माना गया है।

आईए जानते है वर्ष 2024 के शुभ मुहूर्त

अप्रैल: 18 से 22,23, 24, 25, 26 और 28 अप्रेल (10 दिन)

जुलाई: 3,9 से 15 (8 दिन)

अक्टूबर: 3,7,17,21,23,30 (6 दिन)

नवंबर: 16 से 18, 22 से 26,28 (9 दिन)

दिसंबर: 2 से 5, 9 से 11, 13 से 15 (10 दिन)

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।

नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की चाहिए कृपा तो जान लें इस दिन की पूजा, मंत्र और विधि

इस साल चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 9 अप्रैल से हो रही है । नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। मां के 5वें स्वरूप का यह नाम उन्हें भगवान कार्तिकेय से मिला है। ऐसा माना जाता है कि माता के इस ममतामयी रूप की पूजा अर्चना से बुद्धि और विवेक में वृद्धि होती है। ऐसे में इस दिन की पूजा विधि, मंत्र, कवच आइए जानते हैं-

मां स्कंदमाता के इस स्वरूप की बात करें तो, इनकी चार भुजाएं हैं। मां ने अपनी दाएं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद अर्थात् कार्तिकेय को गोद में लिया हुआ है। इसी तरफ वाली निचली भुजा के हाथ में कमल का फूल है।

बाईं ओर की ऊपर वाली भुजा में वरद मुद्रा है। नीचे दूसरा श्वेत कमल का फूल लिया हुआ है। स्कंदमाता सिंह की सवारी करती हैं। हमेशा कमल के आसन पर विराजे रहने के कारण इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है।

चैत्र नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा के लिए सुबह उठकर स्नान कर लें। फिर पीले रंग के वस्त्र धारण करके पूजा के लिए बैठे।

हाथ में लाल फूल लेकर देवी स्कंदमाता का ध्यान करें। देवी को अक्षत, धूप, इत्र, फूल, बताशा, पान, सुपारी, लौंग अर्पित करें।

मां के सामने धूप-दीप जलाएं। इसके बाद मां का पसंदीदा भोग केला उनको अर्पित करें।

मां की आरती कर, शंख बजाएं और मंत्रों का जाप करें। नवरात्रि के पांचवें दिन महिलाएं लाल वस्त्र में सुहाग की सभी सामग्री, अक्षत समेत लाल फूल मां को अर्पित करें।

स्कंदमाता की पूजा में धनुष बाण अर्पित कर सकते हैं। इसका विशेष महत्व माना गया है। इसके बाद माता की आरती करके फल, मिठाई इत्यादि का भोग लगाकर प्रसाद वितरण करें।

मां स्कंदमाता के पूजा मंत्र

चैत्र नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा में उनके इन मंत्रों का जाप करने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और संतान की प्राप्ति होती है।

या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
ॐ स्कन्दमात्रै नमः।।'
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।
ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः।।

मां स्कंदमाता देवी कवच

मां स्कंदमाता का यह कवच मंत्र बहुत शक्तिशाली है। चैत्र नवरात्रि में स्कंदमाता के इस कवच मंत्र के जाप से दीर्घायु और संतान की प्राप्ति होती है साथ ही जीवन से दुःख-दरिद्रता दूर हो जाती है।

ऐं बीजालिंकादेवी पदयुग्मधरापरा।
हृदयंपातुसा देवी कातिकययुता।।
श्रींहीं हुं ऐं देवी पूर्वस्यांपातुसर्वदा।
सर्वांग में सदा पातुस्कन्धमातापुत्रप्रदा।।
वाणवाणामृतेहुं फट् बीज समन्विता।
उत्तरस्यातथाग्नेचवारूणेनेत्रतेअवतु।।
इन्द्राणी भैरवी चैवासितांगीचसंहारिणी।
सर्वदापातुमां देवी चान्यान्यासुहि दिक्षवै।।

भारत के प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर और उसका इतिहास

शीतला माता भारतीय परंपरा में एक प्रसिद्ध देवी हैं, जिन्हें मां शीतला, शीतला देवी या मां शीतला माता के रूप में भी जाना जाता है। वे मान्यता हैं कि शीतला माता गरीबी, अस्वच्छता, और बीमारियों की रक्षा करती हैं। वे अपने भक्तों को बीमारियों से रक्षा करती हैं और स्वस्थता, सुरक्षा, और समृद्धि की कामना की जाती है। शीतला माता की पूजा भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में विविधता से मनाई जाती है। वे विशेष रूप से उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, और बिहार में प्रसिद्ध हैं। शीतला माता की

पूजा का अवसर हर साल चैत्र मास के चैत्र नवरात्रि के दौरान मनाया जाता है। इस अवसर पर भक्त उन्हें समर्पित करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उनकी मंदिरों में पूजा की जाती है और भक्तों की मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए व्रत रखा जाता है। शीतला माता के प्रति भक्ति और आराधना में विश्वास किया जाता है कि वे अपने भक्तों को स्वस्थ और सुरक्षित रखती हैं। उनकी महिमा में भक्तों की अद्वितीय विश्वासशक्ति है, जो उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करने में मदद करती है। शीतला माता को माता शीतला के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में देवी का एक रूप है। उन्हें चेचक और अन्य बीमारियों की देवी माना जाता है। शीतला माता को समर्पित भारत के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में जानते हैं।

* हरियाणा के कुरुक्षेत्र में शीतला माता मंदिर है यह मंदिर शीतला माता का सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। माना जाता है कि यह मंदिर 1000 साल पुराना है।
* गुड़गांव में शीतला माता मंदिर है, जो हरियाणा राज्य का एक शहर है। यह मंदिर भी शीतला माता का प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। माना जाता है कि यह मंदिर 500 साल पुराना है।
* राजस्थान के पाली का शीतला माता मंदिर भी एक प्राचीन मंदिर है। माना जाता है कि यह मंदिर 800 साल पुराना है। मान्यता है कि यहां सभी के दुख दर्द केवल दर्शन मात्र से दूर हो जाते हैं।
* ग्वालियर, मध्य प्रदेश में शीतला माता मंदिर 300 साल पुराना माना जाता है। यहां आप जब भी जाएंगे आपको भक्तों का तांता लगा मिलेगा। किसी भी दिन वार को आप यहां देवी के दर्शन करने जा सकते हैं।
* जोधपुर, राजस्थान में शीतला माता मंदिर भी भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। माना जाता है कि यह मंदिर 200 साल पुराना है और जो भी यहां जाकर अपने मन की बात करता है उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

इन मंदिरों में हर साल शीतला अष्टमी के त्योहार पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। शीतला अष्टमी का त्योहार चैत्र महीने के अष्टमी को मनाया जाता है। इस दिन भक्त शीतला माता की पूजा करते हैं और उनसे अपनी बीमारियों और कष्टों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं।

लड्डू गोपाल को इन चीजों से कराएं स्नान, जानें भोग लगाते समय क्या करें और क्या न करें

कैसे लगाएं लड्डू गोपाल को भोग :

बाल गोपाल के कई रूप निराले हैं, वहीं कई लोग उनके बाल स्वरूप को लड्डू गोपाल भी कहते हैं। कई परिवारों में तो लड्डू गोपाल को परिवीर के सदस्य की तरह ही माना जाता है और उनकी सेवी की जाती है। लेकिन क्या आप जानते है इनको घर में रखने के कई नियम होते हैं जिनका पालन किया जाए तो घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। दरअसल, लड्डू गोपाल की सेवा-पूजा से लेकर उन्हें स्नान कराने, सुलाने, उठाने और भोग लगाने से जुड़ी कई महत्तवपूर्ण बातें शास्त्रों में बताई गई हैं। ठीक इन कार्यों को करने के दौरान बोले जाने वाले मंत्रों का भी उल्लेख मिलता हैं।

लड्डू गोपाल को कराएं इन चीजों से स्नान

* गोपी चंदन लड्डू गोपाल को अति प्रिय है। ऐसे में आप लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन से स्नान कराएं। अगर आप गोपी चंदन से स्नान करवाते है तो उससे बाल गोपाल प्रसन्न रहते हैं।
* लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग करें। केसर से स्नान कराने से उनका मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में खुशहाली का आगमन होता है।
* रोजाना पंचामृत से स्नान कराने पर मनाही है। बता दें कि पंचामृत से स्नान सिर्फ मंदिरों में करवाया जाता है। घर में लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान सिर्फ किसी उत्सव या जन्माष्टमी के मौके पर ही करवाना चाहिए।

जाने भोग लगाते समय किस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए -

जब आप बाल गोपाल को भोग लगाएं तो उस समय इस मंत्र का उच्चारण करें ' त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाणे सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।। आपको इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र का अर्थ है कि मेरे पास जो भी है भगवान वो सब आपने ही दिया है और अब मैं उसी को भोग के रूप में आपको अर्पित कर रहा हूं। इसे ग्रहण करें और अपनी कृपा मुझ पर बनाएं रखें। जब आप भोग लगा रहे हो तब इस मंत्र का उच्चारण करें और फिर मंदिर में पर्दा कर दें और वहां से हट जाएं। ऐसा कहा जाता है कि लड्डू गोपाल राधा रानी के भोग पाते हैं।

कुंडली में शनि की इस दशा के होने पर बढ़ने लगते हैं खर्चे

सनातन धर्म में शनिदेव को न्याय के देवता माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, शनि देव व्यक्ति को उसके कर्मों के आधार पर पुरस्कार या दंड देते हैं। इसलिए शनि देव को कर्मफल दाता भी कहा गया है। ज्योतिष शास्त्र में शनि की एक ऐसी दशा का वर्णन किया गया है, जिसके कारण व्यक्ति अधिक खर्च करने लगता है। आइए जानते हैं उस दशा के बारे में और इससे बचाव के उपाय।

आती हैं ये दिक्कतें

ज्योतिष शास्त्र की मानें, तो जब किसी जातक की कुंडली में शनि ग्रह बैठता है, तो वह उसमें काफी लंबे समय तक रहते हैं। चार चरण पूरे करने के बाद ही वह राशि से हटते हैं। ऐसे में जातक को शनि दोष, साढ़े साती और ढैय्या, आदि का सामना करना पड़ता है।

जिस कारण व्यक्ति की आर्थिक पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कुंडली में साढ़ेसाती लगने पर जातक को स्वास्थ्य, वित्त और करियर संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विवाह में भी अड़चनें आदि आने लगती हैं। वहीं बेवजह के खर्चे भी बढ़ने लगते हैं।

करें ये उपाय

शनि दोष से बचने के लिए आपको शनिवार के दिन शनिदेव पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही शनिवार को शाम के समय पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं और वृक्ष की 21 बार परिक्रमा करें। ऐसा करने से से व्यक्ति शनि की साढ़े साती और ढैय्या के बुरे प्रभाव से बच सकता है।

जानिए कैसे करें बचाव

ऐसे करें बचाव

शनि के दोष को कम करने के लिए घोड़े की नाल से छल्ला बनवाकर बीच की अंगुली में धारण करना चाहिए। इसके साथ ही जरूरतमंद और गरीब लोगों को अनाज, वस्त्र आदि चीजों का दान करना चाहिए। आप शनिवार के दिन उड़द की खिचड़ी का भी बांट सकते हैं।

बनी रहेगी शनि देव की कृपा

शनिवार के दिन भगवान हनुमान की पूजा करने के बाद हनुमान चालीसा का पाठ भी जरूर करें। ऐसा करने से आप शनि के बुरे प्रभावों से बच सकते हैं। इसके साथ ही शनिवार के दिन भगवान शिव को काले तिल चढ़ाएं और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ अवश्य करें। ऐसा करने से शनि की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है।

नेपोटिज्म की वजह से राशा थडानी को मिली पहली फिल्म!

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस रहीं रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी भी अब खूब चर्चा में रहती हैं। खूबसूरती के मामले में भी राशा बॉलीवुड एक्ट्रेसेस को मात देती हैं। वहीं अब राशा भी बॉलीवुड की हीरोइन बनने जा रही हैं। राशा पिछले कुछ समय अपनी डेब्यू फिल्म को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। वो जल्द ही अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन संग एक एडवेंचर मूवी में नजर आने वाली हैं। इस बीच राशा ने अपने ऑडिशन को लेकर बात की है।राशा थडानी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी हैं। वो खुद अपनी मां की तरह एक अदाकार बनना चाहती हैं। ऐसे में अब वो जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने वाली है। हर किसी की तरह राशा को भी पहली फिल्म के लिए ऑडिशन देना पड़ा था। लेकिन उनका ऑडिशन अच्छा नहीं गया था, लेकिन इसके बावजूद राशा को फिल्म में कास्ट किया गया। राशा ने खराब ऑडिशन होने के बाद भी फिल्म मिलने की वजह भी बताई है। राशा थडानी ने कहा कि अभिषेक कपूर एक ऐसे डायरेक्टर हैं जो ऐसे ही किसी को भी कास्ट नहीं करते हैं। पहले उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत और सारा अली खान का डेब्यू कराया था। राशा ने खुलासा किया था अभिषेक कपूर के लिए वो काफी खराब थीं। लेकिन इसके बावजूद अभिषेक ने उन्हें कास्ट किया जिसके लिए वो उनकी बहुत शुक्रगुजार हैं। राशा ने कहा कि –शायद अभिषेक कपूर ने उनमें कुछ ऐसा जरूर देखा होगा इसलिए ही उन्हें एक मौका दिया। अभी तक राशा थडानी और अमन देवगन की फिल्म का टाइटल अनाउंस नहीं हुआ है। लेकिन ये पक्का है कि इस फिल्म में उनकी जोड़ी अमन देवगन संग बनेगी। वहीं फिल्म में अजय देवगन भी मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे। बता दें कि राशा थडानी 19 साल की हो चुकी है। कई स्टारकीड्स की तरह राशा ने भी अपनी स्कूलिंग धीरूभाई अंबानी इंटरनेशन स्कूल से की है। राशा भी आर्यन, सुहान की तरह पॉपुलर स्टारकिड्स में शामिल हैं। राशा अक्सर अपनी मम्मी रवीना टंडन के साथ स्पॉट की जाती हैं। रवीना की तरह ही राशा भी काफी खूबसूरत हैं। लेकिन एक्टिंग के मामले में भी वो अपनी मां को टक्कर दे पाएंगी ये उनकी पहली फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

1-2 साल नहीं, सिर्फ चार घंटे में कादर खान ने लिख डाली थी जया बच्चन की इस फिल्म की कहानी

बॉक्स ऑफिस पर बनी नोट छापने वाली मशीन

कादर खान उन उम्दा फनकारों में से एक हैं जिन्हें लोग एक बेहतरीन कलाकार के रूप में जानते हैं। रोल विलेन का हो या कॉमेडियन का हो। कादर खान ने अपने अभिनय से हर रोल में जान फूंकी है। उनकी एक्टिंग के कद्रदान, ऐसे बहुत से लोग हैं जो ये नहीं जानते कि डायलॉग बोलने में माहिर ये कलाकार डायलॉग लिखने में भी एक्सपर्ट था। कादर खान ने करीब 3 सौ मूवीज में काम किया और करीब 200 मूवीज के लिए डायलॉग लिखे। इसमें से एक मूवी तो ऐसी थी जिसके लिए कादर खान ने बमुश्किल चार घंटे लिए थे और बेहतरीन डायलोग तैयार किए थे। जिनके दम पर ये मूवी भी सुपर डुपर हिट रही थी।

पहली बार लिखे फिल्म के डायलॉग

ये फिल्म थी साल 1972 में रिलीज हुई मूवी जवानी दीवानी। जिसमें लीड रोल में दिखे थे रणधीर कपूर और जया भादुड़ी। एक इंटरव्यू में कादर खान ने खुद बताया था कि फिल्म के लिए डायरेक्टर नरेंद्र बेदी उनके पास आए और डायलॉग लिखने के लिए कहा। उस वक्त कादर खान प्ले किया करते थे। पहले तो वो इसके लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन नरेंद्र बेदी के कहने पर उनके ऑफिस पहुंचे और फिल्म की स्क्रिप्ट ली। इस स्क्रिप्ट को लेकर कादर खान मरीन ड्राइव पर चले गए और फिल्म के लिए डायलोग लिखे।

डायरेक्टर ने सीने से लगाया

कादर खान स्क्रिप्ट लेकर गए और सिर्फ तीन घंटे में ही वापस लौट आए। पहले तो उन्हें देखकर डायरेक्टर नरेंद्र बेदी को लगा कि शायद कादर खान डायलोग लिखने के मूड में नहीं है। लेकिन जैसे ही उन्होंने उनकी तरफ कागज बढ़ाए वो हैरान रह गए। उन्होंने फिल्म के डायलोग पढ़े और फिर उठ कर कादर खान को गले से लगा लिया। बकौल कादर खान, वो उनकी जिंदगी का यादगार लम्हा था। जो उन्हें सिने जगत के शीर्ष तक ले गया। जिसे वो खुद कभी भुला नहीं सके। उनके डायलॉग के दम पर इस रोमांटिक मूवी ने जबरदस्त कमाई भी कर डाली।

मधुबाला की बायोपिक फिल्म का ऐलान, जसमीत के.रीन करेंगी निर्देशन

पिछले काफी समय में कई महान हस्तियों की जिंदगी को पर्दे पर उतारा जा चुका है। अब इस लिस्ट में हिन्दी की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला का नाम भी शुमार हो गया है। लंबे समय से इस मधुबाला की बायोपिक को लेकर चर्चा बनी हुई है। अब आखिरकार मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म का ऐलान कर दिया है। इसी के साथ अब फिल्म के लिए काफी उत्सुकता बढ़ गई हैं।मधुबाला की फिल्म के निर्देशन की कमान जसमीत के.रीन संभालने वाली हैं, जो इससे पहले आलिया भट्ट और विजय वर्मा की फिल्म डार्लिंग्स को भी डायरेक्ट कर चुकी है।इस बायोपिक का ऐलान सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और ब्रूइंग थॉट्स प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। उन्होंने इस फिल्म के लिए ब्रीइंग थॉट्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मधुबाला वेंचर्स से हाथ मिलाया है। मधुबाला की बायोपिक का ऐलान करते हुए सोनी पिक्चर्स ने लिखा, रोमांचक समाचार! हम शालीनता और प्रतिभा की प्रतीक महान मधुबाला के सम्मान में अपनी आगामी फिल्म की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित सितारों में से एक के महान आकर्षण और मनोरम कहानी को जानने के लिए तैयार हो जाइए। अपडेट के लिए जुड़े रहें।फिलहाल इस बात का ऐलान नहीं किया गया है कि फिल्म में मधुबाला का किरदार कौन सी एक्ट्रेस पर्दे पर उतारने वाली है। वहीं, अब फिल्म के ऐलान के साथ इसके लिए उत्सुकता भी काफी बढ़ गई हैं। बता दें कि पिछले दिनों खबर आई थी कि फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, मधुबाला की बायोपिक बनाने जा रहे हैं, हालांकि, बाद में मधुबाला की बहन मधुर बृज भूषण ने इसे खारिज करते हुए बताया था कि उन पर एक अन्य फिल्म बनाई जा रही है।

उर्फी जावेद ने ईद पर पहनी ट्रांसपेरेंट बलून फ्रॉक

एक्स बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट और टीवी सीरियल अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने यूनिक ड्रेसेस की वजह से एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में खलबली मचा देती हैं। अदाकारा उर्फी जावेद की सामने आईं तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही तहलका मचाने लगती हैं। अदाकारा की इन बोल्ड तस्वीरों पर फैंस भी जमकर कमेंट्स करते हैं। अब हाल ही में अदाकारा उर्फी जावेद ने ईद के मौके पर बेहद यूनिक बलून ड्रेस पहनी। जिसे देख लोग हैरान रह गए। इस बलून जैसी दिखने वाली यूनिक सिलिकॉन ड्रेस में एक्ट्रेस उर्फी जावेद सही से चल भी नहीं पा रही थीं। अदाकारा की ये तस्वीरें देख लोग भी उनकी हिम्मत की दाद देते दिखे।अदाकारा उर्फी जावेद को देखते ही वहां पैपराजी उमड़ पड़े। मगर इस दौरान अदाकारा उर्फी जावेद के चेहरे पर काफी थकान और चिड़चिड़ापन देखने को मिला।हालांकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो एक्ट्रेस की ये तस्वीरें देखते ही उन्हें बुरी तरह से ट्रोल करने लगे। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लोगों ने ट्रोल करते हुए लिखा, 'ये भी कोई फैशन है।' तो एक यूजर ने लिखा, 'ईद का तो ख्याल रखतीं।'बावजूद इसके उर्फी जावेद ने इस दौरान ढेर सारी तस्वीरें क्लिक करवा लीं। अदाकारा ने इस दौरान पैपराजी से बात करते हुए बताया कि ये ड्रेस सिलिकॉन से बनी है। साथ ही एक्ट्रेस ने दुख जताते हुए कहा कौन भला ऐसी ड्रेस पहनता है।अदाकारा उर्फी जावेद ने पैपराजी से बात करते हुए इस ड्रेस को पहनने में अपनी नाराजगी और परेशानी जाहिर की। जिसे देख उनके ट्रोल्स की भी बोलती बंद हो गई है।अदाकारा उर्फी जावेद को अपने ग्लैमर लुक्स को बनाए रखने के लिए ढेर सारी मुश्किलें भी झेलनी पड़ती हैं। इस सिलिकॉन से बनी बलून फ्रॉक में एक्ट्रेस किसी गुड़िया से कम नहीं लगीं।हालांकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अदाकारा उर्फी जावेद के डाई हार्ड फैन हैं। अदाकारा की इन तस्वीरों पर उनके फैंस उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफें करते दिखे।

5 स्टार होटल जैसे घरों में रहते हैं 'द फैमिली मैन 3' के स्टार्स

मनोज बाजपेयी ने तो खरीद रखा है 10 करोड़ का महल!

बॉलीवुड के धांसू एक्टर मनोज बाजपेयी की अपकमिंग स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज 'द फैमिली 3' का अच्छा खासा बज बना हुआ है। साल 2019 में इसका पहला पार्ट सामने आया था, जिसे लोगों ने भरपूर प्यार दिया। इसके बाद साल 2021 में द फैमिली 2 ने लोगों को जमकर एंटरटेन किया है। अब लोग इसके तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच द फैमिली मैन 3 की स्टार कास्ट को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि वे आलीशान घरों में रहते हैं। बॉलीवुड स्टार मनोज ने मुंबई में अपना आलीशान आशियाना बसाया हुआ है। साल 2007 में मनोज ने ओबरोय टावर लोखंडवाला में घर खरीदा था। यह घर काफी आलीशान है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मनोज बाजपेयी के इस घर की कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। मनोज बाजपेयी का ये ड्रीम हाउस सभी मॉर्डन सुविधाओं से लेस हैं। सामने आई इस तस्वीर में मनोज बाजपेयी अपनी पत्नी और बेटी के साथ चिल करती नजर आ रहे हैं। बता दें कि मनोज इसी रूम में अपने खास लोगों के साथ टाइम स्पेंड करते हैं। सामने आई इस तस्वीर में एक्ट्रेस प्रियामणि अपने पूजा रूम में नजर आ रही हैं। उन्होंने इस जगह को काफी अच्छे तरह से सजाया है। बता दें कि द फैमिली मैन में प्रियामणि ने मनोज बाजपेयी की पत्नी का रोल निभाया है। बता दें कि शरद केळकर कभी किराए के मकान में रहते थे लेकिन आज मंबई में शरद ने अपना खुद का घर खरीद लिया है, जो कि बेहद आलीशान है।

अपनी वाइफ संग इस रूम में क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हैं शरद

सामने आई इस तस्वीर में शरद केळकर, अपनी वाइफ के साथ नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो खाली समय में शरद इस रूम में अपनी वाइफ के साथ समय बिताते हैं।

सामंथा रुथ प्रभु

साउथ की एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 में नजर आई थीं। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु ने कुछ सालों पहले ही मुंबई में एक सी फेसिंग घर खरीदा था, जिसकी कीमत करोड़ों में हैं।

जल्द रिलीज होगी द फैमिली मैन 3

बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की मोस्ट अवेटेड सीरीज द फैमिली मैन 3 जल्द ही अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। इस सीरीज में एक बार फिर से मनोज देश के सभी दुश्मनों की वाट लगाने वाले हैं।

अलाया एफ ने सेक्सी आउटफिट में दरिया किनारे लगाई आग

अपने समय की ख्यातनाम हॉट अभिनेत्री रही पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ इन दिनों सोशल मीडिया की सनसनी बनी हुई है।बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस का दिल धड़काती रहती हैं।

हाल ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। अलाया ने ब्लैक एंड व्हाइट क्रॉप टप और डेनिम शॉर्ट पहना हुआ है, लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और दरिया किनारे सेक्सी पोज देते दिखााई दे रही हैं। वैसे भी आलया एफ अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री अपने हॉट और सेक्सी लुक्स की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। अलाया एफ आज रिलीज हुई फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में काफी अहम रोल में नजर आई हैं।

क्रिटिक्स को दर्शकों को उनकी एक्टिंग भी काफी पसंद आ रही है।बात अगर अलाया इब्राहिम फर्नीचरवाला, जो अलाया एफ के नाम से मशहूर है के काम की जाए तो अलाया ने वर्ष 2020 में अपनी शुरूआत सैफ अली खान के साथ फिल्म जवानी जानेमन से की थी। इस फिल्म में उन्होंने सैफ की बेटी का किरदार निभाया था। तब्बू ने उनकी माँ की भूमिका को अभिनीत किया था। अलाया ने फिल्म में दमदार अभिनय किया था जिसके लिए उन्होंने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक्कतें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं। मंदिर मे नारियल का भोग अर्पित करें ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को ख़ुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 13 अप्रैल 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 12:06 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 12:49 तक
योग : शोभन रात्रि 12:33 तक
करण : बालव दोपहर 12:06 तक
चन्द्रराशि : वृषभ दोपहर 12:44 तक
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कल्पादि तिथि , अश्विनी में रवि मेष संक्रान्ति रात्रि 09:04 से स्कन्द षष्ठी , संक्रांति पुण्यकाल दोपहर 12:39 से सूर्यास्त तक , खरमास समाप्त

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अब तक 1185 से अधिक अवैध हथियार जब्त

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने अब तक 1185 अवैध हथियार जब्त किए हैं तथा 1.55 लाख से अधिक लाइसेंसी हथियार जमा किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 का कार्यक्रम घोषित होने के बाद गत 16 मार्च से प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के साथ ही राजस्थान पुलिस अवैध हथियारों तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियारों को जमा करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पाबंद करने की कार्यवाही कर रही है और इसी के तहत यह हथियार जब्त किए गए हैं और लाइसेंसी हथियार जमा किए गए हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि पुलिस रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में अब तक 1185 अवैध हथियारों के साथ

ही 2303 कारतूस, 4129 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और सात आईईडी (बम) जब्त किए गए हैं। एक अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर छापे की कार्रवाई भी की गई है। साथ ही प्रदेश भर में एक लाख 62 हजार 777 लाइसेंसशुदा हथियारों में से एक लाख 55 हजार 373 हथियार विभिन्न पुलिस थानों में जमा करवाए गए हैं। 1692 हथियार लाइसेंस निरस्त किए गए हैं तथा 51 लाइसेंसी हथियारों को जब्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस ने प्रदेश में 51 हजार 362 लोगों को अपराध प्रक्रिया संहिता की धाराओं 107, 108, 110 एवं 151 आदि के तहत पाबंद किया है। इसी प्रकार एक लाख 18 हजार 688 लोगों को संहिता की उक्त धाराओं के साथ ही 109 और 116(3) धाराओं के तहत पाबंद किया है। इस अवधि में 16 लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) सहित अन्य धाराओं में प्रतिबंधित किया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस ने विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में 1400 बस्तियों को संवेदनशील आबादी और 4322 व्यक्तियों को गड़बड़ी फैलाने वाले संदिग्ध लोगों के रूप में चिह्नित किया है। साथ ही प्रदेश में 299 अन्त:राज्य और 225 अंतर्राज्यीय पुलिस नाके लगाए गए हैं।

स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन तथा धन-बल रहित चुनाव के लिए राजस्थान में कुल 3819 सतर्कता दल भी सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में भयमुक्त, निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित चुनाव कराने के लिए प्रदेश भर में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और चुनाव से जुड़ी गतिविधियां शांतिपूर्वक चल रही हैं और अब तक एक भी हिंसक घटना सामने नहीं आई है।

पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह जसोल भाजपा में शामिल

बाड़मेर 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले नेताओं के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी हैं और शुक्रवार को पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह जसोल फिर भाजपा में शामिल हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बाड़मेर में भाजपा प्रत्याशी एवं केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा से पहले इसी मंच पर श्री जसोल ने फिर से भाजपा का दामन थाम लिया। इस अवसर पर पूर्व आईएएस अधिकारी ललित के पंवार एवं महंत निर्मलदास भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक डा अरुण चतुर्वेदी ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर श्री जसोल, श्री पंवार एवं महंत निर्मलदास को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर कैलाश चौधरी सहित भाजपा के अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उल्लेखनीय हैं श्री जसोल बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं शिव विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।

सनातनी संस्कृति बनाए रखने में करें सहयोग–देवनानी

जोधपुर ,12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का गुरुवार को जोधपुर पहुंचने पर सिंधी समाज की विभिन्न संस्थाओं और अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। श्री देवनानी विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जोधपुर पहुंचे। उन्होंने जोधपुर में लोगों को चेटीचंड, नव संवत्सर और नवरात्र पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। श्री देवनानी ने कहा हम लोग मूलतः हिंदुस्तान के है। सनातनी है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज के लोगों ने सिंधु नदी के तट पर बैठ कर व्रत किये, तब भगवान झूलेलाल अवतरित

हुए और सभी के कष्ट दूर हुए।

श्री देवनानी ने कहा समाज के सभी लोग सनातनी संस्कृति को बनाए रखने में सहयोग करें। सिंधी समाज के लोग स्वाभिमानी होते हैं। मेहनती होते हैं। जमीन से जुड़े होते हैं।

छोटे से छोटे काम को करने में भी किसी प्रकार का संकोच नहीं करते हैं। जोधपुर में सिंधी समाज के विभिन्न संगठनों और संस्थाओं ने श्री देवनानी का अभिनंदन किया।

जोधपुर की सिंधी सेंट्रल पंचायत, सिंधी गुरु संगत दरबार, सिंधी पंचायत चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, सिंधी पंचायत प्रताप नगर, सिंधी पंचायत रातानाडा, सिंधी पंचायत शक्ति नगर, झूलेलाल मंडली सरद-ारपुरा, झूलेलाल युवा मंडल, सिंधी महिला मंडल ,सिंधी पंजाबी सदर समिति सहित लगभग डेढ़ दर्जन संस्थाओं ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया।

देवनानी ने सूर्यकांता व्यास की पूछी कुशलक्षेम

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को जोधपुर एम्स में उपचार ले रही पूर्व विधायक सूर्यकान्ता व्यास की कुशलक्षेम पूछी। श्री देवनानी ने श्रीमती व्यास से उनकी तबीयत के बारे में पूछा। उन्होंने श्रीमती व्यास का उपचार कर रहे चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य एवं इलाज के बारे में जानकारी ली। श्री देवनानी ने श्रीमती व्यास के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जेएलएन चिकित्सालय के रेजिडेंट चिकित्सकों ने किया दो घंटे कार्य का बहिष्कार

अजमेर 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े राजकीय जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) चिकित्सालय में रेजिडेंट चिकित्सकों ने राज्यव्यापी आंदोलन के तहत शुक्रवार को दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया। जेएलएन अस्पताल के रेजिडेंट चिकित्सक जयपुर के कांवटिया अस्पताल प्रकरण में अपने साथी रेजिडेंट के विरुद्ध कार्रवाई के विरोध में पिछले तीन दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

शुक्रवार को जेएलएन के सभी विभागों के रेजिडेंट चिकित्सक दो घंटे के लिए पैन डाऊन हड़ताल पर रहे। सभी ने चिकित्सालय के मुख्य गेट पर एकत्रित हो नारेबाजी भी की और सभी विभागों के रेजिडेंट ने प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी कि शाम तक निलंबन आदेश वापस नहीं लेने पर आने वाले कल से अनिश्चितकालीन संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जायेगा। दूसरी ओर जेएलएन अस्पताल अधीक्षक डा. अरविंद खरे , रेजिडेंट चिकित्सकों के विरोध के बावजूद अस्पताल की व्यवस्था सुचारू होने का दावा कर रहे हैं।

उनका कहना है कि सभी विभागों में वरिष्ठ चिकित्सक मरीजों को देखने का काम कर रहे हैं। मरीजों को असुविधा नहीं होने दी जायेगी।

बरवाला में पूर्व सीएम की रैली में किसानों ने किया विरोध का प्रयास

मनोहर लाल बोले- एक दो ऐसे होते हैं

हिसार, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बरवाला में पूर्व सीएम मनोहर लाल की रैली में किसानों ने विरोध करने का प्रयास किया। इस बीच सादी वर्दी में मौजूद पुलिस कर्मियों ने किसानों को दबोच लिया। किसान का मुंह दबाकर उसे बाहर ले गए। रैली स्थल पर विरोध करने पहुंची दो महिलाओं को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। महिलओं ने भाजपा सरकार मुर्दाबाद, मनोहरलाल मुर्दाबाद के नारे लगाए। मंच पर मौजूद पूर्व सीएम मनो-हरलाल ने कहा कि एक दो लोग ऐसे होते हैं। उन्होंने पुलिस कर्मियों की ओर इशारा कर कहा कि इन्हें यह लोग खुद देख लेंगे। इसके बाद महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। रैली स्थल के बाहर किसान नेताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने किसानों को हिरासत में लेकर उन्हें अग्रोहा थाने में भेज दिया।

किसानों ने कहा कि फसल खरीद के समय भी सरकार मनमानी करते हुए मंडी के शेड को राजनीतिक रैली के लिए उपयोग कर रही है। किसान नेता सरदानंद राजली ने बताया कि किसानों ने पहले से ही पूर्व सीएम से सवाल पूछने का एलान किया हुआ था। पुलिस ने किसानों को मंडी में बने रैली स्थल से पहले ही रोक लिया। हम भाजपा-जजपा के हर एक नेता से सवाल करेंगे। सीएम से पूछेंगे कि उन्होंने दिल्ली जाने वाले किसानों का रास्ता क्यों रोका? 750 किसानों की मौत का जिम्मेदार कौन है। किसानों को एमएसपी क्यों नहीं मिल रहा? किसानों की फसलों की पूरी खरीद क्यों नहीं हो रही? अपनी आवाज उठाने वाले किसानों पर लाठीचार्ज क्यों किया? जानकारी के अनुसार दोनों महिलाओं किसान संगठन से जुड़ी है।

गन्नौर में युवक की चाकू से गोदकर की हत्या

मोबाइल सिम को लेकर हुए झगड़े में दिया वारदात को अंजाम

सोनीपत, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में गन्नौर के खेड़ी रोड स्थित घर में घुसकर युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग गया। घायल को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए खानपुर कलां महिला मेडिकल कॉलेज के अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। वारदात की सूचना मिलने पर गन्नौर एसीपी गोरखपाल राणा व थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

खेड़ी रोड निवासी रोहित (23) पानीपत में क्रेन पर बतौर चालक कार्यरत था। परिजनों ने बताया कि रोहित बुधवार को ही घर आया था। उनके नाम पर ली गई मोबाइल सिम का प्रयोग रोहित का भतीजा कर रहा था, लेकिन कुछ दिन पहले ही उनके पड़ोसी मोनू ने वह सिम ले ली थी।

रोहित के घर आने पर उनके भतीजे ने बताया कि सिम मोनू ले गया है और वापस नहीं दे रहा। शुक्रवार सुबह रोहित ने मोनू के पास फोन पर सिम लौटाने की बात कही। आरोप है कि मोनू ने पहले फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया, फिर कुछ देर बाद चाकू लेकर उनके घर पहुंचा और रोहित पर वार कर दिए। घर में मौजूद रोहित की मां बीच-बचाव करने आई तो आरोपी ने उन्हें धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया और रोहित पर चाकू से कई वार कर भाग गया। परिजनों ने लहूलुहान हालत में रोहित को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए खानपुर कलां महिला मेडिकल कॉलेज के अस्पताल रेफर कर दिया। रोहित ने मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही रास्ते में दम तोड़ दिया। वारदात की सूचना मिलने पर गन्नौर एसीपी व थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी।

गोदाम में आग लगने से मचा हड़कंप

अजमेर 12 अप्रैल (एजेंसियां)। स्टेशन रोड के सामने क्लाक टावर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक तीन मंजिल व्यावसायिक गोदाम में आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लाकटावर थाने के नजदीक दवाओं के थोक विमला मार्केट से लगे लक्ष्मी मार्केट स्थित एक तीन मंजिला गोदाम में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने एकाएक विकराल रूप धारण कर लिया और रूक-रूक कर धमाके होने लगे। बाद में पता चला कि एसी में भरने वाली गैस के छोटे सिलेंडर से धमाके गूंज रहे हैं। दरअसल, यह फ्रीज एवं एसी में गैस भरने वाला कम्प्रेशन गोदाम है, जिसमें भीषण आग लगी।

अजमेर नगर निगम की छह से ज्यादा दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब ढ़ाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण किया जा सका।

महेश हत्याकांड की गुत्थी सुलझी, पुलिस पूछताछ में आरोपी प्रिया बोली

नरबलि के लिए की गई थी महेश गुप्ता की हत्या

अंबाला,12 अप्रैल (एजेंसियां)। छावनी के प्रसिद्ध कारोबारी महेश गुप्ता हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रिया सहित उसके भाई हेमंत व भाभी प्रीती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में प्रिया ने खुलासा किया कि उसे माता में विश्वास था और माता नर बलि मांग रही थी, किसी बड़े आदमी की लेनी थी। महेश गुप्ता उनका परिचित भी था, इसलिए उसे ही जाल में फंसाया और घर बुलाकर नर बली दी। उधर, मेडिकल के लिए ले जाते समय बिगड़ी प्रिया की तबियत बिगड़ गई ओर बेहोश हो गई। पुलिस ने उसे अस्पताल में दाखिल करवाया।

पड़ाव थाना प्रभारी दिलीप कुमार का बताया कि प्रिया माता को ज्यादा मानती थी। प्रिया बोल रही है कि 4-5 दिन से नर बली मांग रही थी। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जायेगा। आरोपियों ने माना है कि उन्होंने घर पर बुलाकर गला दबाकर हत्या कि और गुप्तांग पर भी वार किए। बता दें कि 10 अप्रैल को छावनी के सुन्दर नगर स्थित एक मकान से महेश गुप्ता का शव मिला था। जैसे ही परिजन पहुंचे थे तो शव कमरे में पड़ा था और प्रिया, हेमंत व प्रीती उसके पास बैठी थी। महेश के गले में चुन्नी डली हुई थी। उस समय तीनों मौके से हो फरार गए थे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राजद के गढ़ में चिराग की चुनावी सभा, कहा–

भ्रष्टाचार में लिप्त परिवार पीएम मोदी के खिलाफ बोल रहा

गया (एजेंसियां)।

गया लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को पहले फेज में मतदान होना है। जैसे–जैसे मतदान का समय नजदीक आ रहा है, वैसे–वैसे जिले में चुनावी सरगर्मी तेज होते जा रही है। गुरुवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमो चिराग पासवान की चुनावी सभा राजद के गढ़ बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में हुई। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान विपक्षियों पर जमकर बरसे। मीसा भारती द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जेल भेजे जाने के बयान पर जमकर बरसें।

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के लिए वोट मांगने के लिए गए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष के नेता किस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, यह निंदनीय है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। हमारे देश के गौरव हैं। इस तरह की भाषा का प्रयोग कर दुनिया में क्या संदेश देना चाहते हैं। यह कौन लोग बोल रहा है जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप हैं। इनके परिवार के सदस्य लालू यादव, तेजस्वी यादव समेत परिवार के कई लोगों के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं। ऐसे में मुझे लगता है इस तरह की भाषा सिर्फ व सिर्फ बदले की भावना दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कई लोग हैं, जो भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। कई ऐसे लोग भी हैं, जातपात और मजहब के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। जातियों में बाट कर बिहार के युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है। महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम किया है। उनके हक और अधिकारों को छीनने का काम किया है। ऐसे में जरुरी है, हमलोगो को एक होकर ऐसे लोगों को चिन्हित करें।

चिराग पासवान ने राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं उनकी पृष्ठभूमि पर नहीं जाना चाहता हूं। मैं नहीं जानना चाहता कि कब किस प्रस्थिति में कैसे उनके परिवार के साथ दुर्घटना हुई थी और परिवार के सदस्य के साथ उनके पिता के साथ और किस तरीके से हत्या हुई थी और वह दौर क्या था।

जिस तरीके से उस वक्त बिहार के अधिकांश जिले नक्सल से प्रभावित होते थे। बिहार के कई जिले विकास के नाम से नहीं सिर्फ नक्सलवाद के लिए जाने जाते थे। आज बिहार विकास के लिए जाना जाता है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एनडीए प्रत्याशी सह हम पार्टी के सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के लिए लोगों से समर्थन मांगे। मालूम हो कि लोजपा रामविलास पार्टी के नेता चिराग पासवान के जिले में बेलागंज विधानसभा के बाद बोधगया विधानसभा क्षेत्र के फहतेपुर और वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा होना है।

डीआरआई ने तीन गोल्ड तस्कर को पकड़ा

इतना सोना और कैश देख दंग रह गई पूरी टीम

पटना (एजेंसियां)।

डीआरआई की टीम ने तीन सोना तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लाखों 82.50 लाख कैश और 12 गोल्ड बिस्किट बरामद किए गए हैं। डीआरआई की टीम मामले की जांच में जुट गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विधू भूषण रॉय (58), दिनेश पारीक (45) और मनोज कुमार सिन्हा (44) के रूप में की गई है। विधू भूषण रॉय कूचबिहार के पुंडीबारी बाजार का निवासी है। वहीं दिनेश और मनोज किशनगंज का रहने वाला है।

बताया जा रहा है कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) सिलीगुड़ी इकाई को सूचना मिली थी कि किशनगंज से दो तस्कर सोने की डिलीवरी के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी पहुंचे हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। इसके बाद तीनों तस्करों को रंगेहाथ पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान विधू भूषण रॉय ने कहा कि वह डिलीवरी का इंतजार कर रहे दो तस्करों को सोना सौंपने के लिए सिलीगुड़ी पहुंचे थे।

जैसे ही तस्कर जलपाई मोड़ पहुंचे वैसे ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

कार की तलाशी के दौरान डीआरआई टीम ने डिक्की से 82.50 लाख रुपये कैश और 12 गोल्ड बिस्किट बरामद किया। इसके बाद दिनेश पारीक और मनोज कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया गया। टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। तीनों को जेल भेजा जा रहा है।

उपेंद्र कुशवाहा को बैठाकर कहा–

स्वागत है, मगर वोट नहीं देंगे वायरल वीडियो पर आई सफाई

काराकट (एजेंसियां)।

बिहार की काराकाट लोकसभा क्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो एक मिनट 15 सेकंड का है, जिसमें एनडीए के काराकाट से उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के सामने बैठे कुछ लोग उपेंद्र कुशवाहा पर कुशवाहा जाति और उनके गांव में नहीं आने तथा उनके समाज का विकास न करने का आरोप लगा रहे हैं। इसके साथ ही उपेंद्र कुशवाहा के सामने बैठे शख्स उन्हें वोट न देने की बात कह रहे हैं। उसके बाद उपेंद्र कुशवाहा उनकी बातों को सुनकर वहां से चले जाते नजर आ रहे हैं।

वायरल वीडियो के मुताबिक, उपेंद्र कुशवाहा के सामने बैठे व्यक्ति द्वारा कहा जा रहा है कि इतने वर्षों में न ही वर्तमान सांसद महाबली सिंह और न ही उपेंद्र कुशवाहा इस रास्ते से गुजरने के बावजूद भी कुशवाहा जाति के गांव में कभी आए और न ही समाज के उत्थान या विकास की बात की।

लेकिन अब जब लोकसभा चुनाव नजदीक है तो कुशवाहा जाति के वोट लेने के लिए उनके गांव में आए हैं, लेकिन गांव के लोग उन्हें वोट नहीं देंगे। वीडियो में साफ कहा जा रहा है कि आप गांव में आए आपका स्वागत है, लेकिन चुनाव में आपको वोट नहीं दिया जाएगा।

वहीं, इस मामले को लेकर उपेंद्र कुशवाहा से बात करने की कोशिश की गई। लेकिन उनके पर्सनल सेक्रेटरी द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

वहीं, तेजी से वायरल हो रहा ये वीडियो कब और कहां का है, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं की जा सकी है।

हालांकि वाट्सएप पर उपेंद्र कुशवाहा की ओर से मैसेज करके बताया गया कि यह वीडियो औरंगाबाद लोकसभा का है। इस वीडियो में जो सख्स बोल रहे हैं, वह कुशवाहा जाति से नहीं बल्कि यादव जाति के हैं।

मधेपुरा लोकसभा सीट पर होने वाले चुनाव के लिए नामांकन शुरू, सात मई को है मतदान

मधेपुरा (एजेंसियां)।

बिहार के मधेपुरा संसदीय क्षेत्र में तीसरे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार से नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 19 अप्रैल तक उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकते हैं। नामांकन दाखिल करने का समय सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक निर्धारित है।

नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा करने की तिथि 20 अप्रैल है। वहीं, नाम वापसी की अंतिम तिथि 22 अप्रैल है। मतदान सात मई को होगा, जबकि मतगणना की तिथि चार जून है।

जानकारी के मुताबिक, अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क बनाया गया है। नाम निर्देशन पत्र के साथ सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी को 25 हजार और एससी–एसटी अभ्यर्थी को 12 हजार पांच सौ का नाजिर रसीद (एनआर) संलग्न करने के लिए अलग से डेस्क लगाया गया है। निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि के भीतर आने के लिए प्रत्याशी के दस्ते में या उसके साथ आने वाले वाहनों की अधिकतम संख्या तीन तक सीमित कर दी गई है।

नामांकन के समय निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में उम्मीदवार समेत अधिकतम पांच लोग प्रवेश कर सकते हैं।

इस बार मधेपुरा में 70 हजार नए वोटर का नाम मतदाता सूची में जोड़ा गया है।

कुल मिलाकर पूरे लोकसभा क्षेत्र में 21 लाख 11 हजार 773 मतदाता वोट डालेंगे। इसमें पुरुष वोटर की संख्या 10 लाख 96 हजार 197 और महिला वोटर की 10 लाख 13 हजार 72 है। जबकि पारलिंगी (ट्रांस जेंडर) मतदाता की संख्या 51 है। इस संसदीय क्षेत्र में सर्विस वोटर की संख्या 2,442 है।

कुल मतदाताओं में से 27,805 मतदाता 18–19 वर्ष के युवा वोटर हैं। 85 वर्ष या इससे अधिक उम्र के कुल मतदाताओं की संख्या में 16,180 है।

वहीं, 15029 दिव्यांग मतदाता हैं। मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र कुल छह विधानसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है, जिनमें कुल 2,045 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आलमनगर विधानसभा क्षेत्र में 354, बिहारीगंज विधानसभा क्षेत्र में 312, मधेपुरा विधानसभा क्षेत्र में 348, सोनवर्षा विधानसभा क्षेत्र में 329, सहरसा विधानसभा क्षेत्र में 388, महिषी विधानसभा क्षेत्र में 314 बूथ बनाए गए हैं।

हेलमेट के लिए लाख रुपये का ट्रैफिक चालान!

ऐसी रसीद देख बाइक वाले का सिर चकराया

पटना (एजेंसियां)।

अगर आप बाइक से कहीं जा रहे हैं तो हेलमेट के साथ–साथ अपने सभी कागजातों को दुरुस्सित कर अपने पास रखें वरना आपको एक लाख रुपये तक चालान कट सकते हैं। यकीन नहीं तो यह खबर पढ़िए जहां एक महिला एसआई ने एक बुलेट चालक से एक हजार के बदले एक लाख का चालान काट दिया। मामला सिल्क सिटी भागलपुर जिले के नवगछिया अंतर्गत कदवा थाना क्षेत्र का है। इस मामले में वाहन मालिक रेजाबुल का कहना है कि 6 अप्रैल को वह अपने अन्य तीन साथी के साथ बुलेट से जा रहा था। तभी खैरपुर कदवा फोरलेन पर बने चौक पोस्ट पर यातायात पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। ट्रिपल लोडिंग होने की वजह से पुलिस ने उनका चालान काटा।

उन्होंने बताया कि 1000 की जगह पर एक लाख का चालान कट गया है। रेजाबुल ने बताया कि जब मैं घर वापस आया तो चालान देखकर मैं घबड़ा गया। रेजाबुल ने कहा कि इसके बाद मैं पुनः इसकी शिकायत लेकर कदवा थाना अध्यक्ष के पास पहुंचा नवगछिया थानाध्यक्ष ने नवगछिया पुलिस अधीक्षक के नाम से आ–वेदन लिखकर परिवहन विभाग में चालान को सही करवाने की गुहार लगाईं।

कदवा थाना अध्यक्ष रणधीर प्रसाद सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में कहा है कि वाहन चेकिंग के दौरान हेलमेट का जुर्माना भरने में पासवर्ड गलत अंकित हो जाने के कारण 1000 के बदले एक लाख का चालान कट गया है। वही गाड़ी बीआर 43 टी 5881 मोहम्मद आफताब के नाम से रजिस्टर्ड है जो धनसहपुर मधेपुरा का रहने वाला है। इसलिए इस गलत चालान को दुरुस्त किया जाय।

तेजस्वी यादव बोले– असली दुश्मन गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी

राजद कलम तो भाजपा तलवार बांट रही

पटना (एजेंसियां)।

गया जिले के टिकारी प्रखंड के मखपा खेल मैदान में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी के लिए चुनावी सभा को संबोधित किया। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोग जान रहे हैं कि चाचा जी पलट गए हैं लेकिन जहां भी रहे स्थिर रहे खुश रहे, बुजुर्ग हैं अभिभावक हैं। हमारा पूरा सम्मान है लेकिन भाजपा वालों ने उन्हें हाइजैक कर लिया है। भाजपा को लात मारकर आए तो हमलोगों ने मुख्यमंत्री बनाया। हम मोदी की बात नहीं मुद्दे की बात करने आए हैं। हमने कमिटमेंट किया है तो नौकरी दिया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि उप मुख्यमंत्री रहते 17 महीने में 5 लाख लोगो को नौकरी देने का काम किया। लेकिन, अभी भी बेरोजगारी है। युवाओं ने पढ़ लिया, डिग्री तो ले ली लेकिन नौकरी नहीं मिल रही है। हमारा असली दुश्मन महंगाई ,गरीबी और बेरोजगारी है। क्षेत्रीय मुद्दा हावी है। इस पर चुनाव होना चाहिए। जब तक गांव और गांव वालो का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं हो सकता है। लोकतंत्र की आत्मा क्षेत्रीय दलों में बसती है क्योंकि क्षेत्रीय दल वहां की समस्या को जानती है। लेकिन, मोदी हर पांच साल के चुनाव में आते हैं झूठ बोलकर जाते हैं। गोबर को भी हलुआ परोस देते हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी आंख फोड़कर चश्मा देंगे और फिर कहेंगे हमने चश्मा दे दिया है। लेकिन, यह नहीं बोलेंगे की आंख भी फोड़े हैं। कोई एक वादा बता दें जो पूरा किया है। 10 साल से पीएम हैं। बिहार में एनडीए 18 साल से है। लेकिन, अभी किसानों की आय दो–गुना, फसल का सही रेट नहीं मिल रहा। क्योंकि बेईमान लोग बैठे हैं। देश की संपति को बेच दिया गया। सेना में 4 साल का ठेका पर अग्निवीर योजना लाए हैं। अग्निवीर योजना में शहीद का दर्जा ,पेंशन नहीं मिलेगा। यही मोदी का असली चेहरा है। लालू ने रेलवे ने 90 हजार रुपए का मुनाफा दिया था। ट्रेन का पहिया बिहार में बनता है वह लालू यादव का देन है। गरीबों के लिए एसी वाला गरीब रथ चालू किया था। 10 साल केंद्र में और 17 साल बिहार में लेकिन कुछ नहीं किया। कौन क्या खाता है कौन क्या पहनता है। उसपर राजनीति करेंगे। राजद कलम बांट रहा है तो पीएम मोदी तलवार बांट रहे हैं।

776 करोड़ के घोटाले के आरोप में पूर्व आईपीएस अधिकारी बिहार से गिरफ्तार

गोपालगंज (एजेंसियां)।

बिहार के गोपालगंज में छत्तीसगढ़ की एसीबी टीम ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। वह जनवरी महीने से फरार चल रहे थे। छत्तीसगढ़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बिहार पुलिस की मदद से गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव में छापेमारी की। इसके बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रभात ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी प्रकाश पति त्रिपाठी के पुत्र अरुणपति त्रिपाठी छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रह चुके हैं। उनपर नौकरी में रहते हुए 776

करोड़ का शराब घोटाला करने का आरोप लगा है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव रहे अरुण पति त्रिपाठी पर शराब घोटाला का मामला दर्ज है।

छत्तीसगढ़ पुलिस की मानें तो अरुणपति त्रिपाठी नौ माह तक जेल में रहने के बाद बाहर निकले थे और बीते जनवरी माह से ही मोबाइल बंद कर फरार चल रहे थे। इन पर ईडी ने भी केस दर्ज कर रखा है। जनवरी से छत्तीसगढ़ पुलिस और ईडी की टीम इनकी तलाश कर रही थी। इसी बीच टीम को सूचना मिली कि अरुणपति त्रिपाठी गोपालगंज में छिपे थे। इसके बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने बिहार पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद आरोपी अरुपपति त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया गया।

चाचा ने भतीजी को भुसौली में ले जाकर किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के बेतिया में नौ साल की मासूम से उसके चाचा ने भुसौली में ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना जिले के कुमारबाग थाना क्षेत्र के एक गांव की है। इस घटना को लेकर पीड़ित मासूम की मां ने महिला थाने में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पीड़िता की मां ने प्राथमिकी में बताया कि रात में आरोपी चाचा ने घर से बुलाकर मासूम से दुष्कर्म किया है। आरोपी उसका चाचा मुन्ना है। ऐसी घटना के बाद अपनों (सगे संबंधियों से) से भरोसा उठने लगा है। उन्होंने बताया कि आरोपी मुन्ना अपनी भतीजी से पिछले काफी दिनों से दुष्कर्म कर रहा था।

पीड़िता की मां ने बताया कि बुधवार की रात आरोपी मुन्ना खाना खाने के बहाने बच्ची को बुलाकर अपने घर ले जाने की कोशिश करने लगा। लेकिन बच्ची नहीं जा रही थी। तब घर वालों उसे उसके साथ भेज दिया। उसके बाद उसने बच्ची को घर के बगल में स्थित भूसा रखने के लिए बनी भुसौली में ले जाकर दुष्कर्म किया।

पीड़िता की मां ने बताया कि जब घर वालों को इस घटना की जानकारी मिली तो गुरुवार को 112 नंबर पर फोन कर कुमारबाग पुलिस को सूचना दी गई। फिर मामले की जांच के सिलसिले में महिला थाना पुलिस ने बच्ची की मेडिकल जांच कराई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com